



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 47]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 23, 1974 (अग्रहायण 2, 1896)

No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 23, 1974 (AGRAHAYANA 2, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महासेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

**Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India**

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 अक्टूबर 1974

सं० ए० 32016/7/72-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी सहायक अधीक्षक (हालस्थ) श्री एस० पी० बंसल को 1 सितम्बर 1974 से 30 अक्टूबर 1974 तक एक मास की अवधि के लिए अथवा प्राणामी आदेश तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में अधीक्षक (हालस्थ) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 11013/2/74-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के सहायक ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० एन० झरोड़ा को 23 सितम्बर 1974 (पूर्वाह्न) से 28 फरवरी 1975 तक आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

श्री बी० एन० झरोड़ा की अनुभाग अधिकारी (विशेष) संवर्गवाह्य के पद पर नियुक्ति प्रतिनियुक्ति पर होगी तथा उनका वेतन वित्त मंत्रालय के, समय-समय पर संशोधित का० शा० सं० फा० 10(24)-ई०-III दिनांक 4 मई 1961 में निबद्ध उपबन्धों के अनुसार विनियमित होगा।

1-336 GI/74

सं० ए० 11013/2/74-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० एस० कपूर को 23 सितम्बर 1974 (पूर्वाह्न) से 28 फरवरी 1975 तक आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

श्री बी० एस० कपूर की अनुभाग अधिकारी (विशेष) संवर्गवाह्य के पद पर नियुक्ति प्रतिनियुक्ति पर होगी तथा उनका वेतन वित्त मंत्रालय के, समय-समय पर संशोधित का० शा० सं० फा० 10(24)-ई०-III दिनांक 4 मई 1961 में निबद्ध उपबन्धों के अनुसार विनियमित होगा।

सं० ए० 11013/2/74-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री एस० श्रीनिवासन को 23 सितम्बर 1974 (पूर्वाह्न) से 28 फरवरी 1975 तक आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

श्री एस० श्रीनिवासन की अनुभाग अधिकारी (विशेष) संवर्गवाह्य के पद पर नियुक्ति प्रतिनियुक्ति पर होगी तथा उनका वेतन वित्त मंत्रालय के, समय-समय पर संशोधित का०

ज्ञा० सं० फा० 10 (24)-ई०-III दिनांक 4 मई 1961 में निबद्ध उपबन्धों के अनुसार विनियमित होगा।

सं० ए० 11013/2/74-प्रशा०-I—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, एतद्द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बीर सिंह रियात को 23 सितम्बर 1974 (पूर्वाह्न) से 28 फरवरी 1975 तक आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

श्री बीर सिंह रियात की अनुभाग अधिकारी (विशेष) संवर्गवाच्य के पद पर नियुक्ति प्रतिनियुक्ति पर होगी तथा उनका वेतन विभ मंत्रालय के, समय-समय पर संशोधित का० ज्ञा० सं० फा० 10 (24)-ई०-III दिनांक 4 मई 1961 में निबद्ध उपबन्धों के अनुसार विनियमित होगा।

एम० आर० भागवत,  
अवर सचिव,  
कृते सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग।

#### मंत्रिमंडल सचिवालय

#### कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी  
मसूरी, दिनांक 22 अक्टूबर 1974

श्री सी० डी० साहनी, लेखा अधिकारी, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी ने निवृत्ति अवकाश (Leave preparatory to retirement) दिनांक 18-8-74 से 31-10-74 तक, पर जाने के फलस्वरूप दिनांक 17-8-74 के अपराह्न में अपने पद से कार्यभार मुक्त हो गए हैं।

आर० सी० त्रिपाठी,  
उप-निदेशक

#### केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 24 अगस्त 1974

सं० पी० एफ०/आर०-143/72-प्रशासन-I—राज्य पुलिस विभाग में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, पश्चिम बंगाल पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त अधिकारी श्री आर० आर० घोष को दिनांक 3 अगस्त 1974 के अपराह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता में अपने कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

गुलजारी लाल अग्रवाल,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर 1974

सं० पी० एफ०/ए०-78/72-प्रशा०-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, वि० पु० स्था०, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, एतद्द्वारा

दिनांक 22-4-74 के पूर्वाह्न से श्री असोक कुमार मुखर्जी, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता का त्यागपत्र स्वीकार करते हैं।

सं० पी० एफ०/बी०-127/74-प्रशा०-I—इस कार्यालय के दिनांक 26-8-74 की समसंख्यक अधिसूचना के अधिप्रमण में, पुलिस उप-महानिरीक्षक, वि० पु० स्था०, एतद्द्वारा, श्री विश्वजीत साहा, उप-निरीक्षक को दिनांक 8 जुलाई, 1974 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए के० अ० ब्यूरो के दिल्ली वि० पु० स्था० प्रभाग की कलकत्ता शाखा में अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रोन्नत करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
कृते पुलिस उप-महानिरीक्षक,  
वि० पु० स्था०

#### गृह मंत्रालय

#### महानिदेशालय, केन्द्रीय आरक्षित सुरक्षा दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 अक्टूबर 1974

सं० ओ० दु०-13/74-स्था०—राष्ट्रपति, श्री एम० एम० बाबा जोकि हरियाणा संवर्ग भारतीय सुरक्षा सेवाओं के अधिकारी हैं को केन्द्रीय आरक्षित सुरक्षा दल में उप-महानिरीक्षक के पद पर प्रतिनियुक्त किया जाता है।

श्री बाबा ने उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय आरक्षित सुरक्षा दल, कोहिमा का कार्यभार 2 सितम्बर 1974 (पूर्वाह्न) को सम्भाल लिया।

सं० ओ० दु०-172/69-स्थापना—55 दिनों का दिनांक 1-7-74 से सेवान्त अवकाश तथा दिनांक 30-6-74 को ईतवार होने पर अवकाश से पहले अनुमति सहित मेजर एम० आर० चौधरी, सहायक कमान्डेन्ट का प्राकालीन पद दिनांक 29-6-74 (अपराह्न) को समाप्त किया जाता है।

सं० ओ०-II 968/74-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर भंवर लाल मणि को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनका कार्यभार सभालने की तारीख से नियुक्त करने हैं।

2. डाक्टर भंवर लाल मणि को गुरु सेंटर जे० आई०, सी० आर० पी० दल, अजमेर में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 16 सितम्बर 1974 (अपराह्न) से संभाल लिया है।

दिनांक 26 अक्टूबर 1974

सं० ओ०-II 93/69-स्था०—कर्नल बी० के० सबनिस (निवृत्त) कमान्डेन्ट बारहवीं वाहिनी केन्द्रीय आरक्षित सुरक्षा दल का प्रतिनियुक्ति का समय समाप्त होने पर दिनांक 31-8-1974 के (अपराह्न) को कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 28 अक्टूबर 1974

राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

सं० ओ०-II 119/69-स्था०—मेजर हरचन्द सिंह का प्रतिनियुक्ति का समय समाप्त होने पर कमाण्डेंट चतुर्थ वाहिनी केन्द्रीय आरक्षित सुरक्षा दल का कार्यभार दिनांक 30-9-74 (अपराह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 30 अक्टूबर 1974

सं० ओ०-II 957/स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर सरादा प्रसाद पटनायक को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार सभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

डाक्टर सरादा प्रसाद पटनायक को 53 बटालियन सी० आर०पी० दल में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 27 सितम्बर 1974 पूर्वाह्न से सभाल लिया है।

एस० एन० माधुर,  
सहायक निदेशक (प्रशासन),

#### महानिरीक्षक का कार्यालय

#### केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 14 अक्टूबर 1974

सं० ई०-32015(1)/4/73-प्रशा०-I—पुनर्नियुक्ति की वर्तमान शर्तों की समाप्ति पर, ले० कर्नल ई० एम० सुन्दरम ने दिनांक 24 सितम्बर 1974 के अपराह्न से के० ओ० सु० बे०, भारत कोकिंग कोल लि०, जीलपोरा, झरिया (धनबाद), की 17वीं बटालियन के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 26 अक्टूबर 1974

सं० ई०-17017/3/74-प्रशा०-I—ले० कर्नल एच० एस० वेदी, मनोनीत कमांडेंट, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भारत उर्वरक निगम लि० के कार्यभार सभालने की तारीख से श्री सुखदेव सिंह, वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी, भारत उर्वरक निगम लि०, नागल यूनिट, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के पदेन कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ देंगे।

एल० एस० बिष्ट  
महानिरीक्षक

आबू, दिनांक 16 अक्टूबर 1974

सं० 41/17/74-स्थापना—पश्चिम बंगाल सरकार के न्याय विभाग से प्रतिनियुक्त श्री एम० बी० पुटाटुंडा, अधीनस्थ एवं सहायक सेशन जज, 24 परगना ने राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, आबू में दिनांक 7 अक्टूबर 1974 के पूर्वाह्न से रु० 1100-50-1300-60-1600 के वेतनमान में सहायक निदेशक (विधि) का कार्यभार सभाला।

हरपाल सिंह,  
उप-निदेशक (प्रशासन)

#### केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1974

सं० 2/12/73-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्द्वारा श्री बी० धर्मराज, सहायक अभियंता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को 5 अक्टूबर 1974 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश मिलने तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से सहायक तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

बी० व्ही० विघ्ने,  
अवर सचिव,  
नूतने केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त।

#### सुवर्ण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक अक्टूबर 1974

#### शुद्धि पत्र

सं० के० (22)/प्र०-II—इस दफ्तर के अधिसूचना सं० के० (22)/प्र०-II दिनांक 14-10-74 में निम्नलिखित संशोधन किया जाए.—

पहली पंक्ति में 'राष्ट्रपति' शब्द को काट दिया जाए।  
तीसरी पंक्ति में 'नियुक्त करते हैं' के स्थान पर 'नियुक्त किया जाता है' लिख दिया जाए।

राज कुमार चिब,  
उप-निदेशक (प्रशासन)

**भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग**  
**भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक का कार्यालय**

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्तूबर 1974

अपर उप नियंत्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को लेखापरीक्षा अधिकारियों (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न करने के लिए गृहपदोन्नत किया है और उनको अगला आदेश मिलने तक, प्रत्येक के मामले कालम 3 में लिखे हुए कार्यालयों में एवं कालम 4 में लिखी हुई तिथियों में, नियुक्त किया है।

अनुभाग अधिकारी (वाणिज्यिक) का नाम	पदोन्नति में पहले जिस कार्यालय में कार्यरत थे	कार्यालय जिसमें पदोन्नति पर लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में नियुक्ति की गई	लेखाधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में नियुक्ति की तिथि
1	2	3	4
1. श्री आर० एन० मुखर्जी .	. चाय बोर्ड में प्रतिनियुक्ति पर	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखे (कोयला) कलकत्ता।	26-8-1974 (पूर्वाह्न)
2. श्री मनोरजन नाथ .	. सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखे, कलकत्ता	महालेखाकार, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता	2-4-1974 (अपराह्न)
3. श्री बी० एम० थेटे .	. सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखे, बम्बई	महालेखाकार, मध्य प्रदेश, ग्वालियर	11-4-1974 (पूर्वाह्न)
4. श्री के० कृष्णामूर्ति .	. सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखे, मद्रास	महालेखाकार (तमिलनाडू) मद्रास	22-4-1974 (पूर्वाह्न)
5. श्री आर० के० खन्ना .	. महालेखाकार, दृष्टिगण	महालेखाकार, पंजाब	15-5-1974 (पूर्वाह्न)
6. श्री ए० एम० पाल .	. सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड, एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखे, कलकत्ता	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखे, कलकत्ता	2-4-1974 (पूर्वाह्न)
7. श्री बी० शंकरारम .	. सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखे, बम्बई	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखे, बम्बई	2-4-1974 (पूर्वाह्न)
8. श्री आर० एम० श्रीवास्तव .	. महालेखाकार, उत्तर प्रदेश	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखे, रांची	28-6-1974 (पूर्वाह्न)
9. श्री जे० एस० कर्णाल .	. आन्ध्र प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड, हैदराबाद में प्रतिनियुक्ति पर	महालेखाकार, उड़ीसा	17-4-1974 (पूर्वाह्न)
10. श्री एस० बदरथनम उमाक .	. महालेखाकार (तमिल नाडू) मद्रास	महालेखाकार (तमिलनाडू) मद्रास	5-4-1974 (अपराह्न)
11. श्री एम० बी० कृष्ण वर्मा .	. महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश	महालेखाकार, उड़ीसा	26-4-1974 (पूर्वाह्न)
12. श्री ए० के० भट्टाचार्य .	. सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखे, कलकत्ता	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखे, कलकत्ता (निदेशक, वाणिज्यिक लेखे, (कोयला) के कार्यालय के लिए	2-4-1974 (पूर्वाह्न)



1	2	3	4
13. श्री एन० टी० नायर . . .	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणि- ज्यिक लेखे, बम्बई	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणि- ज्यिक लेखे, बम्बई	2-4-1974 (पूर्वाह्न)
14. श्री एन० पी० थामस . . .	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणि- ज्यिक लेखे, मद्रास	महालेखाकार, (तमिलनाडू) मद्रास	21-6-1974 (पूर्वाह्न)
15. श्री बी० एस० पाई . . .	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणि- ज्यिक लेखे, बम्बई	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणि- ज्यिक लेखे, बम्बई	13-5-1974 (पूर्वाह्न)
16. श्री सी० के० सक्सेना . . .	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणि- ज्यिक लेखे, नई दिल्ली	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड, एवं पदेन निदेशक, वाणि- ज्यिक लेखे, रांची	26-6-1974 (अपराह्न)
17. श्री ए० आर० आचार्य . . .	महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश ।	महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश ।	26-6-1974 (अपराह्न)
18. श्री श्रीम प्रकाश . . .	भारत के नियन्त्रक महा- लेखा परीक्षक के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर	महालेखाकार, मध्य प्रदेश	26-6-1974 (पूर्वाह्न)
19. श्री आर० के० जैन . . .	भारत के नियन्त्रक महा- लेखापरीक्षक के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणि- ज्यिक लेखे, (कोयला) कलकत्ता ।	28-6-1974 (पूर्वाह्न)
20. श्री सी० बी० रामाभूति . . .	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणि- ज्यिक लेखे, बंगलौर	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणि- ज्यिक लेखे, बंगलौर	13-5-1974 (पूर्वाह्न)
21. श्री अनिल कुमार घोष . . .	महालेखाकार, पश्चिम बंगाल कलकत्ता	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणि- ज्यिक लेखे, कलकत्ता, नि- देशक, वाणिज्यिक लेखे (कोयला) के कार्यालय के लिए	18-5-1974 (पूर्वाह्न)
22. श्री टी० के० चन्दरिया . . .	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणि- ज्यिक लेखे, बंगलौर	सदस्य, लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणि- ज्यिक लेखे, बंगलौर	13-5-1974 (पूर्वाह्न)
23. श्री एल० सी० भटनागर . . .	सदस्य, लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणि- ज्यिक लेखे, नई दिल्ली	सदस्य, लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणि- ज्यिक लेखे, नई दिल्ली ।	28-6-1974 (अपराह्न)

दिनांक 22 अक्तूबर 1974

सं० . . . . .—सरकारी सेवा निवृत्ति की उम्र प्राप्त होने पर, श्री बी० मृत्युञ्जय राव महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश-II कार्यालय में नियुक्त स्थायी लेखा-परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) 30 सितम्बर 1974 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सुशील देव भट्टाचार्य,  
उप निदेशक (वाणिज्यिक)।

#### केरल के महालेखाकार का कार्यालय

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 10 अक्तूबर 1974

सं० पं० सं० सिब्बन्दी/अ०/IV/-9-86/II/118—केरल के महालेखाकार ने इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी (लेखा-परीक्षा तथा लेखा) श्री एस० शंकर सुब्रह्मोणिय शर्मा को 8-10-1974 अपराह्न से स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त किया है।

कृ० गणेशन,  
उप महालेखाकार (प्रशासन)

#### महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 1974

सं० . . . . .—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद, कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एस० राजारामन को महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतन-मान रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 27 जून 1974 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिए जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एस० आर० मजूमदार को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतन-मान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 31-8-74 के पूर्वाह्न से तब तक आगे आदेश न दिए जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम० वि० बेंकटनारायणन को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 17-10-74 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम० वि० के० बीहेय सत्यनारायण मूर्ति को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 16-10-74 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जायें, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० नागाराजन,  
प्रवर उप-महालेखाकार प्रशासन

#### महालेखाकार का कार्यालय, उड़ीसा

भुवनेश्वर, दिनांक नवम्बर 1974

महालेखाकार, उड़ीसा, ने इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखा अधिकारी श्री दुर्गाचरण मिश्र को 1-8-74 पूर्वाह्न से लेखा अधिकारी के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

श्री० एस० भारद्वाज,  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

#### महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक

बेंगलूर, दिनांक 16 अक्टूबर 1974

सं०—सि० शा० I/अप/414—महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक बेंगलूर के नीचे लिखे स्थानापन्न लेखा अधिकारियों को, स्थायी (Substantive) क्षमता में उनके नाम के आगे लिखित दिनांक से इसी कार्यालय के लेखा अधिकारियों के पद पर नियुक्त किया गया है।

1. श्री एस वासुदेवय्या—1-6-1974
2. श्री एस० गोपाल स्वामि—23-6-1974

ह० अपठनीय  
महालेखाकार

#### रक्षा लेखा विभाग

#### कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर, 1974

सं० 18226/प्रशा०-II—16 दिसम्बर, 74 को वार्धाक्षय निर्वतन की आयु प्राप्त कर लेने पर भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री एम० एल० पुरी को 31 दिसम्बर, 1974 के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत किया जायगा और उसी दिन दोपहर बाद उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जायगा।

दिनांक 19 अक्तूबर 1974

सं० 40011 (2)/74-प्रशासन ए०—सिविल सेवा विनियमावली जिल्द I के अनुच्छेद 459(I) के प्रावधानों के

अन्तर्गत स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति का नोटिस दे दिए जाने पर तथा उसे रक्षा लेखा महा नियंत्रक द्वारा मंजूर कर लिए जाने पर रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्टरीज) के संगठन में सेवारत श्री बी० के० दत्ता, स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी०/92) को 18 नवम्बर 1974 के पूर्वार्द्ध से पेंशन के स्थापना को अन्तरित किया जाएगा।

2. श्री बी० के० दत्ता को सेवा निवृत्ति पूर्व 1-6-74 से 20-6-74 तक 20 दिन की अर्जित छुट्टी एवं 21-6-74 से

17-11-74 तक 150 दिन की अर्द्ध वेतन छुट्टी मंजूर की गई है छुट्टी अवधि नोटिस अवधि के साथ साथ चलेगी।

सं० 40011(2)/74-प्रशासन ए०—निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011 (2)/74-प्रशा०-ए दिनांक 10-9-74 के उपपैरा 2 के रूप में जोड़ा जाता है।

“श्री डी० एम० एन० मूर्ति लेखा अधिकारी को 12-8-74 से 30-11-74 तक 111 दिन की सेवा निवृत्ति पूर्व अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।”

दिनांक 21 अक्टूबर 1974

सं० 40011(2)/74-प्रशासन-ए०—निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया गया है/कर दिया जाएगा।

क्रम सं०	नाम रोस्टर सं० सहित	ग्रेड	तारीख जिस से पेंशन स्थापना को अन्तरित किया गया	स्थापना
1.	श्री एन० आर० गुलाटी (पी०/93)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-74 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद
2.	श्री ए० एन० जयरामन (पी०/139)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-74 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ० मेना) बम्बई
3.	श्री एन० एल० खन्ना (अभी नियत नहीं हुआ)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-74 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ
4.	श्री एम० पी० कपूर (अभी नियत नहीं हुआ)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31- 8-74 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ

एम० के० सुन्दरम्,  
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक।

#### श्रम मंत्रालय

#### कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक 15 अक्टूबर 1974

सं० एडमिन० 13(19)/73—डा० (कुमारी) कृष्णा गुप्ता, कनिष्ठ महिला चिकित्सा पदाधिकारी (नदर्थ), क्षेत्रीय चिकित्सालय, कुरामिया (म० प्र०) का त्यागपत्र दिनांक 6-12-1973 से स्वीकार किया जाता है।

दिनांक 19 अक्टूबर 1974

सं० पी० 8(25)/67—कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष नियमावली 1949 के नियम 5 के अन्तर्गत उप नियम (1) (ए०) में दिए गए अधिकारों का प्रयोग कर, कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष मलाहकार समिति एतद्वारा सर्वश्री बी० एन० बडेहरा, निदेशक (कामिक और औद्योगिक सम्पर्क) सी० एम० ए० लिमिटेड, 10 कैमेक स्ट्रीट, कलकत्ता

और श्री० महीपति, निदेशक (कामिक) बी० सी० सी लिमिटेड, बिहार भवन, पोस्ट झरिया, जिला धनबाद को सर्वश्री एन० जे० पाठक और एम० एल० अपराह्न के स्वात पर वित्त उप-समिति का सदस्य नियुक्त करती है जिसका गठन अधिसूचना सं० पी० 8(25)/67 दिनांक 30-12-1971 में उल्लेखित है तथा निम्नलिखित संशोधन करती है :—

कथित अधिसूचना में क्रम संख्या 2 और 3 में दर्ज किए गए नामों के बदले और उसमें संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाए :—

2. श्री बी० एन० बडेहरा, निदेशक, (कामिक और औद्योगिक सम्पर्क), सी० एम० ए० लिमिटेड, 10 कैमेक स्ट्रीट, कलकत्ता।

कोयला खान मालिकों का प्रतिनिधित्व करने के लिए कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष मलाहकार समिति द्वारा मनोनीत।

3. श्री श्री० महीपति, निदेशक (क्रामिक), वी० सी० सी० लिमिटेड, बिहार भवन, प्रगिया, धनबाद ।

कोयला खान मालिकों का प्रतिनिधित्व करने के लिए कोयला खान श्रमिक कल्याण कोष सलाहकार समिति द्वारा मनोनीत ।

राजेश्वर प्रसाद सिन्हा,  
कोयला खान कल्याण आयुक्त  
धनबाद

### औद्योगिक विकास मंत्रालय

#### विकास आयुक्त लघु उद्योग का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1974

सं० 12/396/63-प्रशासन (राजपत्रित)—बिजली के मापक यन्त्रोपकरण के डिजाइन संस्थान, बम्बई से प्रत्यावर्तन के पश्चात श्री एम० जे० रावल ने 9 अगस्त 1974 से लघु उद्योग सेवा संस्थान, मारगाओ, गोआ में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद का कार्यभार ग्रहण किया ।

के० वी० नारायणन,  
उप-निदेशक (प्रशासन)

### वाणिज्य मंत्रालय

#### वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 19 अक्टूबर 1974

सं० ई० एस० टी० 1-2 (385)—वस्त्र आयुक्त के बम्बई स्थित प्रादेशिक कार्यालय के निदेशक श्री रणेन्द्र किशोर रक्षित ने सेवा निवृत्त होने पर 31 अगस्त 1974 के अपराह्न में अपना कार्यभार त्याग दिया ।

दिनांक 21 अक्टूबर 1974

सं० ई० एस० टी० 1-2 (624)—श्रीमान राष्ट्रपति, बुनकर सेवा केन्द्र, बंगलौर के सहायक निदेशक द्वितीय श्रेणी (पी० और डी०) श्री पी० सी० एस० एम० राजा को 7 सितम्बर 1974 के पूर्वाह्न से अन्य आदेश होने तक, उसी केन्द्र में सहायक निदेशक प्रथम श्रेणी (पी० और डी०) के पद पर महर्षि नियुक्त करते हैं ।

संजय कुमार बागची  
वस्त्र आयुक्त

बम्बई, दिनांक 17 अक्टूबर 1974

सं० सी० एल० बी० 1/1/6-जी०/73—भारत के राजपत्र दिनांक 1 जून 1974 (II-ज्येष्ठ 1896) के भाग III खण्ड 1 में पृष्ठ संख्या 3386 पर प्रकाशित वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० एल० बी० 1/1/6-जी०/73, दिनांक 2 मई 1974 में

- (1) अधिसूचना के शीर्ष से 9वीं पंक्ति में "मदसंख्या (4)" के स्थान पर "मद संख्या (11)" पढ़िए ।

- (2) सारणी के स्तंभ 1 में "(5)" और "(6)" के स्थान पर क्रमशः "(12)" और "(13)" पढ़िए ।

दिनांक 24 अक्टूबर 1974

सं० सी० एल० बी०/6/74—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 34 में प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्-द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (4)/58, दिनांक 7 मार्च 1958 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 22 के बाद स्तंभ 1, 2 और 3 में निम्नलिखित प्रविष्टियां क्रमशः बढ़ा दी जाएंगी, अर्थात् :—

1	2	3
"23	(1) राज्य वस्त्र आयुक्त	
	(2) संयुक्त निदेशक, संभरण और व्यापार	
	(3) सभी उप-आयुक्त	मेघालय"
	(4) सभी उप-मंडल अधिकारी	
	(5) सभी मजिस्ट्रेट	
	(6) सहकारी समितियों के पंजीयक/संयुक्त पंजीयक/ उप पंजीयक ।	

गौरी शंकर भार्गव  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

### पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

#### पूर्ति विभाग

#### (प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, 1 दिनांक अक्टूबर 1974

सं० प्र०-1/1(828)—निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर नियुक्ति होने पर श्री सी० एल० सूर्यनारायणन ने दिनांक 18 सितम्बर 1974 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) का पदभार छोड़ दिया ।

सं० प्र०-1/1(938)—स्थायी अवर क्षेत्र अधिकारी (जूट) तथा उपमहानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री एस० बी० दत्ता दिनांक 30-9-1974 के अपराह्न से निवृत्त आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए ।

एस० के० जोशी  
उप निदेशक (प्रशासन)  
पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1974

सं० प्र०-1/1(570)—राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक (धातु) जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री सी० ए० चावला को दिनांक 9 सितम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान निदेशक बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-1) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-6/247(236)/59/11—राष्ट्रपति, निरीक्षण सेवा धातु कर्मशाखा, श्रेणी-1 के ग्रेड-III में सहायक निरीक्षण निदेशक श्री पी० के० मुस्तफी को दिनांक 19 सितम्बर, 1974 से आगामी आदेशों के जारी होने तक सेवा के ग्रेड-I में उप निदेशक निरीक्षण के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री मुस्तफी ने 18-9-74 को पूर्वाह्न से धातु कर्म निरीक्षणालय, जमशेदपुर में सहायक निरीक्षण निदेशक (धातु) का पदभार छोड़ दिया तथा 19 सितम्बर 1974 के पूर्वाह्न से उसी निरीक्षणालय के अधीन राउरकेला उप-केन्द्र में उप-निदेशक निरीक्षण (धातु) का पद भार सम्भाल लिया।

(प्रशासन शाखा-6)

सं० प्र०-6/247(346)/73—श्री एच० एल० शर्मा का सेवा से त्यागपत्र स्वीकार हो जाने पर उन्होंने दिनांक 26-9-74 के अपराह्न से उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया।

एस० के० जोशी  
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक नवम्बर 1974

सं० 3(7)/71 (एच०आर०सी०/19-बी०—श्री हंस राज चावला को सहायक यांत्रिक अभियंता के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 350 रु० माहवार के न्यूनतम वेतन में रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 15 जुलाई 1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 40/59/19-ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री आर० राजागोपालन को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार रु० 650-30-740-35-810-द० रो० -35-880-40-1000—  
2—336GI/74

द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर, अन्य आदेश होने तक, 16-9-1974 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 51/62/19-ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री एच० नाग को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 7-9-1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सी० करणाकरन  
महा-निदेशक

(शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय)

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1974

सं० एक० 17/1/72-एम०/ए० एन० टी०—निर्यात की ऐसी वस्तुओं पदार्थों या चीजों को पास करने के लिए, जो पुरावस्तु (निर्यात नियंत्रण) अधिनियम, 1947, के अधीन, पुरावस्तु नहीं हैं, यह विनिश्चय किया गया है कि अ-पुरावस्तुओं के निर्यात के लिए मुम्बई विशेषज्ञ सलाहकार समिति की सदस्य संख्या में आगे आदेश होने तक, निम्नलिखित दो सदस्य और बढ़ाए जाएं :—

1. श्री सदाशिव गोरक्षकर, संग्रहाध्यक्ष (कला और योजना) पश्चिमी भारत का प्रिंस ऑफ वेल्स संग्रहालय, महात्मा गांधी रोड, फोर्ट, मुम्बई-1,
2. श्री एस० के० अग्रधारे, संग्रहाध्यक्ष (रेगिस्टर), पश्चिमी भारत का प्रिंस ऑफ वेल्स संग्रहालय, महात्मा गांधी रोड, फोर्ट, मुम्बई-1

एन० आर० बनर्जी  
निदेशक (पुरावस्तु)  
कृते महा-निदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 28 अक्तूबर 1974

सं० गो० 4909/724-एस० ओ० एस० (ए०)—श्री ए० आर० गोमस, भण्डार सहायक (सलेक्शन ग्रेड) को बक्षिणी सकल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, बैंगलूर, में सहायक भण्डार अधिकारी के पद पर सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी II में 350-35-575 रु० के संशोधित वेतनमान में तदर्थ आधार पर दिनांक 24 सितम्बर 1974 से अगले आदेश दिए जाने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं० ई० 1-4910/724-एस०ओ० एस०—श्री योग राज को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक भण्डार अधिकारी के अस्थाई पद पर सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी II में 350.00 रु० प्रति माह वेतन पर, 350-25-575 रु० के वेतन मान में दिनांक 26 सितम्बर,

1974 पूर्वाह्न में अगले आदेश दिए जाने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं० गो० 4911/594—निम्नलिखित तकनीकी महायको, (मासचित्र चित्रोत्पादन) मलेशिया ग्रेड, को भारतीय स्वयंसेवक विभाग में महायक प्रबन्धक (मासचित्र-चित्रोत्पादन) के पदों पर सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी II में 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 रु० के सशोधित बेतल मान में उनके सामने दी गई तारीखों में अगले आदेश दिए जाने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

- (1) श्री मनिन्द्र नाथ बोस 16-9-74 (पूर्वाह्न)
- (2) श्री सुबल चन्द्र धर 21-9-74 (पूर्वाह्न)

हरी नागयण  
महासर्वेक्षक, भारत  
(नियुक्ति प्राधिकारी)

### भारतीय डाक-तार विभाग (मद्रास टेलीफोन्स)

मद्रास, दिनांक अक्टूबर, 1974

सं० ए० एम० टी०/आई० 5/VIII—मद्रास टेलीफोन जिले के महाप्रबन्धक द्वारा निम्नलिखित इंजीनियरी पर्यवेक्षकों को मद्रास टेलीफोन जिले में स्थानीय व्यवस्था के अन्तर्गत प्रत्येक के सामने सूचित तारीख में स्थानापन्न महायक इंजीनियरों के पद पर नियुक्त किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम	दूसरी श्रेणी पर पदोन्नति की तारीख
1.	श्री जे० सन्तानम	17-9-74 के पूर्वाह्न में
2.	श्री के० वी० कुहिरामन	7-10-74 के पूर्वाह्न में

सं० ए० एम० टी०/ए० डी० 5/VIII—निम्नलिखित महायक इंजीनियर, जो स्थानीय व्यवस्था के अन्तर्गत स्थानापन्न कार्य करते थे, प्रत्येक के सामने सूचित तारीख में अपने मूल स्वर्ग पर पदानुवृत्ति किये जाते हैं :—

क्र० सं०	नाम	मूल स्वर्ग पर पदानुवृत्ति की तारीख
1.	श्री बी० राजगोपाल नाइडू	18-9-74 पूर्वाह्न
2.	श्री एन० टी० श्रीनिवासन	4-9-74 पूर्वाह्न
3.	श्री के० वी० कुहिरामन	31-8-74 अपराह्न
4.	श्री के० वी० कृष्णमूर्ति	31-8-74 अपराह्न
5.	श्री टी० आर० रामानुजम	21-8-74 अपराह्न
6.	श्री डी० परिमलेश्वरन	20-8-7 अपराह्न
7.	श्री पी० वी० सीतारामन	16-9-74 पूर्वाह्न
8.	श्री एस० नागेश्वरन	31-8-74 अपराह्न
9.	श्री एस० सुब्बन	9-9-74 पूर्वाह्न
10.	श्री एन० सुब्बरामन	9-9-74 पूर्वाह्न

वि० एम० नरसिंहाचारी  
महायक महाप्रबन्धक (प्रशासन)

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1974

सं० 7-89/74-सी० एच० एम० 2—डा० (कुमारी) एम० अरुन्धती ने अपने त्याग पत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप 31 जुलाई, 1974 अपराह्न में जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पाडिचेरी के ग्राम स्वास्थ्य केन्द्र में कनिष्ठ चिकित्साधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

जी० पचापकेशन  
हुते उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1974

सं० 36-7/74-सी० एच० एम० 1—केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के विशेषज्ञ ग्रेड के अधिकारी डा० टी० चटर्जी ने अपने स्थानान्तरण के फलस्वरूप 5 सितम्बर, 1974 को पूर्वाह्न में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन कायचिकित्सक के पद का कार्यभार त्याग दिया और उसी दिन अर्थात् 5 सितम्बर, 1974 को पूर्वाह्न में सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में उसी पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

जी० पचापकेशन  
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1974

सं० 19-8-74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री पी० ईपेन थामस को जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पाडिचेरी में 14 सितम्बर, 1973 से पुस्तकालयाध्यक्ष के पद पर मूल हैसियत में नियुक्त किया है।

सं० 19-38/73-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री बी० अन्तरामन को 10 जुलाई, 1974 से जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पाडिचेरी में रसायनज्ञ (नान-मेडिकल महायक) (त्रिया विज्ञान) के पद पर मूल हैसियत में नियुक्त किया है।

सं० 1-2/73-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती प्रणतिनन्दी को 5 सितम्बर, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में ट्यूबर आहारविद् के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० 13-15/70-एडमिन-1—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के स्टाफ सर्जन (वन्त) डा० के० एल० सुरन 31 अगस्त, 1974 अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हो जायें।

सं० 1-11/74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री बी० नाथ को 21 मार्च, 1972 पूर्वाह्न से अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में महायक अनुसंधान अधिकारी (जीव विज्ञानी) के पद पर मूल हैसियत में नियुक्त किया है।

सं० 12-1/74-एडमिन-1—राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी चतुर्थ ग्रेड अधिकारी श्री हरदयाल गुप्त को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में 9 अक्टूबर, 1974 पूर्वाह्न में 12 नवम्बर, 1974 अपराह्न तक अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

सं० 1-12/74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एस० आर० दत्ता को 21 मार्च, 1972 पूर्वाह्न से अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य मस्थान, कलकत्ता में सहायक अनुसंधान अधिकारी (शरीर क्रिया विज्ञान) के पद पर मूल हैसियत में नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जन्दल  
उप-निदेशक प्रशासन

**कृषि मंत्रालय**  
(कृषि विभाग)  
विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर 1974

सं० 2(7)/70-ई० (1)—श्री पी० एन० चोपड़ा, अधीक्षक (ग्रेड 1) वर्ग 2 (गजिटेड) बेतन रूपया 700-30-760-35-900 के क्रम में विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय, (कृषि विभाग) में तदर्थ रूप में 30 सितम्बर 1974 के बाद से 28 फरवरी 1975 तक लगातार अपने पद पर कार्य करते रहेंगे।

निर्मल कुमार दत्त  
प्रशासन निदेशक

(सहाकरिता विभाग)  
विपणन और निरीक्षण निदेशालय  
(प्रधान शाखा कार्यालय)

नागपुर, दिनांक नवम्बर 1974

सं० फा० 5/11/69-वि० II—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना सं० 124 दि० 15-9-62 के लिए मैं एतद्द्वारा श्री सी० बी० भवानी शंकरम, सहायक विपणन अधिकारी को तुरन्त से इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से परम् आदेशों तक, हरड़ के सम्बन्ध में कि हरड़ का श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम 1937 (1937 का I) के खण्ड 3 के अधीन मुक्तीकृत और समय-समय पर संशोधित हरड़ श्रेणीकरण और चिह्नन नियम के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करना है।

सं० फा० 5/11/69-वि० II—भारत के राजपत्र दि० 21-7-1973 में प्रकाशित इस निदेशालय के इसी संख्याक अधिसूचना दि० 4-7-73 के आश्रित रूपान्तरण में निश्चित अधिकारियों

के अखरोट के श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के प्राधिकार के संबंध में श्री श्री० एन० गर्ग, उप विपणन अधिकारी के नाम को जो क्रम० सं० 7 में दर्शाया गया है, एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

सं० फा० 5/11/69 वि० II—भारत के राजपत्र दि० 21-7-73 में प्रकाशित इस निदेशालय के इसी संख्याक अधिसूचना दि० 4-7-73 के आश्रित रूपान्तरण में निश्चित अधिकारियों के अन्ना, प्याज, लहसून और दालों के श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के प्राधिकार के संबंध में श्री बी० एस० श्रीवास्तव, उप प्रवर विपणन अधिकारी के नाम को जो क्रम० सं० 9 और 18 में दर्शाया गया है, एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

एन० के० मुगलीधर राव  
कृषि विपणन सलाहकार

**परमाणु ऊर्जा विभाग**  
क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 3 अक्टूबर 1974

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/73/स्थापना—1302 क्रय एवं भंडार निदेशक, इस निदेशालय के अस्थायी तकनीकी निरीक्षक श्री गोविन्दराज श्रीनिवासन को 22-4-1974 से 21-6-1974 तक सहायक भंडार अधिकारी श्री पी० जान जैकब; जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 अक्टूबर 1974

सं० आर०/41/डी० पी० एस०/प्रशासन 1328—निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय एवं भंडार निदेशालय के स्थायी आशुलिपिक श्री इल्लथ रामकृष्ण को 7 सितम्बर 1974 के पूर्वाह्न में आगामी आदेश तक के लिए उसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप में सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसेफ  
प्रशासन-अधिकारी

**कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन**

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्टूबर 1974

सं० ए० 19014/77/72-ई० एच०—क्षेत्रीय निदेशक, नागर विमानन विभाग, बम्बई क्षेत्र के कार्यालय के श्री एस० के० गोडबोले, क्षेत्रीय निदेशक ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर 30 सितम्बर, 1974 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

टी० एस० श्रीनिवासन  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1974

सं० ए० 32013/1/74-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता के श्री बी० बी० बंधोपाध्याय, बरिष्ठ

तकनीकी अधिकारी को श्री ए० के० मिश्रा, नियंत्रक की रिक्ति छुट्टी, में उसी स्टेशन पर 25 मई, 1974 पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर नियंत्रक के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 17 अक्तूबर 1974

सं० ए०-12025/6/74-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित व्यक्ति को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में अस्थायी रूप से संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती	कार्यालय/स्टेशन
1.	श्री एम० दीन दयालन	16-9-74	वैमानिक संचार स्टेशन (पूर्वाह्न)	सफवर जंग, नई दिल्ली।

हरबंस लाल कोहली  
उपनिदेशक प्रशासन  
होते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्तूबर 1974

सं० ए०-32013/3/74 ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित अधिकारियों को 4 जुलाई, 1974 पूर्वाह्न से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन महानिदेशालय, नई दिल्ली में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	पदनाम
1.	श्री टी० अरवमुत्तन	सहायक निदेशक संचार, तदर्थ आधार पर।
2.	श्री पी० एल० भागव	सहायक निदेशक संचार, तदर्थ आधार पर।

दिनांक 19 अक्तूबर 1974

सं० ए०-38014/2/74-ई० एस०—क्षेत्रीय निदेशक, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री ए० एन० नंदा, स्थानापन्न सम्पदा प्रबंधक ने निर्वर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर 31-8-74 (पूर्वाह्न) को अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

हरबंस लाल कोहली, उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्तूबर 1974

सं० ए० 32013/5/73 ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री जे० एम० आर० के० शर्मा, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी को 1-10-74

से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर विमानक्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। श्री शर्मा को मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास में तैनात किया गया है।

सुरजीत लाल खण्डपुर,  
सहायक निदेशक प्रशासन

### केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समारोहलय,

इलाहाबाद, दिनांक 20 सितम्बर 1974

सं० 118/1974—श्री गोपाल धन मोहता, स्थायी निरीक्षक (धरिष्ठ ग्रेड), केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने जो इससे पहले सीमाशुल्क मंडल कार्यालय लखनऊ में तैनात थे और जिनकी नियुक्ति पृष्ठांकन पत्र सं० दो(3)/152 स्थापना/74/23234 दिनांक 30-7-1974 के अन्तर्गत जारी किए गए कार्यालय स्थापना आदेश सं० 138/1974 दिनांक-29-7-1974 के अनुसार सं० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में प्राप्ती आदेश होने तक के लिए अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो के पद पर स्थानापन्न तौर पर की गई थी, 1-8-1974 (पूर्वाह्न) को केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मंडल कार्यालय लखनऊ में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी दो के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने श्री आर० डी० श्रीवास्तव अधीक्षक श्रेणी दो को 3-4-1974 (पूर्वाह्न) को अधीक्षक (एस० आर० पी० दो) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, समेकित मंडल कार्यालय लखनऊ के कार्यालय के अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त कर दिया।

एच० बी० दास,  
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अगस्त 1974

### संस्थापन

सं० 1—इस कार्यालय के आदेश सी० सं० II/11/1/73 संस्थापन दिनांक 15-2-74 के सिलसिले में यह सूचित किया जाता है कि हैदराबाद समाहर्ता कार्यालय में कार्य कर रहे केन्द्रीय उत्पादनशुल्क के निम्नलिखित स्थानापन्न श्रेणी अधीक्षक को उनके नामों के सामने दी गयी तारीखों से केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क अधीक्षक, श्रेणी-II, के रूप में स्थायी किया जाता है।

क्र० सं० अधीक्षक का नाम जहाँ कार्य कर रहा है वह स्थान जब से स्थायी किया गया है वह तारीख

1	2	3	4
---	---	---	---

1. श्री डी० बी० सुब्बैया समाहर्ता मुख्य कार्यालय, 18-10-70 हैदराबाद।



1	2	2	4
2. श्री एन० वीरेसलिंगम्	निरीक्षण निदेशालय, सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क (सी० आर० यू०) हैदराबाद।	18-10-70	
3. श्री एस० रामन्	—यथोपरि—	18-10-70	
4. श्री एम० अजनेयुलु	अनन्तपुर प्रभागीय कार्यालय	18-10-70	
5. श्री जी० सुब्बारायुडु	—यथोपरि—	18-10-70	
6. श्री के० एस० प्रकाश राव	समाहर्ता मुख्य कार्यालय हैदराबाद	18-10-70	
7. श्री एम० ए० बाणा	—यथोपरि—	18-10-70	
8. श्री बी० सूर्यनारायण-मूर्ति	—यथोपरि—	4-1-71	

2. केन्द्रीय उत्पादनशुल्क अधीक्षक श्रेणी II के रूप में 18-10-70 से स्थायी हो जाने पर श्री डी० बी० मुन्बैया उस ग्रेड में श्री पी० गेष्वाचलम में खरिष्ट होंगे।

इस कार्यालय के आदेश सी० सं० II/1/1/73—संस्थापना, दिनांक 26-12-1973 और सी० सं० II/11/1/73-संस्थापन, दिनांक 19-2-1974 के सिलसिले में यह सूचित किया जाता कि जिन अधिकारियों के नाम नीचे दिये गये हैं, उन्हें उनके नामों के सामने दी गयी तारीखों से स्थायी किया जाना है :—

क्रम सं० अधिकारी का नाम काम करने का स्थान तारीख जिससे स्थायी किया गया है

1	2	3	4
1. श्री टी० सोमनाथ झांसी	प्रशासन अधिकारी अनन्तपुर, प्रभागीय कार्यालय	25-9-70	
2. श्री ए० रामकृष्ण राव	सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, प्रधान कार्यालय, हैदराबाद।	15-5-71	
3. श्री जे० के० रामसुब्रह्मण्यन्	प्रशासन अधिकारी, हैदराबाद-1, प्रभागीय कार्यालय	1-9-73	
4. श्री जी० बी० नारायण राव	सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, प्रधान कार्यालय, हैदराबाद।	1-5-73	

एस० के० श्रीवास्तव,  
समाहर्ता

मद्रास, दिनांक 23 सितम्बर 1974

सं० सी० 11/3/74-संस्थापन—मद्रास/मदुरै समाहर्ता-कार्यालयों के कार्यालय अधीक्षक, श्री एम० एम० बैकट सुब्रह्मण्यम् और श्री पी० एस० पोन्नुरंगम् को, क्रमशः 1-8-74 और 6-9-74 से, अगला आदेश होने तक, स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी, मद्रास। प्रभाग और सेलम प्रभाग नियुक्त किया गया है।

सी० चिदम्बरम्,  
समाहर्ता

### (केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग)

गुन्टुर-522004, दिनांक 24 सितम्बर 1974

सं० सी०-II/3/3/74-ई०-2—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के वरीय पदक्रम ' (ग्रेड) के स्थायी निरीक्षक श्री बी० मन्वानारायनन मुर्ती को अगला आदेश होने तक, समाहर्ता कार्यालय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क गुन्टुर, में स्थानापन्न अधीक्षक श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियुक्त किया गया है। उन्होंने 11 सितम्बर, 1974 के पूर्वार्द्ध में अधीक्षक, अगोल, आई० डी० ओ० की रक्षितुला एम० ओ० आर०, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का कार्यभार सम्भाल लिया है।

ए० एस० आई० जफर,  
समाहर्ता

### सांख्यिकी व आसुचना निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 अक्तूबर 1974  
स्थापना

सं० 4—श्री सी० एस० बिदानी अधीक्षक (केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) द्वितीय श्रेणी, अहमदाबाद विभाग कलकटोरेट बड़ीदा ने तदर्थ आधार पर इस निदेशालय में कनिष्ठ विश्लेषक के पद का कार्यभार पूर्वाह्न दिनांक 10 जुलाई, 1974 से संभाल लिया है। यह पद वित्त मंत्रालय राजस्व और बीमा विभाग के पत्र संख्या ए—11013 ई/71-प्रश्न IV दिनांक 20-3-74 द्वारा स्वीकृत किया गया है।

सं० 5—श्री एच० के० एस० भण्डारी, अधीक्षक (केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) द्वितीय श्रेणी, कानपुर कलकटोरेट ने तदर्थ आधार पर इस निदेशालय में खरिष्ट विश्लेषक के पद का कार्यभार पूर्वाह्न 15-7-1974 में संभाल लिया है। यह पद संख्या, वित्त मंत्रालय राजस्व और बीमा विभाग एफ० नं० 11013/ई०-II/71/प्रश्न-IV दिनांक 20-3-74 द्वारा स्वीकृत किया गया है।

बी० एन० रंगवानी,  
निदेशक

निरीक्षण निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्तूबर 1974

सं० 21/1974—श्री बी० के० हाजरा, स्थायी कार्यालय अधीक्षक को, जो निरीक्षण निदेशालय सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली में प्रशासन अधिकारी के पद पर

स्थानापन्न रूप से नियुक्त थे, इसी निदेशालय में, अगला आदेश होने तक, 8 अक्टूबर 1974 के पूर्वार्द्ध में स्थानापन्न सहायक मुख्य लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति श्री हरी देव शर्मा के स्थान पर, उनके स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त किये जाने पर की गयी है।

सं 22/1974—श्री हरीदेव शर्मा, स्थायी कार्यालय अधीक्षक को, जो निरीक्षण निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादक शुल्क नई दिल्ली में स्थानापन्न सहायक मुख्य लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त थे, 8 अक्टूबर 1974 के पूर्वार्द्ध में इसी निदेशालय में, अगला आदेश होने तक प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति, श्री बी० के० हाजरा के स्थान पर, उनके स्थानापन्न सहायक मुख्य लेखा अधिकारी नियुक्त किये जाने पर, की गयी है।

बी० एस० चावला  
निरीक्षण निदेशक  
सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादक शुल्क

### केन्द्रीय भूमि-जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 15 अक्टूबर 1974

सं 6-18/73-सी० एच० (ईस्टी)—केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड के निम्नलिखित अधिकारियों को सहायक जल भूवैज्ञानिक वर्ग II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई व तदर्थ आधार पर उनके सामने दर्शाये तारीख से नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यवास भी उनके सामने दर्शाया जाता है।

क्रमांक	नाम	नियुक्ति की तारीख	मुख्यावास
1	श्री एस० के०	9-9-74 (पूर्वार्द्ध)	फरीदाबाद
2	श्री डी० बी० शेट्टी	9-9-74 (पूर्वार्द्ध)	फरीदाबाद
3	श्री एन० पी० चौधरी	12-9-74 (पूर्वार्द्ध)	नागपुर

डी० एस० देशमुख  
मुख्य भूवैज्ञानिक

### नौबत और परिवहन मंत्रालय

तृतीकोरिन-4, दिनांक 26 सितम्बर 1974

सं ए० 22013/1/74/जी० आर०/4748—अपनी प्रतिनियुक्ति अवधि की समाप्ति पर सर्वश्री टी० एम० राजा और एम० के० रामलिंगम, सहायक इंजीनियर, तमिलनाडु लोक निर्माण विभाग, जो कि न्यू तृतीकोरिन पत्तन में प्रतिनियुक्ति पर थे, क्रमशः 11 और 15 सितम्बर, 1974 के अग्रप्राक् में अपने मूल विभाग में प्रत्यावर्तित हो गए।

डी० आई० पाल  
मुख्य इंजीनियर व प्रशासक

### सिचाई एवं विद्युत मंत्रालय (फरक्का बांध परियोजना)

सं पी० एफ०-II/213—श्री अमल कृष्ण राय, भारत सरकार, सिचाई एवं विद्युत मंत्रालय, फरक्का बांध परियोजना

में सहायक अभियंता (सीमील) तदर्थ आधार पर दिनांक 12 जून 1974 के पूर्वार्द्ध में 31-12-74 तक की अवधि के लिए नियुक्त किये जाते हैं।

अह० पटनायक  
महाप्रबन्धक  
फरक्का, बांध परियोजना

### केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

#### जल स्कंध

नई दिल्ली-22, दिनांक अक्टूबर 1974

सं क-19012/500/74-प्रशासन-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा श्री मन मोहन नाथ सक्सेना, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियान्तिकी) को पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करने हैं। 8-10-1974 में आगे आदेश होने तक जब वे अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता/सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियान्तिकी) के रूप में नियुक्त रहेंगे तब उन्हें पर्यवेक्षक के वेतन में अतिरिक्त 10 प्रतिशत भत्ता प्राप्त करने का अधिकार होगा।

श्री मन मोहन नाथ सक्सेना ने उपरोक्त तिथि एवं समय से केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कंध) में अतिरिक्त सहायक निदेशक का कार्यभार संभाल लिया है।

सं क-12017/1/72-प्रशा-5/(भाग-2)(1)—इस आयोग की अधिसूचना सं क-12017/1/72-प्रशा-5 दिनांक 7 जून, 1974 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों को केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कंध) में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-रसायन ग्रुप) के पद क्रम में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में प्रत्येक के सामने नीचे दी गई आगे की अवधियों के लिए पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं —

- 1 श्री एम० भीमिक 1-7-74 से 30-9-74
- 2 श्री एम० पी० नम्बूदरी 1-7-74 से 30-9-74
- 3 श्री एस० ए० बाशा 1-7-74 से 30-9-74

सं 12017/1/72-प्रशासन-5/(भाग 2)(ii)—इस आयोग की अधिसूचना संख्या क-12017/1/72-प्रशासन-5, दिनांक 27 मार्च 1974 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों को केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग अनुसंधान केन्द्र, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक भौतिक ग्रुप) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में उनके सामने दी गई अवधि के लिए पुनः नियुक्त करते हैं —

- 1 श्री डी० डी० सोनी 1-7-74 से 30-9-74
- 2 श्री रणजीत दत्त 1-7-74 से 30-9-74

सं० क-32014/7/74-प्रशासन-5—इस आयोग की अधिसूचना संख्या क-32012/6/70-प्रशासन-5 दिनांक 11-7-74 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद्वारा निम्नलिखित अनुसंधान सहायको को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पदक्रम में स्थानापन्न हैमियन से 650-30-740-35-810-द० रो०-30-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 30-10-74 तक की आगामी अवधि के लिए, अथवा जब तक पदों को नियमित रूप से भरा नहीं जाएगा जो भी पूर्व हो, प्रत्येक के मामले दी गई तारीख से पूर्णतः अस्थाई तथा सदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं :—

1. श्री के० एन० अप्पुकुट्टन . 10-7-74 से 31-10-74
2. श्री ए० एन० मोने . 10-7-74 से 31-10-74
3. श्री जे० बी० शालिगराम . 10-7-74 से 31-10-74
4. श्री एम० एस० शिटोले . 10-7-74 से 31-10-74

सं० क-19012/471/74-प्रशा०-5—इस आयोग की अधिसूचना सं० 12018/7/73-प्रशा०-5, दिनांक 20 नवम्बर, 1973 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद्वारा श्री एम० एल० ग्रहलवालिया, वरिष्ठ पुस्तकाध्यक्ष को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान केन्द्र, पूना में विशेष अधिकारी (प्रलेखन) के रूप में स्थानापन्न क्षमता में रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पुनः 1-3-74 से 4-11-74 तक की अवधि के लिए, अथवा जब तक उपरोक्त पद के भर्ती नियम को अन्तिम रूप दे दिया जाए और नियमित अधिकारी उपलब्ध हो जाए जो भी पहले हो, पूर्णतः सदर्थ एवं अस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

के० पी० बी० मेनन  
अवर सचिव

कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग

#### विद्युत् स्कंध

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1974

सं० 6(3)/74-प्रशासन-2 (वि०स्कंध)—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायको को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी श्रेणी-2 सेवा में, अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में उनके मामलों के सामने दिखाई गई तिथियों से अन्य आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं :—

1. श्री आदित्य कुमार . 27-6-74 (पूर्वाह्न)
2. श्री आर० आर० चौसालकर . 27-6-74 तदेव
3. श्री के० सी० वैशाखिया . 27-6-74 तदेव
4. श्री महिन्द्र सिंह . 27-6-74 तदेव
5. श्री आर० सी० बंसल . 27-6-74 तदेव
6. श्री जी. रामचन्दन . 27-6-74 तदेव
7. श्री बी० के० गुप्ता . 27-6-74 तदेव

दिनांक 28 अक्टूबर 1974

सं० 6-3-74-प्रशासन-दो (वि०स्कंध) (जिल्द दो)—अध्यक्ष केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग निम्नलिखित तकनीकी सहा-

यकों को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी श्रेणी-दो सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में, उनके मामलों के सामने दिखाई गई तारीखों से, अन्य आदेश होने तक, एतद्वारा नियुक्त करते हैं :—

1. श्री के० के० सिंह . 24-9-74 (पूर्वाह्न)
2. श्री एस० सी० अन्नद . 25-9-74 (पूर्वाह्न)
3. श्री निशीत मिश्र . 26-9-74 (पूर्वाह्न)

दिनांक 17 अक्टूबर 1974

सं० 6/3/74-प्रशासन-दो (वि०स्कंध) जिल्द-दो—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग निम्नलिखित तकनीकी सहायकों/पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी श्रेणी-दो सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक सहायक अभियंता के ग्रेड में, उनके मामलों के सामने दिखाई तारीखों से, अन्य आदेश होने तक, एतद्वारा नियुक्त करते हैं :—

1. श्री मोहनलाल एस० रजानी . 13-9-74 (पूर्वाह्न)
2. श्री एच० सी० सेठ . 12-9-74 तदेव
3. श्री जी० सूर्यनारायण . 16-9-74 तदेव
4. श्री बी० के० अरोरा . 12-9-74 तदेव
5. श्री डी० एम० वधवा . 12-9-74 तदेव
6. श्री जगत प्रकाश . 12-9-74 तदेव
7. श्री मुकुल बनर्जी . 16-9-74 तदेव
8. श्री जगदीश सिंह . 24-9-74 तदेव
9. श्री पी० डी० गोयल . 13-9-74 तदेव
10. श्री श्रीकुमारन नायर . 25-9-74 तदेव

मूल शंकर पाठक,

अवर सचिव

कृते अध्यक्ष।

#### रेल मंत्रालय

#### (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1974

सं० 70/डब्ल्यू०-4/सी०एन०एल०/एस०सी०/2—जनसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने नडिकुडि से बीबीनगर तक (153 कि०मी०) एक बड़ी लाइन बिछाने और गुदूर में माचेली तक मीटर लाइन को बड़ी लाइन (130.22 कि०मी०) में परिवर्तित करने के लिए अन्तिम: मार्ग निर्धारण सर्वेक्षण की स्वीकृति दे दी है। सर्वेक्षण दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा किया जा रहा है।

दिनांक 1 नवम्बर 1974

सं० 74/डब्ल्यू०-4/सी०एन०एल०/एस०सी०/20—

सर्व साधारण के सूचनार्थ यह सूचित किया जाता है कि रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने सहजनवा से दोहरीघाट तक एक नयी बड़ी लाइन के निर्माण पर विचार करने के लिए प्रारम्भिक इंजीनियरी एवं यातायात सर्वेक्षण की स्वीकृति दी है ताकि प्रस्तावित रेलवे लाइन की लम्बाई लगभग 60 कि०मी० होगी। यह काम पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा किया जाएगा और इसे "सहजनवा—दोहरीघाट इंजीनियरी एवं यातायात सर्वेक्षण" कहा जाएगा।

अमृत लाल गुप्ता,

सचिव रेलवे बोर्ड

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्टूबर 1974

सं० 73/डब्ल्यू०/सी०एन०एल०/एस०सी०/3—सर्व साधारण के सूचनार्थ यह अधिसूचित किया जाता है कि रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने निजामाबाद को रामगुडम से (लगभग 160 किलोमीटर) मिलाते के लिए पहले किए गए इंजीनियरिंग सर्वेक्षण को अद्यतन करने और इस खण्ड के लिए नये मिर से एक यातायात सर्वेक्षण करने की मजूरी दी है। यह सर्वेक्षण दक्षिण-मध्य रेलवे द्वारा किया जा रहा है।

अमृत लाल गुप्ता,  
होते सचिव

#### उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 28 अगस्त, 1974

सं० 16—उत्तर रेलवे के सहायक मुरक्षा अधिकारी श्री एस० के० शाकिला 31-8-1974 (अपराह्न) से रेल सेवा में अंतिम रूप से सेवा-नियुक्त हो गए हैं।

सी० एस० परमेश्वरन  
सहायक

#### पूर्वोत्तर सीमा रेलवे सहायक मुरक्षा अधिकारी का कार्यालय (कार्मिक शाखा)

पाण्डू, दिनांक अक्टूबर, 1974

1. सं० ई०/283/III/133-पी०टी०-IV(0)—श्री के० सी० दासगुप्त, सहायक दूरसंचार इंजीनियर (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 2-8-74 से प्रवर बेतनमान में प्रवर सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/दूरसंचार के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. सं० ई०/283/III/133-पी०टी०-IV(0)—श्री सी० आर० मुखर्जी, मुख्य दूरसंचार निरीक्षक (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 2-8-74 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक दूरसंचार इंजीनियर के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

3. सं० ई०/41/75/18(0)—श्री एस० सी० दास, मुख्य गाड़ी परीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 16-8-74 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक यांत्रिक इंजीनियर (सवारी एवं माल डिब्बा) के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

4. सं० ई०/41/75/18(0)—श्री एस० के० बोस, सवारी एवं माल डिब्बा निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 18-8-74 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक यांत्रिक इंजीनियर (सवारी एवं माल डिब्बा) के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

5. सं० ई०/283/III/पी०-VII(0)—श्री डी० सरकार, सहायक यांत्रिक इंजीनियर (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 22-8-74 से प्रवर बेतनमान में मण्डल यांत्रिक इंजीनियर (सवारी एवं माल डिब्बा) के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

6. सं० ई०/283/III/54/पी०-VII(0)—श्री जी० पी० साहा, सहायक यांत्रिक इंजीनियर (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 23-8-74 से प्रवर बेतनमान में प्रवर यांत्रिक इंजीनियर (योजना) के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० रेड्डी,  
सहायक

#### उत्तर-पूर्वी परिषद्

शिलांग, दिनांक 2 अगस्त 1974

सं० एन०ई०सी० 127/74—मेघालय सरकार, शिलांग, द्वारा मेघालय सरकार में सहायक अधीक्षक के पद पर नियुक्त श्री ई० लिस्टर चाल्लम की सेवाएं प्रतिनियुक्ति के आधार पर उत्तर-पूर्वी परिषद् सचिवालय को सौंपे जाने पर, उन्हें दिनांक 1-8-74 (पूर्वाह्न) से, रूप० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 प्रतिमास के बेतनमान और समय-समय पर स्वीकार्य अन्य भत्तों पर, उत्तर-पूर्वी परिषद् में अनुभाग अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

डी० के० भट्टाचार्य,

सचिव,

उत्तर-पूर्वी परिषद्, शिलांग

#### आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-20, दिनांक 7 अक्टूबर 1974

सं० एक० 48-ए०डी०(ए०टी०)/74-पी०-II—श्री सी० मोशेस, अस्थायी क्षमता में तदर्थ आधार पर आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई में स्थानापन्न अधीक्षक, जिन्होंने अस्थायी क्षमता में तदर्थ आधार पर आयकर अपीलीय अधिकरण, मद्रास न्यायपीठ, मद्रास में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर 8 मार्च, 1974 से 30 सितम्बर 1974 (अपराह्न) तक लगातार स्थानापन्न रूप से कार्य किया—देखिए इस कार्यालय की अधिसूचना सं० एक० 48-ए०डी०(ए०टी०)/73 दिनांक 26 मार्च, 1974, उन्हें अस्थायी क्षमता में तदर्थ आधार पर आयकर अपीलीय अधिकरण, मद्रास न्यायपीठ मद्रास में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर 1 अक्टूबर 1974 से 31 दिसम्बर, 1974 (अपराह्न) तक अगले छह माह की अवधि के लिए अथवा जब तक कि उक्त पद हेतु सघ लोक सेवा आयोग द्वारा मनोनीत व्यक्ति की नियमित नियुक्ति नहीं होती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

सं० एक० 48-ए०डी०(ए०टी०)/74-पी०-II—श्री एल० आर० अग्रवाल, वरिय अधीक्षक, आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई, जिन्होंने अस्थायी क्षमता में तदर्थ आधार पर आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर 1 मार्च, 1974 से 30 सितम्बर 1974 (अपराह्न) तक लगातार स्थानापन्न रूप से कार्य किया—देखिए इस कार्यालय की अधिसूचना सं० एक० 48-ए०डी०(ए०टी०)/73 दिनांक 26 मार्च 1974, उन्हें अस्थायी क्षमता में तदर्थ आधार पर आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में सहायक रजिस्ट्रार के पद पर 1 अक्टूबर, 1974 से 31 दिसम्बर, 1974 (अपराह्न) तक अगले छह माह की अवधि के लिए अथवा जब तक कि उक्त पद हेतु सघ लोक सेवा आयोग द्वारा मनोनीत व्यक्ति की नियुक्ति नहीं होती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

हरनाम शर्मा,

अध्यक्ष

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०/ए०पी० -1153/74-75:—यतः  
मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक  
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2106  
फरवरी, 1974 को लिखा है, जो फगवाड़ा में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3—336 GI/74

(1) श्रीमती भागवती पत्नी श्री गुरदास मल पुत्र श्री मेहर  
दास मार्फत मैसर्स चड्ढा ट्रेडिंग कारपोरेशन मंडी रोड, फगवाड़ा।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेशम कौर पत्नी श्री प्यारा लाल मिहंदर  
पाल पुत्र श्री प्यारा लाल वामी कोटली न० फिल्कौर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि  
रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन दीसास रोड, फगवाड़ा स्थित, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 2106 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी  
फगवाड़ा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/फग०/ए० पी०-1154/74-75 :—यतः, मुझे डी० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2104 फरवरी, 1974 लिखा है, जो फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती वंसी पत्नी श्री जगीरी पुत्र श्री मुंशी खिलवाड़ा गली, फगवाड़ा। (अन्तरक)

(2) श्री बलवीर सिंह पुत्र श्री खुसहाल सिंह पुत्र श्री चित राम, मार्फत श्री खुसहाल सिंह फरनीचर डीलर, लोहा मंडी, फगवाड़ा। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2104 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ASR/AP-1155/74-75—

यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6161 फरवरी, 1974 लिखा है, जो उस्मान में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय तरन तारन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पाथी सिंह पुत्र श्री सुरैन सिंह गांव उस्मान त० तरन तारन (अन्तरक)  
(2) श्री लिखा सिंह पुत्र श्री पाल सिंह गांव उस्मान त० तरन तारन (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन गांव उस्मान में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6161 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तरन तारन में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ASR/AP-1156/74-75:—यतः, मुझे, डी० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 9941 फरवरी, 1974 लिखा है, जो तुंगपाई, बटाला रोड, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री दमोदर दाम पुत्र श्री रेलु राम, माया राम, सीता राम करमो डियोटी, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) मैमर्स लिलि आटो पिस्टन, बटाला रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, तुंग पाई, बटाला रोड, अमृतसर स्थित, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 9941, फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त 1974

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निदेश सं० ASR/Mukatsar/AP -

1157/74-75—यतः, मुझे डी० एम० गुप्ता

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3682 फरवरी, 1974 लिखा है, जो गांव मधीर त० मुक्तसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी, को पूर्वावचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वावचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री नागर सिंह पुत्र श्री धान सिंह पुत्र श्री किशन सिंह वासी लाम्बी दाव त० मुक्तसर (अन्तरक)

(2) श्री बलराज सिंह पुत्र अवतार सिंह पुत्र धान सिंह वासी मधीर त० मुक्तसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-वद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वावचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा वक आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

धरती, मधीर त० मुक्तसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3682 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निवेश सं० ASR/Mukatsar/AP-1158/74-75:  
—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3683 फरवरी, 1974 लिखा है, जो गांव मधीर त० मुक्तसर में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जर्नल सिंह पुत्र श्री घान सिंह पुत्र श्री किशन सिंह वासी लाम्बी दाद त० मुक्तसर (अन्तरक)
  - (2) श्री बलराज सिंह पुत्र अकतार सिंह पुत्र घान सिंह वासी मधीर त० मुक्तसर। (अन्तरिणी)
  - (3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
  - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिणी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती मधीर त० मुक्तसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3683 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मुक्तसर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ASR/Malaut/AP-

1159/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2131 फरवरी, 1974 लिखा है, जो नजदीक गांव वालोना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलोट मंडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी को पूर्वाचित सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री मग्दारी लाल पुत्र श्री अमीर चन्द बामी पक्की। (अन्तरक)
- (2) श्री प्रिन मोहिनन्दर सिंह पुत्र वेधन्त सिंह वासी पक्की। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2131 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट मंडी में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/दसुआ/ए०पी०- 1248/74-75:—यतः, मुद्रा, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3397 फरवरी, 1974 लिखा है, जो गांव जेगा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दसुआ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मंजु पुत्र दुना, गांव जेगा त० दसुआ । (अन्तरक)
- (2) श्री जीवन सिंह, शीतल मिह पुत्र मंजु, गांव जेगा त० दसुआ । (अन्तरिती)
- (3) जैमा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानना है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

धरती गांव जेगा, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3397 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, दसुआ में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ASR/AP 1161/74-75;— यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3859 फरवरी 1974 लिखा है, जो आऊट साईड गेट हकीमां, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
4—336GI/74

1. श्री मानक चंद, मदन लाल पदम चंद, देस राज और रूप लाल पुत्र श्री मथुरा दास वासी बाजार बाग झंडा सिंह, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री सतपाल, ओम प्रकाश पुत्र श्री बुद्धा मल और श्रीमती रमेश रानी पत्नी श्री हंस राज, गली हातम हकीमां वाला, अमृतसर श्री अशोक कुमार पुत्र ताई श्री किशोरी लाल इनसाईड नाहोरी गेट, गली घटां अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

धरती का टुकड़ा खसरा नं० 1255, 1256 आऊट साईड गेट हकीमां अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3859 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त 1974  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० अमृतसर/जालन्धर/ए० पी०-1162/74-75—  
यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन मसम  
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9566  
फरवरी 1974 लिखा है, जो अकरोम रेलवे लाईन, जालंधर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारत  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
1974 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया  
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाया, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961  
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे राा अभिलिखित किए  
गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कुलभूषण, धर्मवीर और दूसरे बेचने वाले वासीराजपुर  
गहोट, जिला होशियारपुर (अन्तरक)
2. लीडर इंजीनियरिंग वर्क्स, जालंधर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति  
जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में  
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है।  
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित, है वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती रेलवे लाईन के पार, जालंधर स्थित जैसा कि रजिस्ट्री-  
कृत विलेख नं० 9566 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० अमृतसर/नकोदर/ए० पी०-1163/74-75—  
यतः, मुझे, श्री० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2704 फरवरी 1974 लिखा है, जो गांव बजुवा खुर्द में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कर्म सिंह पुत्र संता सिंह पुत्र फतेह सिंह गांव बजुवा खुर्द तहसील नकोदर। (अन्तरक)

2. श्रीमती दलीप कौर विधवा श्री ऊधम सिंह, वासी सरनाना त० जालंधर और श्रीमती नसीब कौर विधवा श्री ज्ञान सिंह पुत्र स० नन्द सिंह वासी गांव साहिना त० नकोदर।

(37-6 फार्म के अनुसार)

श्रीमती दलीप कौर पुत्री ऊधम सिंह वासी सरनाना त० जालंधर। और नसीब कौर पुत्री स० ज्ञान सिंह वासी माहम त० नकोदर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिकारों में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, गांव बजुवा खुर्द जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2704 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

श्री० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० अमृतसर/फगवाड़ा/ए०पी०-1164/74-75—  
यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2115 फरवरी 1974 लिखा है, जो माडल टाऊन, फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हंस राज पुत्र श्री दीवान चंद वासी फगवाड़ा  
(अन्तरक)

2. श्रीमती अमर कौर पत्नी जीता सिंह वासी रामपुर सुनरा तः फगवाड़ा  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो) (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी 50-सी० माडल टाऊन, फगवाड़ा जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2115 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त 1974

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर दिनांक, 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/फगवाड़ा/ए० पी०-1165/74-  
75—यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2105  
फरवरी 1974 लिखा है, जो माडल टाऊन, फगवाड़ा में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री हंस राज पुत्र श्री दीवान चन्द फगवाड़ा। (अन्तरक)
2. श्री जीता सिंह पुत्र श्री हरबंस सिंह बामी रामपुर सुन्दारां  
तहसील फगवाड़ा (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह  
व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितवद्द है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्गी पैग के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 50-सी माडल टाऊन, फगवाड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 2105 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
फगवाड़ा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख: 31 अगस्त, 1974

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर/एन० एस०/ए० पी०-1166/74-  
75—यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4013  
फरवरी 1974 लिखा है, जो गांव कंग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय नवांशहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किशन सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह वासी कंग त० : नवां  
शहर (अन्तरक)

2. श्री भजन सिंह पुत्र स० विकर सिंह वासी कंग त० : नवां  
शहर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह  
व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों  
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती गांव कंग में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4013  
फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर दिनांक, 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/एन० एस०/ए० पी०-1167/74-75—यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3971 फरवरी 1974 लिखा है, जो गांव सालमपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पाट्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पशोरी लाल पुत्र श्री राजा राम वासी अपरा।  
(अन्तरक)

2. श्री जगतार सिंह, जोगिन्द्र सिंह, भवतार सिंह, गमदूर सिंह, रणजीत सिंह पुत्र श्री बाबा सिंह अमरजीत कौर पुत्री बाबा सिंह, हबोवाल कलां त० लुधियाना।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती गांव सालमपुर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3971 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नवांशहर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर दिनांक, 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० अमृतसर/नकोदर/एपी-1168/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2550 फरवरी 1974 लिखा है, जो गांव टोडा अरहा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ठाकुर सिंह, तारा सिंह, उजागर सिंह, चरण सिंह पुत्र श्री ईश्वर सिंह पुत्र श्री राम सिंह वासी टोडा अरहा त० नकोदर ।  
(अन्तरक)

(2) श्री गुरचरन सिंह, अमरीक सिंह पुत्र श्री चनन सिंह रमेश सिंह अवतार सिंह बलवीर सिंह, चरण सिंह पुत्र श्री मलकीपत सिंह वासी श्रीलक त० नकोदर,  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है )

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमुसूची

धरती गांव टोडा अरहा में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2550 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय,

अमृतसर दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० अमृतसर/कपूरथला/एपी-1169/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2703 फरवरी 1974 लिखा है, जो गांव नंगल नारायण गढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

5—336GI/74

(1) श्री मून राजपुत्र श्री चरंजी लाल कपूरथला (अन्तरक)  
(2) श्री आत्मा सिंह, स्वर्ण सिंह, चरण सिंह, जोगिन्द्रसिंह पुत्र विशन सिंह, नत्थुचचल, कपूरथला। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानाता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप दिया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, गांव नंगल नारायण गढ़, कपूरथला जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2703 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 31 अगस्त 1974

निदेश सं० अमृतसर/कपूरथला/एपी-11707/74-75—यतः  
मुझे डी० एम० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2644 फरवरी 1974 को लिखा है, जो हमीरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती वक्शीश कौर पत्नी श्री प्रताप सिंह, गुरदेव सिंह रजवंत कौर, कुलवंत कौर, मोहिन्दर कौर पुत्री प्रताप सिंह, हमीरा जिला कपूरथला। (अन्तरक)
- (2) श्री हंसराज पुत्र श्री अमर चंद, रघवीर चंद सोमनाथ रणजीत सिंह पुत्र श्री हंसराज, गांव हणनपुर (अन्तरिती)।
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती गांव हमीरा में जैसा कि कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2644 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

डी० गुप्त० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर तारीख 31 अगस्त 1974

निदेश सं० अमृतसर/कपूरथला/एपी-1171/74-75 —यतः  
मुझे डी० एस० गुप्ता  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसको सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2643 फरवरी  
1974 में लिखा है, जो गांव हमीरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन फरवरी 1974 को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे  
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री अमरीक सिंह पुत्र फकीर सिंह गांव हमीरा, जिला  
कपूरथला (अन्तरक)
- (2) श्री हंसराज पुत्र श्री अमर चंद, रघवीर सिंह, सोमनाथ  
रणजीत कुमार होशियारपुर, जिला कपूरथला  
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती हमीरा में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2643  
फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा  
है।

डी० एस० गुप्ता,

समक्ष प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० अमृतसर/एपी-1172(74-76)--२तः

मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3806 फरवरी 1974 लिखा है, जो ग्रीन ऐक्व्यू, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रमन लाल पुत्र श्री रोशन लाल, कुच्चा मिरारखेली, हाल विलमुकावल अमर सिंह कालिज, श्रीनगर (कश्मीर) (अन्तरक)

(2) श्री श्रीम प्रकाश अग्रुजा पुत्र श्री कर्मचंद कपूर रोड अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर ह (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थिति पर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति नं० एम० 50 ग्रीन ऐक्व्यू अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3806 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

समक्ष प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जुन रंज, अमृतसर

तारीख: 31 अगस्त 1974

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० अमृतसर/भूलेथ /एपी-1173/74-75—यतः मुझे  
डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का  
43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1519  
फरवरी 1974 में लिखा है, जो गांव मकसूदपुर में स्थित है (और  
इससे उदाहरण अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय भूलेथ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1974 को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में बर्मा बरने या उससे बचने  
के लिए सुधार बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये  
गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1971 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

- (1) श्रीमती प्रकाश कौर पुत्री श्री खुसहाल सिंह, वासी  
मकसूदपुर, त० भूलेथ, (अन्तरक)
- (2) जगत सिंह पुत्र श्री खुसहाल सिंह, वासी मकसूदपुर  
त० भूलेथ, (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है )
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-  
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
दिया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापारिभाषित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती गांव मकसूदपुर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
1519 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भूलेथ में लिखा  
है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 31 अगस्त 1974

निदेश स० अमृतसर (भूलेथ/एपी-1174/74-75—यत-  
मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिस की स० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1566  
फरवरी 1974 में लिखा है, जो गांव बेगोवाल में स्थित है (आर  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय भूलेथ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1974, को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित गई की है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सूबा सिंह पुत्र फौजा सिंह पुत्र हर सिंह वासी टाडा  
अरमट त० दमुआ, अटानी फकीर सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह पुत्र  
दाद, तहसील जिला फिरोजपुर (अन्तरक)

(2) श्री मोहन सिंह पुत्र स० मेहताब सिंह, जर्नैल सिंह,  
भजन सिंह, श्रीतार सिंह बलविन्दर सिंह पुत्र श्री नानक सिंह वासी  
नगल लुहाना (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हो, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

धरती गांव बेगोवाल में जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न०  
1566 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भूलेथ में लिखा  
है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए एस आर०/ पी टी के०/ ए० पी०-1175/  
74-75:—यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०  
कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2473 फरवरी  
1974 में लिखा है, जो सरना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, पठानकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1974, को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था  
छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न-  
लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स पंजाब खादी ग्राम उद्योग संघ, आत्मसर, जिला  
जालन्धर मार्फत श्री कंवल देव पुत्र श्री दौलत राम जी० ऐ०।

(अन्तरक)

(2) संत सुदेशन मुनि सोहलवाले, चेला संत तरन दास  
जी, चेला संत नारायण दास अब सरना नजदीक पठानकोट।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी सरना में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2473  
फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पठानकोट में लिखा  
है।

(डी० एस० गुप्ता),

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/पी० टी० के०/ए० पी०-1176/  
74-75:—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
250 रु० रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2541  
फरवरी, 1974 लिखा है, जो पठानकोट में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है यथार्थ पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए  
हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसार मे, मैं, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स राम सिंह एण्ड सन्ज, मार्फत श्री राम सिंह, अमर  
सिंह, रतन सिंह कृपाल सिंह और प्रेम सिंह मार्फत टिम्बर मर्चेंट्स,  
लाजपत राय मार्फत, जगरावां। (अन्तरक)

(2) श्री कंवल नैन चावला पुत्र श्री हाकम राय मार्फत के०  
चावला एण्ड कम्पनी, कालिज रोड, पठानकोट। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह पंजीत है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2541 फरवरी,  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पठानकोट में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ जालंधर/ए० पी०-1177/74-75—यतः, भुझे, डी० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9487 फरवरी, 1974 लिखा है, जो मंडी कैन्टन गज, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

6—336GI74

(1) श्री लाजपत राय शर्मा, श्री अक्षेय कुमार शर्मा पुत्र श्री लाजपत राय शर्मा जी०-मे० लाजपत राय शर्मा, 14 सन्यास रोड, मकबूल नजदीक पुलिस स्टेशन केमर बाग, लखनऊ

(अन्तरक)

(2) पंडित गोपाल कृष्ण शर्मा पुत्र श्री मेला राम शर्मा 154 लाजपत राय नगर, जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, नेहरु गार्डन रोड, नजदीक मंडी कैन्टन गंज जालंधर स्थित जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9487 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एम० आर०/जालंधर/ए० पी०-1178/74-75—यतः, मुझे डी० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9473 फरवरी, 1974 लिखा है, जो बाई पास जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हंस राज पुत्र श्री अमर चंद अड्डा होशियारपुर, जालंधर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रक्षा देवी, गिबनगर, जालंधर मार्फत सन पाल पंडित एण्ड कम्पनी, जालंधर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है ।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रचि रखता हो ।

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा, बाई पास जालंधर स्थित जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9473 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है ।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख: 31 अगस्त 1974 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निदेश सं० ए एस आर०/जालंधर/ए० पी०-1179/74-75:—यतः, मुझे, डी एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9472 फरवरी, 1974 में लिखा है जो बाई पास, जालंधर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1974, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हंस राज पुत्र श्री अमर चंद, अट्टा होशियारपुर, जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्री गुरदियाल सिंह, श्री हरदेव सिंह पुत्र श्री मिलखा सिंह माफत सत पाल पंडित एण्ड कम्पनी, जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षेप यदि, कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती नजदीक बाई पास जालंधर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9472 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निदेश सं० ए एम आर०/जालंधर/ए० पी०-1180/  
74-75:—यतः, मुझे, डी० एम० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9471 फरवरी, 1974 में लिखा है, जो बाई पाम जालंधर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हंस राज पुत्र श्री अमर चंद, अड्डा होशियारपुर, जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्री तारु सिंह पुत्र स० जवाला सिंह, हरजिंदर सिंह पुत्र स० जवाला सिंह मार्फत मत पाल पंडित एण्ड कम्पनी, जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती, तजदीक बाई पास, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9471 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जालंधर/ए० पी०-1181/74-75:—यतः, मुझे, डी०एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9573 फरवरी, 1974 में लिखा है, जो बाई पाम, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1974,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री हंस राज पुत्र श्री अमर चन्द, अट्टा होशियारपुर, जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती अमरगवती पत्नी श्री संत राम दुग्गल, 128/3, सैन्ट्रल टाउन, जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा बाई पाम जालंधर स्थित जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9573 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी०एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निदेश सं० ए. एस. आर०/जालंधर/ए० पी०-1182/  
74-75:—यतः, मुझे, डी० एम० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9575  
फरवरी, 1974 में लिखा है, जो बाई पाम जालंधर में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी  
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिधों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हंस राज पुत्र श्री अमर चन्द, अड्डा होशियारपुर,  
जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती अमरावती पत्नी श्री संत राम दुग्गल 128/3  
सैटल टाऊन, जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह  
व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती बाई पास जालंधर स्थित, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 9575 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर  
में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जालधर/ए० पी०-1183/74-75—यत्, मुझे, डी०एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9574 फरवरी, 1974 लिखा है, जो बाई पास जालधर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1974 फरवरी।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत्: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हंस राज पुत्र श्री अमर चन्द श्रद्धा होशियारपुर, जालधर। (अन्तरक)

(2) श्री तेजन्दर पाल पुत्र श्री विक्रम सिंह, श्रीमती शारदा देवी और श्री सुगन्दर कुमार मार्षित श्री मन राम दुग्गल, 128/3 मैट्रल टाऊन, जालधर। (अन्तरिणी)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा, बाई पास जालधर में स्थित, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9574, फरवरी, 1974, को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालधर में लिखा है।

डी०एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख . 31 अगस्त, 1974।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/जालंधर/ए० पी०-118 4/  
74-75.—यतः, मुझे, डी० एम० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है  
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9470  
फरवरी, 1974 लिखा है, जो नजदीक बाई पास, जालंधर  
में स्थित है (और हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हंस राज पुत्र श्री अमर चन्द अड्डा होशियारपुर,  
जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश बंती पत्नी श्री एम० आर० दत्त  
वामी शिव नगर, जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-  
भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह  
व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति  
में हितवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

धरती नजदीक बाई पास जालंधर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 9470 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर  
में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/जालंधर/ए० पी०-1185/  
74-75:—यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9576  
फरवरी, 1974 लिखा है, जो बाई पास, जालंधर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974,  
फरवरी  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए  
गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
7-336 GI/74

(1) श्री हंस राज पुत्र श्री अमर चन्द अड्डा होशियारपुर,  
जालंधर । (अन्तरक)

(2) श्रीमती ऊषा किरण पत्नी श्री मोहिन्दर नाथ, कपूर-  
थला मार्फत संत राम दुग्गल, 128/3 सैट्रल टाउन, जालंधर ।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।  
वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितवद्ध है)  
को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार  
होगा ।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा बाई पास, जालंधर में स्थित, जैसा कि  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9576 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, जालंधर में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त, 1974 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर  
अमृतसर दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ए० एम० आर०/जालंधर/ए० पी०-1186/  
74-75:—यतः, मुझे, डी० एम० गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 9470,  
9471, 9472, 9473, 9573, 9574, 9575, 9576 है,  
जो फरवरी, 1974 लिखा है, जो वाई पाम, जालंधर में स्थित  
है (और इसमें उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
1974, फरवरी को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के  
लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हम राज पुत्र श्री अमर चन्द अठ्ठा होशियारपुर,  
जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश बती पत्नी श्री एम० आर० दत्त, शिव-  
नगर जालंधर। तारु सिंह पुत्र सं० जवाला सिंह और हरजिंदर सिंह  
पुत्र सं० जवाला सिंह, मार्फत सतपाल पंडित एण्ड कम्पनी,  
जालंधर। श्री गुरदियाल सिंह हरदेव सिंह पुत्र श्री मिलखा सिंह,  
रक्षा देवी, शिव नगर, जालंधर मार्फत सतपाल पंडित एण्ड कम्पनी,  
जालंधर। श्रीमती अमर बती पत्नी, श्री संत राम दुग्गला तेजिन्दर  
सिंह पाल पुत्र सं० विक्रम सिंह, शारदा देवी, मुग्गिन्दर कुमार,  
उपा किरण पत्नी श्री मोहिन्दर नाथ मार्फत सत राम दुग्गल  
128/3 सैटल टाऊन, जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आशंका, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसको सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने  
ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरितों को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती वाई पाम, जालंधर में स्थित, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत  
विलेख न० 9470, 9471, 9472, 9473, 9573, 9574,  
9575 और 9576 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
जालंधर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायदालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर,

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एम० आर०/जालंधर/ए० पी०-1189/74-75:—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 भाग कोटी नं० 335 लाजपत नगर, जालंधर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9430 फरवरी, 1974 लिखा है जो 335 लाजपत नगर, जालंधर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध, अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गोपाल कृष्ण शर्मा पुत्र श्री मेला राम शर्मा 335, लाजपत नगर, जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्री मुच्चा सिंह पुत्र स० केमर सिंह (अन्तरिती)  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

1/4 भाग कोटी नं० 335, लाजपतनगर, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9430 फरवरी, 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एम० आर०/जालंधर/ए० पी.-1190/74-75:—यतः, मुझे, डी० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 भाग कोटी नं० 335 लाजपत नगर, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9426 फरवरी 1974 लिखा है, जो 335 लाजपत नगर, जालंधर में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोपाल कृष्ण शर्मा पुत्र श्री मेला राम शर्मा 335, लाजपत नगर, जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्री परमजीत सिंह ठाकुर पुत्र श्री मोहिन्दर सिंह गांव, डाकखाना शंकर, जिला जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एवद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग कोटी नं० 335 लाजपत नगर, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9426 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/जालंधर/ए० पी०-1191/74-75:—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9520  
फरवरी, 1974 लिखा है, जो गांव मकसूदपुर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के  
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए  
हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरपाल सिंह, प्रदीप सिंह पुत्र श्री उधम सिंह पुत्र  
श्री शेर सिंह एन० एम०-187, मोहल्ला करखा, जालंधर।  
(अन्तरक)

(2) श्री तीर्थ राम पुत्र श्री ज्ञान चन्द पुत्र श्री दलीप सिंह,  
किंग्स होटल, जालंधर।  
(अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 पर है।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, गाँव मकसूदपुर जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
9520 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर  
में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख 31 अगस्त, 1974।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०/जाल०/ए०पी०-1200/74-75—  
यतः मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9986, फरवरी, 1974 लिखा है, जो सेशन कोर्ट रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सहदेव सिंह पुत्र श्री राजेश्वर सिंह  
187, सेशन कोर्ट रोड, जालन्धर। (अन्तरक)
2. श्री धर्मपाल पुत्र श्री ईशर दाम,  
78, इन्डस्ट्रीयल एरिया, लुधियाना। (अन्तरिती)
3. जैसा नं० 2 पर है।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती, सेशन कोर्ट स्थित, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9986 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एम० आर०/जाल०/पी०-201/74-75—

यतः मुझे डी० एम० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
9517 फरवरी, 1974 लिखा है जो सेशन कोर्ट रोड,  
जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन फरवरी, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय  
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री महदेव सिंह,  
187 सेशन कोर्ट रोड, जालंधर। (अन्तरक)

2. श्री धर्म पाल, 78, इन्डस्ट्रीयल एरिया,  
लुधियाना। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।  
(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा या;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को भी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती सेशन कोर्ट रोड सामने पी० एण्ड टी० कालोनी,  
जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9517 फरवरी, 74  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त, 1974  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक, 31 अगस्त 1974 ।

निदेश सं० ए० एम० आर०/जाल०/ए०पी०-1202/74-75—

यतः मुझे डी० एम० गुप्ता  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० धरती काटुकड़ा, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 9886 फरवरी, 1974 लिखा है) जो मास्टर मोता सिंह  
नगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन फरवरी, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात्:—

1. स० जमबीर सिंह जी ए०, स० तजिन्दर सिंह  
जालन्धर शहर। (अन्तरक)

2. स० सेवा सिंह, 291, मास्टर मोता सिंह नगर,  
जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 416, मास्टर मोतासिंह नगर, जालन्धर जैसा कि  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9886 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जुल०/ए०पी०-1203/74-75--  
यतः मन्त्र, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
और जिसकी सं० दूकान नं० ई-ई/28, न्यू रेलवे रोड, जालन्धर,  
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9538 फरवरी, 1974 को रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है, जो न्यू रेलवे रोड, जालन्धर  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
फरवरी, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-  
शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
8—336 GI/74

1. श्री हरजीतसिंह, इन्दर पाल सिंह पुत्र श्री गगत सिंह,  
जालन्धर । (अन्तरक)

2. श्री पीतम सिंह महाय पुत्र हरचरण सिंह महाय  
निवास कपूरथला । (अन्तरिती)

3. जैमा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती का  
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार  
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुकान नं० ई-ई/28, न्यू रेलवे रोड, जालन्धर जैसा कि रजि-  
स्ट्रीकृत विलेख नं० 9538 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०/जाल०/ए०पी०-1204/74-75—

यतः भूझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म० 1/2 कोठी नं० 85, माडल टाउन, जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9632, फरवरी, 1974 लिखा है, जो माडल टाउन रोड, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चानन सिंह पुत्र म० वमंत सिंह,  
85, लाजपत नगर, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री हर भजन सिंह पुत्र म० प्रीतम सिंह,  
गांव बड़ापिंड, त० फिल्लौर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/2 भाग कोठी नं० 85, माडल टाउन रोड, जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9632 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/के० पी० एल०/ए० पी० 1211/74-74—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी मंजूरी सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 2615 फरवरी 1974 में लिखा है, जो जालंधर रोड, कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रमेश खोमला, मैनेजिंग डायरेक्टर, खोसला सेल्ज (इण्डिया) कपूरथला । (अन्तरक)

2. मैसर्स हिन्दुस्तान फैस मैन्यूफैक्चरर जालंधर रोड, कपूरथला । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सम्पत्ति जालंधर रोड, कपूरथला जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 2615 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 31 अगस्त, 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/जाल०/ए०पी०-1206/74-75—

यतः मुझे, डी० एस० गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,  
25,000/- रुपये से अधिक है और ज़िमकी सं० धरती  
का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9791, फरवरी,  
1974 लिखा है, जो मोतानगर, गरहा रोड, स्कीम,  
जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन फरवरी, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री यशपाल शर्मा पुत्र श्री प्रकाश दत्त  
ई के-102, शिव राजगढ़ जालंधर,  
एस ए, सत्यावती, जालंधर । (अन्तरक)
2. श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री होशियार सिंह,  
गांव कक्कड़ न० गढ़ शंकर, जिला होशियारपुर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है।  
(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

प्लॉट नं० 256 मोतानगर गरहा रोड, स्कीम जालंधर जैसा  
कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9791 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/के० पी० एल०/ए० पी०-1213/  
74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम 1961 (1961

का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2617  
फरवरी 1974 में लिखा है, जो जालंधर रोड, कपूरथला में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974,  
फरवरी

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय  
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उसमें बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रमेश खोसला, मैनेजिंग डायरेक्टर, खोसला सेल्स  
(दण्डिया) कपूरथला। (अन्तरक)

2. मैसर्स हिन्दुस्तान फैंस मैन्यूफैक्चरिंग जालंधर रोड,  
कपूरथला, मार्फत श्रीमती सुशीलावती। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध  
है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत  
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति जालंधर रोड, कपूरथला जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 2617 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कपूरथला  
में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ए० पी० एल०/ए० पी०-1212/  
74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2618 फरवरी 1974 में लिखा है, जो जालधर रोड, कपूरथला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से स्थित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अयाय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-गके अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. रमेश खोसला, मैनेजिंग डाइरेक्टर, खोसला सेल्स (इण्डिया), कपूरथला। (अन्तरक)

2. मैसर्स हिन्दुस्तान फैंस मैन्यूफैक्चरिंग, जालधर रोड, कपूरथला, मार्फत श्रीमती सुशीलावती। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति जालधर रोड, कपूरथला स्थित जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 2618, फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कपूरथला में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/के० पी० एल०/ए० पी०-1214/  
74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2615 2616,  
2617 और 2618 फरवरी 1974 लिखा है, जो जालंधर रोड,  
कपूरथला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 1974 फरवरी  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1 श्री रमेश रायणा, मैनेजिंग डाइरेक्टर, खोमला मेल्म  
(इण्डिया) कपूरथला । (अन्तरक)

2 मैमर्ज हिन्दुस्तान फॉन्स मैन्यूफैक्चरर जालंधर रोड,  
कपूरथला, मार्फत श्रीमती सुशीलावती । (अन्तरिती)

3 जैसा कि नं० 2 पर है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति,  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध  
है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार  
होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सम्पत्ति जालंधर रोड, कपूरथला जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 2615, 2616, 2617, 2618 फरवरी 1974 को रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी, कपूरथला में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एस० प्रार०/के० पी० एल०/ए० पी०-1215/  
74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिनकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2694, फरवरी 1974 में लिखा है, जो कपूरथला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सतपाल पुत्र दीवानचंद, विनोदकुमार, प्रमोदकुमार पुत्र श्री मतपाल कपूरथला । (अन्तरक)

2. श्री रामनरेश, जोगिन्द्र पाल पुत्र श्री तीर्थराम, कपूरथला । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

धरती, कपूरथला में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2694 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जल०/ए० पी०-1316/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9618 फरवरी 1974 में लिखा है, जो न्यू जवाहर नगर, जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
9—336GI 74

1. श्री हरभजन लाल पुत्र श्री दौलत राम बासी विला त० फिल्लौर। (अन्तरक)

2. श्री कृष्ण लाल पुत्र श्री निहाल चंद, 266 लाजपत नगर, जालंधर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, 'अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके'।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 42, न्यू जवाहर नगर, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9618 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जाल०/ए० पी०-1217/74-75  
यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9816 फरवरी 1974 में लिखा है, जो इन्डस्ट्रियल ऐरिया, जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दारतदिक रूप से वक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में वही करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती इंदर कौर पत्नी श्री चरण सिंह, 2413 तिलक स्ट्रीट, चूना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली-55; शंकर सिंह, अजीत सिंह पुत्र स्वर्गीय चरण सिंह, श्रीमती मोहिन्दर कौर पत्नी स्वर्गीय

चरण सिंह, 2413 तिलक स्ट्रीट, चूना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली-55 और राजिन्दर कौर पत्नी साधू सिंह, गली नं० 5, मकान नं० 757 मोहल्ला, प्रताप नगर, लुधियाना (पूछताछ के अनुसार) (अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा जैन, श्रीमती मेहमावती जैन माफत श्री राज कुमार, 267 आदर्श नगर, जालंधर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 45 ई और 84 ई, इन्डस्ट्रियल ऐरिया, जालंधर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9816, फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974  
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जाल०/ए० पी०-1218/74-75--यत. मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 9397 फरवरी 1974 लिखा है, जो नजदीक माडल टाउन, जालधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1808 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री गुरमेल सिंह पुत्र श्री गुरवचन सिंह सधु और श्रीमती रामजीत कौर, पत्नी श्री गुरमेल सिंह, यू० के० मार्फत श्री भारत भूषण, 47, प्रताप रोड, जालधर । (अन्तरक)

2 श्रीमती बलविन्दर कौर पत्नी कुलजीत सिंह पुत्र श्री दिलबाग सिंह, 300-एल माडल टाऊन, जालधर । (अन्तरिती)

3 जैसा कि न० 2 पर है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती नजदीक माडल टाऊन, जालधर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 9397 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालधर में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 31 अगस्त, 1974  
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री हंस राज पुत्र उपिन्दर दत्त, जी० टी० रोड़, जालंधर।  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री दलजीत सिंह पुत्र स० उजागर सिंह फुलरीवाला,  
जालंधर।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह  
व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

अर्जन रेंज, अमृतसर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

निवेश सं० ए० एस० आर०/जालंधर/1223/74-75:—  
यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० घरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9829  
फरवरी, 1974 लिखा है, जो मोता सिंह नगर, जालंधर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974,  
फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-  
कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण  
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की साबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 762-63 मोता सिंह नगर, जालंधर जैसा कि  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9829 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी जालंधर में लिखा है।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/जालंधर/ए० पी०-1224/74-75:—यतः मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9423 फरवरी, 1974 में लिखा है, जो ऊधम सिंह नगर, जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और गतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जस्ता राम सपुत्र बाबा अतर सिंह मार्फत अतर सिंह बोध राज, सब्जी मण्डी, जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्री सरूप सिंह सपुत्र गंगा सिंह सपुत्र गुरदित्त मल ई० एच० 180 सिविल लाईनज, जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 128 ऊधम सिंह नगर जालंधर पर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9423 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त 1974  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/जालंधर/ए० पी०-1225/74-75:—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 9894 फरवरी, 1974 लिख है, जो गांव नागरा त० जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर घटे के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अर्जन सिंह, जमीपत सिंह पुत्र श्री जोवाला सिंह और हुक्मी विधवा जोवाला सिंह, गांव नागरा त० जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्री एस० आई० ब्रिक्स बिल्डरज (प्रा०) लिमिटेड चौक दीपक सिनेमा, लूधियाना। (अन्तरिती),

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती गांव नागरा में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 9894 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/जालंधर/ए० पी०-1226/74-75:—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीत विलेख नं० 9874 फरवरी, 1974 में लिखा है, जो गांव नगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी को पवोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अमसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः—

(1) श्री अर्जन सिंह जमीयत सिंह सपुत्रान ज्वाला सिंह तथा श्रीमती हुक्मी विधवा ज्वाला सिंह गांव नागरा तसील, जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्री एस० आई० ब्रिक्स एण्ड बिल्डर्ज (प्रा०) लि० दीपक सिनेमा चौक, लुधियाना। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि गांव नागरा में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9874 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए०एम०आर०/मानसा/ए०पी०-1152/74-75:-  
यतः, मुझे एस० गुप्ता, सहायक आयकर आयुक्त  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3855  
फरवरी, 1974 लिखा है, जो मानसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, मानसा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये  
हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्रीमती जंगीर कौर विधवा, श्री चन्द सिंह पुत्र  
काका सिंह, गांव भेनी बाधा त० मानसा (अन्तरक)

(2) जीता सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह  
गांव भेनी बाधा त० मानसा (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-  
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में  
यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3855 फरवरी,  
1974 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मानसा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त 1974

मोहर :-

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/जालंधर/ए० पी०/1187/  
74-75:—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 भाग कोठी नं० 335 लाजपत नगर जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9428 फरवरी, 1974 लिखा है, जो 335, लाजपत नगर, जालंधर में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—  
10—336GI/74

(1) श्री गोपाल कृष्ण शर्मा पुत्र श्री मेला राम शर्मा 335, लाजपत नगर, जालंधर (अन्तरक)

(2) श्री गुन्नामिह पुत्र म० केसर मिह (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अभियोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/4 भाग कोठी नं० 335 लाजपत नगर जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9428 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।  
मोहर :

प्ररूप आर्ई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जालंधर/ए० पी०-1188/  
74-75:—यतः, सुभे, डी० एस० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 कोठी नं० 335 लाजपत नगर जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9429 फरवरी 1974 लिखा है, जो 335 लाजपत नगर, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और सुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गोपाल कृष्ण शर्मा पुत्र श्री मेला राम शर्मा 335, लाजपत नगर, जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्री परमजीत सिंह ठाकुर पुत्र श्री मोहिन्दर सिंह गांव, डाकखाना शंकर, जिला जालंधर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हितवत्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/4 भाग कोठी नं० 335, लाजपत राय नगर जालंधर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9429 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/जालंधर/ए० पी०-1193  
74-75:—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 1/2 भाग कोठी नं० 388 न्यू जवाहर नगर,  
जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9626 फरवरी, 1974  
लिखा है, जो न्यू जवाहर नगर, जालंधर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, परबरी  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधत्ति:—

(1) श्री पी० सी० मेनन पुत्र श्री गोविन्द राम 388, न्यू  
जवाहर नगर, जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती दत्त रानी पत्नी श्री राम लभाया आऊट साईड  
मंडी फैंटन गंज, जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,  
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार  
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कोठी नं० 388 न्यू जवाहर नगर जालंधर जैसा  
कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9626 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एम० आर०/जालधर/ए० पी०-1194/  
74-75:—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1/2 कोठी नं० 388 न्यू जवाहर नगर, जालधर  
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9623 फरवरी, 1974 लिखा  
है, जो न्यू जवाहर नगर, जालधर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, जालधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया  
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० सी० मेनन पुत्र श्री गोविन्द राम 388, न्यू  
जवाहर नगर, जालधर। (अन्तरक)

(2) श्री अविनाश चन्द्र पुत्र श्री मूल राज वेरुन मंडी फौटन  
गंज, जालधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखना हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास निब्रित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

1/2 भाग कोठी सं० 388, न्यू जवाहर नगर जालधर जैसा  
कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9623 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, जालधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ए० एम० आर०/जालंधर/ए० पी०-1195/74-75:—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कोठी, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9778 फरवरी, 1974 लिखा है, जो नजदीक ऐ० आई० आर० जालंधर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती अमरजीत कौर उर्फ अमर कौर विधवा श्री गुरगोपाल सिंह वासी लामा पिंड चक हुसैनिया, जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री परमजीत सिंह पुत्र गुरगोपाल सिंह वासी लामा पिंड, चक हुसैनिया, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० ई० एच० 5 नजदीक ऐ० आई० आर० जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9778 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एम० आर०/एस० के० टी०/ए० पी०-1196/74-75—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1594 फरवरी, 1974 लिखा है, जो गांव धारीया मुश्तरका नजदीक सेदपुर सीरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाहकोट में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री मोता सिंह गुरदेव सिंह पुत्र सं० जगजीत सिंह गांव मानवाल अराईया त० नकोदर। (अन्तरक)

(2) श्री वचन सिंह पुत्र म० दलीप सिंह, गांव बिल्ली बडैच धानन कौर पत्नी श्री जोगिन्द्र सिंह गांव वजवां कलां त० नकोदर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, गांव धारीया मुश्तरका जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1594 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शाहकोट में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/कपूरथला/ए० पी०-1197/  
74-75:—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी  
सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2695  
फरवरी, 1974 लिखा है, जो कपूरथला में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974,  
फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये  
हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अमुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(2) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री सतपाल पुत्र दीवान चन्द, विनोद कुमार प्रमोद  
कुमार पुत्र श्री सतपाल, कपूरथला। (अन्तरक)
- (2) श्री रिहांत कुमार, गोपाल कृष्ण पुत्र प्रकाश चन्द  
मार्फत प्रकाश चन्द करोरी मल, मंड़ी, कपूरथला।  
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्व-  
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती कपूरथला में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
2695 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला  
में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 31 अगस्त, 1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जे०यू०एल०/ए०पी०-1198/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जंगा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9905, फरवरी, 1974 लिखा है, जो गांव बस्ती मिठू में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री सतपाल पुत्र म० ज्ञान सिंह बासी बस्ती मिठू, जालन्धर।

(अन्तरक)

2 श्री दर्शन सिंह पुत्र म० लाल सिंह बामी गांव देसलपुर तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-हस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, गांव बस्ती मिठू में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9905, फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एस०आर०/जे० यू० एल०/ए०पी०-1199/74-75—यतः मुझे, जी० एम० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9481, फरवरी, 1974 लिखा है जो गांव परसरामपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री ज्ञान सिंह पुत्र श्री बूटा सिंह  
गांव परसरामपुर, त० जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री साधू सिंह पुत्र स० करतार सिंह,  
वासी पारसरामपुर, त० जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9481 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

जी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एम० आर०/ए० पी०-1192/74-75:—  
यतः, मुझे, डी० पी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 कोटी नं० 85 लाजपत नगर, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9591 फरवरी, 1974 लिखा है, जो लाजपत राय नगर, जालंधर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिम्मेदार अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गती (अन्तरगितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्थन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री चानन सिंह पुत्र म० बसंत सिंह 85, लाजपत नगर, जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्री बलविंदर सिंह पुत्र म० प्रीतम सिंह गांव बड़ापिंड त० फिल्लौर, जिला जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/2 भाग कोटी नं० 85 लाजपत नगर, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9591 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,

मक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जाल०/ए० पी०-1205/  
74-75— यतः मुझे श्री० एम० गुप्ता  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 9433, फरवरी, 1974 लिखा है जो 15 लाजपत राय  
नगर, जालंधर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के (कार्यालय  
जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन फरवरी, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए  
गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जतिन्दर मोहन पुत्र श्री निहाल चन्द,  
डब्ल्यू जी 263, इस्लाम गज, जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री राम आहूजा पुत्र श्री साहिब दत्ता,  
23, लाजपत राय नगर, जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लेट नं० 15 लाजपतराय नगर, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्री-  
कृत विलेख नं० 9433 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
जालंधर में स्थित है।

डी० एम० गुप्ता,

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जल०/ए०पी०-1208/74-75—  
यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9937 फरवरी, 1974 लिखा है जो पॉलीम लाईन रोड, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती भागवती विग पत्नी श्री भीम सैन विग एडवोकेट और रविन्दर कुमार विग पुत्र श्री भीम सैन विग 85, सिविल लाईन्स, जालन्धर।

शामकुमार भारद्वाज पुत्र श्री मन पाल भारद्वाज, सैन्ट्रल टाऊन जालन्धर, जी० ए० दलीप कुमार विग पुत्र श्री भीम सैन विग (अन्तरक)

2. श्री सुखदेव मालती पुत्र श्री डोगर सिंह पुत्र खेवा राम वासी मूरावाली, त० गढ़शकर, जिला होशियारपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-हस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में गति रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति पॉलीम लाईन, रोड, जालन्धर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9937 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 31 अगस्त, 1974

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 31 अगस्त, 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०/जाल०/ए०पी०-1209/74-75—  
यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 9826 फरवरी, 1974 लिखा है, जो सेशन कोर्ट रोड, जालंधर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महदेव सिंह पुत्र श्री राजेश्वर सिंह,  
187, सेशन कोर्ट रोड, जालंधर। (अन्तरक)

2. श्रीमती कान्ता, अग्रवाल पुत्र श्री रूप लाल अग्रवाल,  
270, सेंट्रल टाऊन, जालंधर।

श्री जयसिंह पुत्र सं० गुरदित्त सिंह,  
291, मोना मिह बाजार, जालंधर।

श्री अजय वीर सिंह पुत्र श्री लखबीर सिंह एडवोकेट,  
186, सेशन कोर्ट रोड, जालंधर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवन्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती, सेशन कोर्ट, जालंधर स्थित जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9826 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एम० आर०/कि० पी०एल/ए० पी०-1210/  
71-75—यतः मुझे डी० एम० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विवेक नं० 2616  
फरवरी 1974 में लिखा है, जो जालधर रोड, कपूरथला में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974  
फरवरी

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के  
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रमेश खामला, मैनेजिंग डायरेक्टर, खोसला मेलज  
(दृण्डया) कपूरथला। (अन्तरक)
2. मैसर्स हिन्दुस्तान फैनस मैनुफैक्चरर, जालधर रोड,  
कपूरथला, मार्फत श्रीमती सुशीलावती। (अन्तरिनी)
3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, जालधर रोड, कपूरथला, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत  
विवेक नं० 2616 फरवरी 1974 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
कपूरथला में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर।

तागिख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर, 411004

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश म० ए० एम० आर०/जाल०/ए० पी०-1219/74 75—यतः मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 9740 फरवरी 1974 लिखा है, जो नजदीक हिंदू समाचार, जालधर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1 श्री जगत सिंह पुत्र श्री साधू सिंह बामी नडाला, त० कपूरथला । (अन्तरक)

2 श्री कृष्ण लाल पुत्र काहन चंद मार्फत लैटेस्ट प्रिंटर्स, कलाट मर्कस, जालधर । (अन्तरिती)

3 जैसा कि न० 2 पर है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।

4 कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा- परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

प्लॉट न० 9 नजदीक हिंदू समाचार, जालधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 9740 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालधर में लिखा है ।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश नं० ए० एस० आर०/जाल०/ए० पी०-1220/74-75—यतः मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9823 फरवरी 1974 लिखा है, जो मोता सिंह नगर, जालंधर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन फरवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हंस राज शर्मा पुत्र श्री उषिंदर दत्त राकव गंज, लखनऊ अब जी० टी० रोड, जालंधर। (अन्तरक)
2. श्री अमरीक सिंह गिल, पुत्र स० उजागर सिंह वासी फुलरीवाला, जालंधर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यबाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती मोता सिंह नगर, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9823 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जाल०/ए० पी०-1221/74-  
75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 9824  
फरवरी 1974 लिखा है, जो मोतासिह नगर, जालंधर में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974  
फरवरी

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये  
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे  
अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—336GU/74

1. श्री हंस राज शर्मा पुत्र उपिंदर दत्त टी० टी० रोड, जालंधर।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती करतार कौर पत्नी श्री उजागर सिंह, फुलरीवाला,  
जालंधर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि,  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 762-63 मोता सिंह नगर, जालंधर स्थित जैसा कि  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9824 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जाल०/ए० पी०-1222/74-75—यत मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 9828 फरवरी 1974 लिखा है, जो मोता सिंह नगर, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री हंस राज शर्मा पुत्र श्री उपिंदर दत्त, जी० टी० रोड, जालंधर। (अन्तरक)

2 श्री जनक सिंह गिल पुत्र श्री उजागर सिंह, फुलरीवाला, जालंधर। (अन्तरिती)

3 जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट न० 762-63 मोता सिंह नगर, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 9829 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख . 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/फाजिल्का/ए० पी०-1227/74-75:—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3844 फरवरी, 1974 में लिखा है, जो गांव जँडवाला मीराम सांगला में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फाजिल्का में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मुंशी राम सपुत्र गुरां विक्ता राम वासी एम० टी० जी० तसील सूरतगढ़ द्वारा तारसेन सपुत्र श्री मुंशी राम स्पेशल अटार्नी। (अन्तरक)

(2) श्री कुन्दन सिंह सपुत्र उधम सिंह, बरसा सिंह, बयाल सिंह, सपुत्रान अजायब सिंह वासी जड़वाला मीरां सांगला तसील फाजिल्का। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि गांव जँडवाला मीरां सांगला में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3844 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिल्का में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/एफ० जेड० के०/ए०  
पी०-1228/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी  
सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3392, फरवरी  
1974 को लिखा है, जो गांव पाका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय फाजिल्का में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-  
रक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे  
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आत्मा सिंह पुत्र स० बूटा सिंह, वासी पाका, तहसील  
फाजिल्का । (अन्तरक)

1. श्री बूटा सिंह, सज्जन सिंह, बलवंत सिंह, हरबंस सिंह  
पुत्र सुरैन सिंह और महिन्दर सिंह पुत्र संतोख सिंह, पिशीरा सिंह,  
हीरा सिंह, मेजर सिंह, करनल सिंह, जैल सिंह पुत्र श्री तारा सिंह,  
सम्मा सिंह, स्वर्ण सिंह पुत्र ऊधम सिंह और मोहन सिंह, सोहन सिंह  
पुत्र श्री अमर सिंह, रूढ़ सिंह पुत्र श्री ठाकुर सिंह वासी पाका, तहसील  
फाजिल्का । (अन्तरिती)

3 जैसा कि नं० 2 पर है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितवद्द है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप ; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती गांव पाका में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3392,  
फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फाजिल्का में  
लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर ।



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एम० आर०/एफ० जंड० के०/ए० पी०-  
1229/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3609 फरवरी 1974 लिखा है, जो गांव अलियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फाजिल्का में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्म करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जिंडा सिंह पुत्र श्री सर्जन सिंह, बामी अलियाना, त० फाजिल्का। (अन्तरक)

2. श्री राम सिंह, तारा सिंह पुत्र जिंडा सिंह, बामी अलियाना, तहसील फाजिल्का। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती गांव अलियाना में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 309 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फाजिल्का में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एम० आर०/पी० एच० एन०/ए० पी०-  
1230/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4368  
फरवरी 1974 लिखा है, जो गांव माहला मे स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1974  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण  
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सामीत सिंह पुत्र नरंजन सिंह, वासी गड्डा, त० नवां-  
शहर। (अन्तरक)

2. श्रीमति जौगिन्द्र कौर पत्नी ध्यान सिंह वासी दुशक खुर्द,  
त० नवांशहर। (अन्तरिती)

2. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी।

एतद्द्वारा अग्रे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

रूपटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती गांव माहला जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4368,  
फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा  
है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/पी० एच० जी०/ए० पी०-1231/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिनकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2117 फरवरी 1974 लिखा है, जो गांव ढाक चाचोकी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती चंद्र मोहनी पत्नी श्री प्रह्लाद भगत बामी फगवाड़ा। (अन्तरक)

2. मैसर्स प्रेम इण्डस्ट्रीज, दो मांझ रोड, फगवाड़ा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती गांव ढाक-चाचोकी, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2117 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ए० पी०-1232/74-75—  
यतः मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3679  
फरवरी 1974 लिखा है, जो लोहगढ़, अमृतसर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1808 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती टीकादेई, धर्म चंद पुत्र केदार नाथ, केवल कुमार,  
विनोद कुमार, मुरिन्दर कुमार वासी आऊट साइड लोहगढ़, कुश्वा  
प्यारा मल, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री कमल किशोर एण्ड श्री प्रमोद कुमार पुत्र लाला पूर्णचंद,  
चौक पासियां, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध  
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति लोहगढ़ अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 3679, फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर  
में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ए० पी०-1233/74-75—  
यतः मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3678 फरवरी 1974 लिखा है, जो लोहगढ़, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता/अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—336GI/74

1. श्रीमती टिक्का देई, धर्मचंद, सुरिन्दर कुमार, केवल कुमार, विनोद कुमार मार्फत श्री धर्म चंद वासी लोहगढ़, कुच्चा प्यारा मल, अमृतसर। (प्रस्तारक)

2. श्री मुदेश कुमार पुत्र श्री पूर्ण चंद, श्रीमती कमलेश पत्नी मुदेश कुमार चौक पासियां, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति लोहगढ़, अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3678 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/एफ० जेड० के०/ए० पी०-1234/74-75—यतः मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4074 फरवरी 1974 में लिखा है, जो गांव चंद रोहीवाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री बूटा सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह वासी चांद रोहीवाला, त० फाजिल्का । (अन्तरक)

2. श्री बलबीर सिंह, लखबीर सिंह पुत्र गुरमज सिंह वासी जंजवाला बे भासम । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती, गांव चांद रोहीवाला में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4074 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फाजिल्का में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/एफ० जेड० के०/ए० पी०-  
1235/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3654  
फरवरी 1974 में लिखा है, जो गांव हाजे खास में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय फाजिल्का में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974  
फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती रामकली पुत्री श्री नंद लाल वासी देहली।  
(अन्तरक)
  2. श्री मथुरा वास पुत्र श्री होरा लाल कौशल्या देवी पुत्री  
श्री नंद लाल, फाजिल्का। (अन्तरिती)
  3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
  4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में  
हितवर्त है)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्त किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

धरती गांव होज खास जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
3654 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिल्का में  
लिखा है।

डी० एस० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/बी० टी० डी०/ए० पी०-1236/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5795, फरवरी 1974 लिखा है, जो गांव गंगा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अर्जन सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह पुत्र केसर सिंह वासी गंगा तहसील और जिला भटिंडा । (अन्तरक)

2. श्री लाल सिंह, हरगोपाल सिंह, दर्शन सिंह पुत्र सं० सपूरा पुत्र सं० हरनाम सिंह, राम सिंह, लछमन सिंह पुत्र श्री सुहावा सिंह पुत्र हरनाम सिंह, वामी गंगा । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

धरती गांव गंगा में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5795, फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ए० एस०.आर०/भटिंडा/ए० पी०-1237/  
74-75.—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न०  
5929 फरवरी, 1974 लिखा है, जो भटिंडा में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974,  
फरवरी

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया  
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था,  
छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लक्खू सिंह पुत्र श्री फगगा सिंह, बोंहगा सिंह पुत्र  
म० फगगा सिंह, महिन्दर सिंह पुत्र म० बोंहगा सिंह बासी वाम्बीया।  
(अन्तरक)

(2) श्री महिन्दर जीत सिंह, परथ सिंह, चबेत सिंह पुत्र म०  
नन्द सिंह अजैब सिंह, अग्नेज सिंह, जते सिंह पुत्र नंद सिंह, साधू सिंह,  
हरनाम सिंह पुत्र गज सिंह बासी चक आत्मवाल। (अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह  
व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितवद् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरितों को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,  
जो उरा अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5929 फरवरी,  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ए० एम० आर०/भटिडा/ए०पी०-1238  
75:—यतः, मुझे, डी० एम. गुप्ता, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं०  
धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5985  
फरवरी 1974 लिखा है, जो नजदीक थर्मल प्लांट भटिडा में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिडा में भारतीय  
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
1974 फरवरी,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के घायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती निहाल कौर पत्नी श्री कर्म सिंह वासी  
भटिडा ।

(अन्तरक)

(2) दी भटिडा ट्रक ऑपरेटरज यूनियन भटिडा ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत  
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती नजदीक थर्मल प्लांट, भटिडा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 5985 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
भटिडा में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 31 अगस्त, 1974 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ए० एम० आर०/भटिडा/ए० पी०-1239/74-  
75:—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6287  
फरवरी, 1974 लिखा है, जो भटिडा में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, भटिडा में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री हंस राज पुत्र श्री लम्बु राम जी ए० रतन लाल  
पुत्र श्री हंस राज वासी भटिडा किला रोड, नजदीक गुरद्वारा  
भटिडा। (अन्तरक)

(2) श्री बलदेव सिंह, हरिंदर सिंह, हरजोगिन्द्र सिंह पुत्र  
श्री मुच्चा सिंह, गुरदियाल सिंह पुत्र हंडर सिंह, नरंजन सिंह पुत्र  
करतार सिंह, करतार सिंह पुत्र मुकंद सिंह, करनैल सिंह पुत्र स०  
कपूर सिंह, मीठू सिंह पुत्र स० भगवान सिंह, गुरदेव सिंह पुत्र स०  
करनैल सिंह, भगवान सिंह पुत्र वीर सिंह वासी, भटिडा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार  
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में व्यापकपरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती गांव भटिडा में, जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
6287 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिडा में  
लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एम० आर०/भटिंडा/ए० पी०-1240/74-75:—यतः, मुझे, डी० एम० गुप्ता, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6288 फरवरी, 1974 लिखा है, जो भटिंडा में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री वशिष्ठ कुमार पुत्र लाल हंस राज वासी भटिंडा, किला रोड नजदीक, गुरुद्वारा भटिंडा। (अन्तरक)

(2) श्री बलदेव सिंह, हरिंदर सिंह, हरजोगिन्द्र सिंह, पुत्र मुच्चा सिंह गुरदियाल सिंह पुत्र इन्दर सिंह, नरंजन सिंह पुत्र करतार सिंह करतार सिंह पुत्र मुकद सिंह करनैल सिंह पुत्र कपूर सिंह मोटू सिंह पुत्र भगवान सिंह, गुरदेव सिंह पुत्र परनैल सिंह भगवान सिंह पुत्र वीर सिंह, वासी भटिंडा। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6288 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/ए० पी०-1241/74-75—  
यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9306 फरवरी, 1974 लिखा है, जो गांव काला धानपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
14—336GI/74

(1) श्री स्वर्ण सिंह, कर्म सिंह, चरन सिंह, सलामत सिंह, जगतार सिंह और बलदेव सिंह उर्फ गुरुदेव सिंह पुत्र गुरनियामत सिंह, गांव काला धानपुर त० अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स, छेहरदा (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुची रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती गांव धानपुर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9306 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ए० पी०-1242/74-75—

यतः, मुझे, डी० एम० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9458  
फरवरी, 1974 में लिखा है, जो देहरीवाला त० अमृतसर में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय  
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
1974, फरवरी,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के  
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरनाम सिंह पुत्र स० चहुा सिंह वासी देहरीवाला  
त० अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती सविन्दर कौर पत्नी रणधीर सिंह वासी  
कोहाला त० अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती गांव देहरीवाला, त० अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 9458 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
अमृतसर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निदेश नं० ए० एस० आर०/ए० पी०-1243/74-75—

यतः, मुझे डी० एम० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी स० धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9636  
फरवरी, 1974 लिखा है, जो खुरमानियां में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
1974, फरवरी, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा  
अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बलवीर सिंह पुत्र म० चेत सिंह, खुरमानियां अब  
छेभु भार्गव म० उपिन्दर सिंह पुत्र गुरबक्श सिंह वासी खासा बाजार,  
त० अमृतसर । (अन्तरक)

(2) श्री नरजन कौर विधवा गुरबक्श सिंह गांध खुरमानियां ।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में अधीहस्ताक्षरी जानता है) ।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति  
जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हो, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

धरती खुरमानियां जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9636  
फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा  
है ।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 31 अगस्त, 1974 ।

मीहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ए० पी०-1244/74-75:—  
यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3710 फरवरी, 1974 लिखा है, जो तरन तारन रोड़, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कुन्दन सिंह पुत्र फाल्गा सिंह आवादी सरवरपुरा  
ब्रांच नं० 4 मकान नं० 4725/XVI-37, अमृतसर ।  
(अन्तरक)

(2) श्री चमन लाल पुत्र बहादुर चन्द अरोड़ा 344-ए०  
ग्रीन ऐबन्यू, अमृतसर । (अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सम्पत्ति तरन तारन रोड़ स्थित जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3710 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर ।

तारीख : 31 अगस्त 1974

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निवेश म० ए० एस० आर०/जाल०/ए० पी०-  
1207/74-75—यत. मुझे डी० एस० गुप्ता  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० प्लॉट न० 31 शहीद ऊधम सिंह नगर, जालंधर  
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 10019 फरवरी, 1974  
लिखा है जो शहीद ऊधम सिंह नगर, जालंधर में स्थित है (और  
इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1974  
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का, पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय  
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है.—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण  
मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न-  
लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री रोजन सिंह पुत्र स० बचिन्द्र सिंह,  
सूरज गज, जालंधर। (अन्तरक)

2 श्री चानन राम पुत्र श्री प्रीतगम, बलवीर, बुद्धदेव  
स्टेशन पुत्र श्री चानन राम बासी कगनीवाला,  
त० जालंधर। (अन्तरिती)

3 जसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्व-  
द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 31 शहीद ऊधम सिंह नगर, जालंधर जैसा कि  
रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 10019 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर।

तारीख . 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/जी० एस०आर०/ए०पी०-1246/74-75:—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3479 फरवरी, 1974 लिखा है, जो गांव दारापुर में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गढ़शंकर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मल सिंह पुत्र नत्था सिंह पुत्र बुढ़ा सिंह वासी दारापुर त० गढ़शंकर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती अमर कौर पत्नी तरसेम सिंह पुत्र सता सिंह वासी गुज्जरपुरा त० गढ़शंकर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती गांव दारापुर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3479 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गढ़शंकर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एम० आर०/मलोट/ए० पी०-1245/74-  
75:—यतः, मुझे, डी० एम० गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1774  
फरवरी, 1974 लिखा है, [जो मलोट (मंडी शेखू) में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलोट मंडी में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राजकुमार, अशोक कुमार, नरिन्दर कुमार पुत्र  
श्री काश्मीरी लाल, मलोट। (अन्तरक)

(2) सावन मल, मरोनिया पुत्र भगवान दास, मलोट।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति  
में रुचि रखता हो)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,  
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान मलोट (मंडी शेखू) जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
1774 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट मंडी  
में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ASR/JUL/ए० पी०-1160/74-75— यतः,  
मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 9385 फरवरी 1974 लिखा है, जो जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अंतरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री कुलभूषण और धर्मवीर पुत्र डा० नन्दलाल, जालंधर (अन्तरक)
2. लीडर इंजिनरिंग वर्क्स, इण्डस्ट्रीयल एरिया, जालंधर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-घ में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9385 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/एच० एस० पी०/ए० पी०-1247/74-75:—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4245 फरवरी, 1974 लिखा है, जो गांव महलावाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री गुलवंत राय, जसवंत राय, सरजीवन लाल पुत्र  
और प्रकाश पुत्र नन्धु राम गांव गढ़शंकर जिला होशियारपुर ।  
(अन्तरक)

(2) श्री हरबस सिंह, बलबीर सिंह, कर्मजीत सिंह पुत्र  
दर्शन सिंह पुत्र जगत सिंह, फोलरीवाल जिला जालंधर ।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है )

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती महलावाली में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4245 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, होशियारपुर में लिखा है ।]

डी० एस० गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त 1974 ।  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज-II,

अहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त, 1974

निर्देश सं० 149/ए० सी० ब्यू०-23-215/19-718/73-74—यतः मुझे पी० एन० मिस्तल  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और  
और जिसकी सं० रे० सं० नं० 121-1 पैकी तथा नं० 121-2 पैकी  
है, जो फुलपाड़ा, त० चोरासी, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अथवा कारी  
के कार्यालय सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961  
(1908 का 16) के अधीन 5-2-1974 को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961  
का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रतनजी जीवनजी परमार, फुलपाड़ा, त० चोरासी  
जि० सूरत । (अन्तरक)

2. मौगण्ड कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० सूरत की  
ओर से, चेयरमैन—कांतीलाल छगनलाल मिस्त्री । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई  
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है  
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

#### अनुसूची

फुलपाड़ा, त० चोरासी, जि० सूरत में स्थित जमीन सब नं०  
121-1 पैकी तथा 121-2 पैकी, हिस्सा नं० 12, 6 तथा 7 जिसका  
माप 7093.67 वर्ग गज है जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
386, 387, 388 तथा 389 फरवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी सूरत में लिखा है ।

पी० एन० मिस्तल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद ।

तारीख : 28-8-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ए० पी०-1249/74-75—

यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3805 फरवरी, 1974 लिखा है, जो कृष्ण नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरिन्दर कुमार जोड़ा, मोहिन्दर कुमार जोड़ा पुत्र श्री चंदन लाल जोड़ा, 346, सैक्टर 9-डी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री गुलाब सिंह, अमर कौर पत्नी हरनाम सिंह, जौड़ा पीपल, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 35, कृष्ण नगर, अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3805 फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर:

## सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान

## नोटिस

## लिपिक श्रेणी परीक्षा, 1975

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1974

सं० 13/7/74—अर्रेंजमेंट—भारत के राजपत्र दिनांक 23 नवम्बर, 1974 में मंत्रिमंडल सचिवालय, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार निम्नलिखित सेवाओं में अस्थायी रिक्तियों पर नियुक्ति करने हेतु सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा 10 जुलाई, 1975 को अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, गोहाटी, हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, श्रीनगर, त्रिवेन्द्रम तथा विदेशों में स्थित कुछ चुने हुए भारतीय दूतावासों में एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी :—

- (i) भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड-IV
- (ii) रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा ग्रेड-II;
- (iii) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा-अवर श्रेणी ग्रेड ;
- (iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा-अवर श्रेणी ग्रेड ;
- (v) संसदीय कार्य विभाग, नई दिल्ली में अवर श्रेणी लिपिक के पद;
- (vi) विशेष महानिरीक्षक, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, दिल्ली के कार्यालय में अवर श्रेणी लिपिक के पद;
- (vii) ऊपर दी गई सेवाओं में न आने वाले भारत सरकार के अन्य विभागों तथा संलग्न कार्यालयों में अवर श्रेणी लिपिक के पद।

संस्थान अपने निर्णय में उपर्युक्त परीक्षा केन्द्रों और परीक्षा की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को सूचित कर दिया जाएगा कि उन्हें कहाँ, किस समय और किस तारीख को उपस्थित होना है।

2. (क) इस परीक्षा के आधार पर ऊपर पैरा 1 में दी गई विभिन्न सेवाओं और पदों में नियुक्ति के लिए भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या नीचे दी गई है :—

- (i) भारतीय विदेश सेवा (ख)—ग्रेड-IV \*
- (ii) रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा—ग्रेड-II \*
- (iii) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा—अवर श्रेणी ग्रेड, 1000\*\*
- (iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा—अवर श्रेणी ग्रेड, \*
- (v) संसदीय कार्य विभाग, नई दिल्ली में अवर श्रेणी लिपिक के पद \*
- (vi) विशेष महानिरीक्षक, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, दिल्ली के कार्यालय में अवर श्रेणी लिपिक के पद \*
- (vii) ऊपर दी गई सेवाओं में न आने वाले भारत सरकार के अन्य विभागों तथा संलग्न कार्यालयों में अवर श्रेणी लिपिक के पद \*

\*बाद में निश्चित की जाएगी।

\*\*उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन हो सकता है।

(ख) ऊपर के उप पैरा (क) के अनुसार केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में दी गई रिक्तियों के अतिरिक्त आगे चल कर इस सेवा में कुछ अधिक रिक्तियों को भरने की आवश्यकता भी हो सकती है। इस उद्देश्य के लिए योग्यताक्रम से नामों की एक आरक्षित सूची बनायी जाएगी जिसकी संख्या सरकार इस परीक्षा का परिणाम घोषित करने से पूर्व निश्चित कर देगी। इस आरक्षित सूची का उपयोग 1976 की लिपिक श्रेणी परीक्षा का परिणाम निकलने से पहले केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में नियुक्तियाँ करने के लिये किया जायेगा। केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के लिए प्रतियोगिता करने वाले उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्र में स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए कि क्या वे इस आरक्षित सूची में सम्मिलित होने के इच्छुक हैं, और यदि हैं तो उन्हें आवेदन पत्र के स्तंभ 14 में अपनी अग्रता क्रमों में स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए कि आरक्षित सूची के लिए उनकी वरीयता क्या है।

(ग) ऊपर दी गई रिक्तियों में से कुछ रिक्तियाँ भूतपूर्व सैनिक उम्मीदवारों के लिए आरक्षित की जाएंगी जिनका निर्णय भारत सरकार द्वारा किया जाएगा।

(घ) अनुसूचित आदिम जातियों और अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए भारत सरकार के निर्णय के अनुसार खाली स्थान आरक्षित किए जाएंगे जो इस समय अनुसूचित जातियों के लिए 15 प्रतिशत और अनुसूचित आदिम जातियों के लिए 7 प्रतिशत हैं।

3. कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग की अधिसूचना सं० 10/20/74 सी० एस० (II) दिनांक 23-11-74 के उपबन्धों के अनुसार कोई उम्मीदवार परीक्षा की योजना के अन्तर्गत किसी एक अथवा एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है। यदि वह एक से अधिक सेवाओं/पदों में प्रवेश का इच्छुक है तो भी उसे एक ही आवेदन पत्र भेजना है। उसे एक ही बार फीस देनी होगी और उसके द्वारा आवेदन की जाने वाली प्रत्येक सेवा/पद के लिए अलग फीस नहीं होगी।

4. किसी भी उम्मीदवार को जो कि अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का सदस्य न हो अथवा संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी का वासी न हो अथवा संघ राज्य क्षेत्र, गोआ, वमन तथा दीव का वासी न हो अथवा केन्या उगांडा और संयुक्त गणराज्य तनजानिया (भूतपूर्व टांगानिका तथा जंजीबार) से प्रवासी न हो, 1961 से आयोजित परीक्षाओं में दो बार से अधिक बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऊपर दी गई श्रेणियों में न आने वाले उम्मीदवारों के द्वारा पहले से प्राप्त अवसरों की संख्या की उनकी नियुक्ति से पूर्व अच्छी तरह जांच की जाएगी। ऐसे उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि जांच करने पर यदि यह पाया गया कि उनमें से कोई भी उम्मीदवार, 1961 से 1974 तक की परीक्षा में दो बार बैठ चुकने के कारण इस परीक्षा का पात्र नहीं था तो परीक्षा के नियमों के पैरे 5 तथा 15 के अनुसार उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

5. उम्मीदवार को आवेदन पत्र के अग्रता क्रमों में उन सेवाओं/पदों का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए जिनमें वह विचार किए



जाने का इच्छुक है। उसे यह भी मलाह दी जाती है कि वह अधिक से अधिक अग्रताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यताक्रम में उसके स्थान का ध्यान रखते हुए नियुक्ति करने समय उसके वरीयता क्रम को उचित स्थान मिल सके। केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा की आरक्षित सूची में सम्मिलित होने के इच्छुक उम्मीदवार को आवेदनपत्र के स्तम्भ 14 में अग्रता क्रमों में आरक्षित सूची के लिए अपना अग्रता क्रम स्पष्ट करना चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन पत्र में दिए गए सेवाओं पदों के लिए अग्रता क्रमों में परिवर्तन के लिए किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं होगा जब तक कि ऐसा अनुरोध परीक्षा की तारीख से तीन महीने के भीतर सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के कार्यालय में नहीं पहुंच जाता।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन प्रपत्र पर उप निदेशक (परीक्षा स्कंध), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी खण्ड-I, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के काउंटर पर एक रुपया नकद देकर 13 जनवरी, 1975 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन प्रपत्र एक रुपया के मूल्य का पोस्टल आर्डर जो रामकृष्णपुरम (वितरण) डाकघर नई दिल्ली पर सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को देय हो और "केवल प्राप्त कर्ता लेखा" शब्दों द्वारा काटे गये हों, डाक द्वारा भेज कर भी 13 जनवरी, 1975 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए भेजे गए प्रार्थना पत्रों पर परीक्षा का नाम "लिपिक श्रेणी परीक्षा, 1975" स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए। पोस्टल आर्डर के साथ उम्मीदवार को साफ अक्षरों में अपने नाम तथा पते की तीन पंक्तियां भेजनी चाहिए। एक रुपए का पोस्टल आर्डर और उपर्युक्त तीन पंक्तियों की प्राप्ति पर आवेदन प्रपत्र तथा पूर्ण विवरण माध्यम डाक से (डाक प्रमाण पत्र के अधीन) (Under Certificate of Posting) उम्मीदवार को भेज दिए जायेंगे। यदि कोई उम्मीदवार आवेदन प्रपत्र तथा पूर्ण विवरण रजिस्ट्री डाक से मंगाना चाहता हो तो उसे ऐसा स्पष्ट कर देना चाहिए तथा एक रुपए की अतिरिक्त राशि अर्थात् दो रुपए के पोस्टल आर्डर और नाम तथा पते की तीन पंक्तियां भेजनी चाहिए। पोस्टल आर्डर के स्थान पर मनी आर्डर या बैंक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जायेंगे। एक रुपया अथवा दो रुपए की यह राशि किसी भी हालत में वापिस नहीं की जाएगी।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-पत्र के मूल्य के भारतीय पोस्टल आर्डर भेजें अथवा एक या दो रुपए की राशि, जैसी भी स्थिति हो, उस देश में स्थित भारत के उच्चायुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाएं और उनसे कहा जाए कि वे इस राशि को "065—अन्य प्रशासनिक सेवाएं—सी०—अन्य सेवाएं—सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान—अन्य प्राप्ति—आवेदन-प्रपत्रों की बिक्री" (महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली द्वारा समायोजनीय) में जमा कर दें और उस कार्यालय से टी० आर०-5 प्रपत्र में रसीद ले कर इस संस्थान को भारतीय

पोस्टल आर्डर के स्थान पर भेजें। पोस्टल आर्डर/रसीद के साथ उम्मीदवार को अपने नाम तथा पते की साफ अक्षरों में तीन पंक्तियां भी भेजनी चाहिए।

**नोटिस**—उम्मीदवारों को अनुदेश तथा नियम हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों में छपे हैं। आवेदन पत्र के लिए प्रार्थना भेजते समय उम्मीदवारों को यह स्पष्ट कर देना चाहिए कि वे नियम आदि की प्रति अंग्रेजी में मंगाना चाहते हैं अथवा हिन्दी में : यदि ऐसा नहीं किया गया तो यह समझा जाएगा कि वे ये कागजात अंग्रेजी में मंगाना चाहते हैं।

**नोट 1** :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे लिपिक श्रेणी परीक्षा, 1975 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र पर ही अपने आवेदन करें। लिपिक श्रेणी परीक्षा, 1975 के लिए निर्धारित प्रपत्र के अतिरिक्त किसी अन्य प्रपत्र पर आवेदन स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

**नोट 2** :—आवेदन-पत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण प्राप्त करने के लिए 13 जनवरी, 1975 के पश्चात् कोई प्रार्थना स्वीकार नहीं की जाएगी। विदेशों में रहने वाले तथा अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप के व्यक्तियों के लिए आवेदन-पत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण प्राप्त करने के लिए प्रार्थनाएं 27 जनवरी, 1975 तक भी स्वीकार कर ली जाएंगी।

7. भरा हुआ आवेदन-पत्र उप-निदेशक (परीक्षा स्कंध) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, 'पश्चिमी खण्ड-I, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम,' नई दिल्ली-110022 के पास 13 जनवरी, 1975 या उसके पूर्व, अनुबन्ध में गई हिदायतों के अनुसार आवश्यक प्रमाण-पत्र आदि के साथ अवश्य पहुंचाना चाहिए। निश्चित तारीख के बाद मिलने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में 13 जनवरी, 1975 से पूर्व रहने वालों के आवेदन-पत्र 27 जनवरी, 1975 तक भी ले लिए जाएंगे।

**नोट 1**—आवेदन-प्रपत्र की मांग में देरी अथवा आवेदन-पत्र देर से भेजने से होने वाली हानि की जिम्मेवारी उम्मीदवार की ही होगी।

**नोट 2** :—जो उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र संस्थान के काउंटर पर जमा कराये वहीं पर उसी समय, उस क्लर्क से, जो उनके आवेदन-पत्र लेगा, प्राप्ति-कार्ड ले लेना चाहिए।

8. (i) निर्धारित शुल्क :—नीचे के उप-पैरा (iii) तथा (iv) के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवारों के अतिरिक्त परीक्षा में प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवारों की पूर्ण आवेदन पत्र के साथ निम्न-लिखित फीस अवश्य देनी होगी:—

12.00 रुपये (3.00 रुपये अनसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए)।

(ii) पैरा 8(i) में बताया गया शुल्क रेखित भारतीय पोस्टल आर्डरों द्वारा भुगतान होना चाहिए जो सचिवालय प्रशिक्षण

तथा प्रबन्ध संस्थान को देय हों। पोस्टल आर्डर नीचे दिए गए नमूने के अनुसार भरा जाना चाहिए :—

कवल प्राप्तकर्ता लेखा	भारतीय पोस्टल आर्डर सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान नई दिल्ली को रामकृष्णपुरम (वितरण) झाकधर, नई दिल्ली पर देय
--------------------------	---

संस्थान अन्य रीति से भुगतान स्वीकार नहीं करेगा।

(iii) सशस्त्र सेना से निर्मुक्त भूतपूर्व सैनिकों को परीक्षा के लिए ऊपर निर्धारित फीस से छूट होगी।

(iv) यदि संस्थान संतुष्ट हो कि कोई उम्मीदवार बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) का विस्थापित व्यक्ति है तथा वह 1 जनवरी, 1964 को या इसके पश्चात् परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले भारत में प्रविष्ट हुआ है अथवा वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और उसने 1 जून 1963 को या उसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है अथवा वह श्री लंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा 1 नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात् भारत में आया है और वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, तो वह अपने विवेक से, उसे निर्धारित शुल्क की छूट दे सकता है।

(v) उम्मीदवारों को ज्ञात होना चाहिए कि पोस्टल आर्डर को रेखित किए बिना अथवा सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, रामकृष्णपुरम (वितरण) डाक घर, नई दिल्ली को देय किए बिना भोजना सुरक्षित नहीं है। आवेदन-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर दिए गए उचित स्थान में पोस्टल आर्डर के पूरे व्योरे भर देने चाहिए।

जिस आवेदन पत्र के साथ निर्धारित शुल्क का रेखित भारतीय पोस्टल आर्डर नहीं होगा उसे तुरन्त अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह नियम उन बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) के विस्थापितों और बर्मा तथा श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय निवासियों पर लागू नहीं होगा जो क्रमशः 1 जनवरी, 1964 को या उसके पश्चात् (परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले), 1 जून, 1963 को या उसके पश्चात् तथा 1 नवम्बर, 1964 को अथवा इसके पश्चात् भारत में आए हैं और शुल्क न दे सकने की स्थिति में होने के कारण ऊपर के पैरा 8(iv) के अनुसार निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

9. संस्थान को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी से संबंध किसी भी दावे को स्वीकार नहीं किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

यदि किसी उम्मीदवार को उसके आवेदन पत्र देर में पहुंचने के कारण संस्थान द्वारा परीक्षा में प्रविष्ट नहीं किया जाता है अथवा परीक्षा स्थगित हो जाती है तो उसके द्वारा दिया गया पूरा शुल्क वापिस कर दिया जाएगा।

10. आवेदन पत्र के विषय में सभी पत्र व्यवहार उप निदेशक, (परीक्षा स्कंध), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी ब्लॉक-1, विंग नं० 6, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को सम्बोधित करने चाहिए तथा उसमें निम्नलिखित विवरण देने चाहिए :—

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना तथा वर्ष
- (3) उम्मीदवार का रोल नंबर (यदि रोल नम्बर सूचित न किया गया हो, तो उसकी जन्म-तिथि)
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा साफ अक्षरों में)
- (5) आवेदन पत्र में दिया गया डाक का पता

इन विवरणों से रहित पत्रों पर ध्यान नहीं दिया जा सकेगा इन परीक्षा के बारे में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के साथ सभी पत्राचार में अपने लिफाकों पर उम्मीदवार "लिपिक श्रेणी परीक्षा, 1975" अवश्य लिख दें।

मदस लाल,  
निदेशक (परीक्षा)

सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान

#### अनुबंध

#### उम्मीदवारों को अनुदेश

1. नोटिस के पैरा 6 के अनुसार इस परीक्षा से संबंध नोटिस, नियमावली, आवेदन पत्र तथा अन्य कागजात उप-निदेशक (परीक्षा स्कंध) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने या निर्धारित शुल्क का भुगतान करने से पहले उन्हें ध्यान से पढ़ कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में किसी भी अवस्था में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि कोई उम्मीदवार किसी विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो तो उसे अपनी पसंद से क्रमानुसार दो अन्य भारतीय मिशनों (वह स्वयं जिस देश में रहता है उससे भिन्न देशों में स्थित) के नाम भी वैकल्पिक केन्द्रों के रूप में देने चाहिए। उम्मीदवार को संस्थान यदि चाहे तो, उसके द्वारा उल्लिखित तीनों मिशनों में से किसी भी एक में, अथवा किसी दूसरे मिशन में परीक्षा में बैठने के लिए कह सकता है।

2. उम्मीदवारों को अपने नाम और पते के छः हिस्सों वाले कागज सहित आवेदन पत्र अपने हाथ से भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर शब्दों में होने चाहिए, रेखा या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। भरा हुआ आवेदन-पत्र उप-निदेशक (परीक्षा स्कंध), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी ब्लाक-1, विंग नं० 6, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को भेजना चाहिए, ताकि वह नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद संस्थान को प्राप्त होने वाला कोई भी आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों से संस्थान यदि चाहें तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए वह सवता है कि वह नोटिस के पैरा 7 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित तारीख के पहले से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूहों या लक्षद्वीप में रह रहा था।

जो उम्मीदवार पहले से ही स्थायी या अस्थायी रूप से सरकारी नौकरी में हो, उसे अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो आवेदन पत्र के अंत में दिए गए पृष्ठान्त को भर कर संस्थान को भेज देगा।

गैर-सरकारी नौकरी में नियुक्त या सरकारी औद्योगिक संगठनों या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले अन्य सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियुक्ता की माध्यम से भेजता है और वह संस्थान में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले वह नियुक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन प्रपत्र भरते समय कोई भी झूठा ब्योरा न दें और न ही किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाएं।

4. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र आदि अवश्य भेजने चाहिए :—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को, रामकृष्णपुरम (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर देय हों। यह नोटिस के पैरा 8 के उप-पैरा (iii) और (iv) के अनुसार सशस्त्र सेनाओं से विमुक्त हुए भूतपूर्व सैनिकों अथवा शुल्क की माफी चाहने वालों के लिए जरूरी नहीं है।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रति।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण पत्र की एक सत्यापित प्रति।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 7 सें० मी० 5 सें० मी०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियां।

ऊपर लिखित मांगे गए प्रमाण पत्रों की प्रतियां तथा अन्यत्र उल्लिखित अन्य प्रमाण पत्र, निम्नलिखित अधिकारियों से सत्यापित किए जाने चाहिए। वे अधिकारी अपने नाम, पद, पूरा पता तथा सत्यापन की तिथि लिखें और मुहर/रम्बड़ की मुहर अपने हस्ताक्षर के नीचे लगा दें :—

- (क) केन्द्रीय या राज्य सरकार के राजपत्रित अधिकारी,
- (ख) संसद या राज्य विधान मंडलों या दिल्ली मेट्रो-पोलिटन परिषद् के सदस्य,
- (ग) सब-डिवीजन का मजिस्ट्रेट/अफसर,
- (घ) तहसीलदार या नायब/उप-तहसीलदार,
- (च) उच्च विद्यालय/उच्च माध्यमिक विद्यालय/कालेज/उच्चतर शिक्षा संस्थान के प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक,
- (छ) प्रखण्ड विकास अधिकारी,
- (ज) नगर निगम के सदस्य।

फोटोग्राफ अथवा पैरा 4(ii), 4(iii), 5 और 6(i) से 6(ix) तक में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की सत्यापित प्रतियां उम्मीदवार को वापिस नहीं भेजी जाएंगी।

ऊपर की मद (i), (ii), (iii) और (iv) में दिए गए प्रमाण-पत्र आदि का व्योरा निम्नलिखित है :—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर :—

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए। सभी पोस्टल आर्डर "A/C Payee Only" रेखांकन के साथ रेखांकित हों और इस प्रकार भरे जाएं :—

"सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान को रामकृष्णपुरम (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर भुगतान करिए।"

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे अथवा काल तिरोंहित पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

पोस्टल आर्डर के दूसरी ओर उचित स्थान पर उम्मीदवार अपना नाम तथा पता लिखें।

नोट :—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 12.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 3.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि, उस देश में जो भी हों, के कार्यालय में जमा करवाएं और उनसे कहा जाए कि वे इस राशि को लेखा शीर्ष "065-अन्य प्रशासनिक सेवाएं-सी०-अन्य सेवाएं-सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान-अन्य प्राप्ति-परीक्षा शुल्क" में (जिसका समायोजन महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली द्वारा किया जाएगा) जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(2) **आयु के प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति** :—संस्थान सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र (सैकेंडरी स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट) या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पाम छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण (एक्सट्रेक्ट) में दर्ज की गई हो। अनुदेशों के इस भाग में आए “मैट्रिकुलेशन प्रमाण पत्र” के अन्तर्गत इन सभी वैकल्पिक प्रमाण-पत्रों को सम्मिलित समझा जाए।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन या उसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष और महीने दिये होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवार को मैट्रिकुलेशन या उसके समकक्ष प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

यदि कोई उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र के साथ मैट्रिकुलेशन अथवा समकक्ष प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति भेजने में अरुमर्ध हो तो उसे इसके लिए उचित स्पष्टीकरण भी अवश्य देना चाहिए। ऐसे उम्मीदवार को पैरा 4(3) के नीचे 3 के अन्तर्गत निर्धारित फार्म पर उस विद्यालय के प्रिंसिपल/हैडमास्टर से एक प्रमाण-पत्र लेकर भेजना चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन या समकक्ष परीक्षा में बैठा हो। उस प्रमाण-पत्र में उसकी आयु या विद्यालय के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु के पूरे प्रमाण की सत्यापित प्रति नहीं भेजी गई तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति में दी गई तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

**नोट 1** :—जिस उम्मीदवार के पास दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण होने का माध्यमिक विद्यालय परित्याग प्रमाण-पत्र (कम्प्ली-टिड सैकेंडरी स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट) हो उसे प्रमाणपत्र के केवल उस पृष्ठ की सत्यापित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जिसमें आयु से सम्बद्ध प्रविष्टियां हों।

**नोट 2** :—उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और संस्थान द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

**नोट 3** :—जिस उम्मीदवार ने (1) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अथवा (2) इंडियन स्कूल

सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल अथवा (3) श्री अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडीचेरी का हायर सैकेंड्री कोर्स या (4) दिल्ली पालिटैक्नीक के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा उत्तीर्ण कर ली हो, उसे संबद्ध स्कूल के प्रिंसिपल से पैरा 4(3) के नीचे नोट 3 के अन्तर्गत निर्धारित फार्म पर लिया गया आयु का प्रमाण-पत्र अवश्य भेजना चाहिए। इसके अतिरिक्त आयु के प्रमाण के रूप में कोई अन्य प्रमाण-पत्र अपेक्षित नहीं होगा। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को नहीं लौटाया जाएगा।

**नोट 4** :—जिन विस्थापित व्यक्तियों के मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र की मूल प्रति पाकिस्तान में खो गई हो उन्हें संबद्ध विश्वविद्यालय से उसकी अनुलिपि मंगवा लेनी चाहिए और उन्हें उसकी एक सत्यापित प्रति भेजनी चाहिए। यदि वे सम्बद्ध विश्वविद्यालय से मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र की अनुलिपि न मंगवा सके हों तो उन्हें विश्वविद्यालय के उस गजट के उद्धरण की एक सत्यापित प्रति भेजनी चाहिए, जिसमें उनके परीक्षा परिणाम प्रकाशित हुए हों। इस उद्धरण में उनके जन्म की तारीख लिखी होनी चाहिए और यह रजिस्ट्रार या हैड मास्टर द्वारा प्रमाणित होनी चाहिए।

(3) **शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति**—उम्मीदवार को अपने प्रमाण-पत्र या डिप्लोमा की एक सत्यापित प्रति भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। जिस प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति भेजी गई हो, वह उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) को होना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र या डिप्लोमा की सत्यापित प्रति न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसके न भेजने का कारण बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के प्रमाण को कोई अन्य प्रमाण-पत्र भेजना चाहिए। संस्थान उस प्रमाण-पत्र के औचित्य पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

**नोट 1** :—जिस उम्मीदवार के पास दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण होने का माध्यमिक विद्यालय परित्याग प्रमाण-पत्र हो, उसे उसके प्रथम पृष्ठ की सत्यापित प्रति और एस० एम० एल० सी० परीक्षा परिणाम की प्रविष्टियों वाले पृष्ठ की सत्यापित प्रति भेजनी चाहिए।

**नोट 2** :—जिस उम्मीदवार ने (1) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अथवा (2) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल अथवा (3) श्री अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडीचेरी का हायर सैकेंड्री कोर्स, या (4) दिल्ली पालिटैक्नीक के

तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा उत्तीर्ण कर ली हो उसे सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल से नीचे नोट 3 के अन्तर्गत निर्धारित फार्म पर लिया गया शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र अवश्य भेजना चाहिए। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं भेजा जाएगा।

**नोट 3.**—यदि कोई उम्मीदवार एंसी परीक्षा में बैठ चुका हो, जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना नहीं मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है।

जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता है वह भी आवेदन कर सकता है, बशर्ते कि वह अर्हक परीक्षा, इस परीक्षा के प्रारम्भ होने से पहले समाप्त हो जाए। ऊपर के पैरा 4(3) में अपेक्षित शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति जब तक प्रस्तुत न कर दी जाए तब तक ऐसे उम्मीदवारों को नीचे निर्धारित फार्म में सम्बद्ध स्कूल के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से एक प्रमाण-पत्र लेकर (जो उसे वापस नहीं होगा) प्रस्तुत करना चाहिए।

यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हैं तो उन्हें इस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाएगा। परन्तु प्रवेश अनन्तिम बमाना जाएगा और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तर्ण होने का माण जल्दी से जल्दी और हर हालत में इस परीक्षा के प्रारम्भ होने की तारीख से अधिक से अधिक दो महोत्सवों के भीतर प्रस्तुत नहीं करते तो यह प्रवेश रद्द कर दिया जा सकता है।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म [देखिये पैरा 4(2) का तीसरा उप-पैरा और उसके नीचे का नोट 3, तथा उपर्युक्त नोट 2 और नोट 3]।

प्रमाणित किया जाता है कि :

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी\*—

सुपुत्र/धर्मपत्नी/सुपुत्री\* श्री—

\* (क) वर्ष—में

(बोर्ड/विश्वविद्यालय का नाम) की हायर सैकेण्डरी/हाई स्कूल/मैट्रिक/सैकेण्डरी स्कूल (माध्यमिक) परीक्षा—श्रेणी में उत्तीर्ण की है, परन्तु उक्त बोर्ड/विश्वविद्यालय ने उसका प्रमाण-पत्र अभी जारी नहीं किया है।

\* (ख) इस विद्यालय की दसवीं कक्षा जोकि हायर सैकेण्डरी स्कूल/इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा/श्री अरविन्द अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पांडिचेरी के हायर सैकेण्डरी पाठ्यक्रम/दिल्ली पोली-टैक्नीक के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पाठ्यक्रम की उपांतिम कक्षा है—वर्ष में उत्तीर्ण कर ली है, और वह अब इस विद्यालय की कक्षा—में पढ़ रहा/रही\* है।

\* (ग) वह कक्षा—(दसवीं या समकक्ष) में पढ़ रहा/रही\* है तथा—विश्वविद्यालय/

बोर्ड/विद्यालय का नाम)\* द्वारा संचालित परीक्षा में—  
19—म बैठने वाले/  
वाली है/बैठ चुके/चुकी\* है।

2. यह भी प्रमाणित किया जाता है कि इस विद्यालय के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उनकी जन्म की तारीख—है। इस तारीख की उसके स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र/विद्यालय में उसके दाखिले के समय उसकी ओर मे प्रस्तुत किए गए विवरण से पुष्टि कर ली गई है।

(हेडमास्टर/प्रिंसिपल के हस्ताक्षर)  
(विद्यालय की मोहर के साथ)

तारीख—

स्थान—

\*जो शब्द लागू न हो उन्हें काट दें।

(4) फोटो की तीन प्रतियां:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 7 सें० मी० × 5 सें० मी०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी तथा तीसरी प्रतियां आवेदन-पत्रों के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के आगे की ओर उम्मीदवार को स्याही से अपने हस्ताक्षर करने चाहिए।

5. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हैं, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे संघ राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिये सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र प्राप्त करके उसकी एक सत्यापित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आमतौर पर रहता हो।

भारत सरकार के अन्तर्गत पदों पर नियुक्ति के लिये आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*—  
सुपुत्र/धर्मपत्नी/सुपुत्री\* श्री—जो गांव/  
कस्बा\*—जिला/मंडल\*—राज्य/संघ  
राज्य क्षेत्र\*—के/की\* निवासी है,  
\*\*—जाति/आदिम जाति से सम्बद्ध हैं जिसे  
अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों की सूचियां  
(संशोधन), आदेश 1956\* के साथ पठित बम्बई पुनर्गठन अधि-  
नियम, 1960 तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966\*

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश,  
1956\*

संविधान (भंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जातियां आदेश, 1959\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश 1962\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1962\*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964\*

संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967\*

संविधान (गोवा, दमन तथा दीव) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968\*

संविधान (गोवा, दमन तथा दीव) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश 1968\* -

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश 1970\*

के अधीन अनुसूचित जाति\* अनुसूचित आदिम जाति\* के रूप में मान्यता दी गई है।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\*—और/या\*  
उनका परिवार ग्राम तौर से गांव/कस्बा\*—  
जिला/मंडल\*—राज्य/संघ राज्य क्षेत्र\*  
में रहते/रहती\* हैं।

हस्ताक्षर—

\*\*\*पदनाम—

(कार्यालय की मुहर)

स्थान—

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

तारीख—

\*जो शब्द लागू न हो कृपया उनको काट दें।

\*\*यहां उम्मीदवार की जाति/आदिम जाति का नाम लिखें।

नोट (I) यहां "ग्रामतौर से रहते/रहती है" का अर्थ वही होगा जो रिप्रेजेंटेशन आफ दी पीपुल एक्ट 1950 की धारा 20 में है।

(II) हिन्दु तथा सिक्ख धर्म के अतिरिक्त किसी भी अन्य धर्म को मानने वाला व्यक्ति अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं मान जाएगा।

\*\*\*अनुसूचित जाति/आदिम जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(1) जिला मैजिस्ट्रेट/अपर जिला मैजिस्ट्रेट/कलक्टर/डिप्टी कमिशनर/अपर डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलक्टर/प्रथम

श्रेणी/वेतनभोगी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/%सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एजिक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त सहायक कमिशनर।

%प्रथम श्रेणी वेतनभोगी मैजिस्ट्रेट से कम स्तर का नहीं।

(2) मुख्य प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त मुख्य प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रीजिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(3) राजस्व अधिकारी जिनका स्तर तहसीलदार से कम न हो।

(4) उस क्षेत्र का सब-डिवीजनल अधिकारी जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार ग्राम तौर से रहता हो।

(5) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/विकास अधिकारी (सहायक)

6(i) बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से विस्थापित व्यक्ति, जो नियम 6(ग) (ii) या 6(ग) (iii) के अन्तर्गत आयु छूट का इच्छुक है, वह निम्नलिखित अधिकारियों में से किसी एक से प्रमाण-पत्र लेकर उसकी प्रमाणित प्रतिलिपि यह सिद्ध करने के लिये प्रस्तुत करे कि वह बंगलादेश से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जिसने 1 जनवरी, 1964 या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भारत में प्रवेश किया है।

(1) वण्डकारण्य प्रायोजना के पारगमन केन्द्रों के कैम्प कमांडेंट अथवा विभिन्न राज्यों के सहायता केन्द्रों के कैम्प कमांडेंट;

(2) जहां उम्मीदवार इस समय रहता है उस स्थान के जिला मैजिस्ट्रेट;

(3) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास से सम्बद्ध अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट;

(4) संबंधित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर

(5) पश्चिमी बंगाल के शरणार्थी पुनर्वास उप-आयुक्त कलकत्ता में निदेशक (पुनर्वास)

यदि वह नोटिस के पैरा 8(iv) के अन्तर्गत शुल्क की छूट चाहता है तो उसे किसी जिला अधिकारी से अथवा किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लेकर एक मूल प्रमाण-पत्र यह भी दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापिस नहीं किया जाएगा।

(ii) नोटिस के पैरा (8) (iv) के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले या नियम 6 (ग) (v) या 6 (ग) (vi) के अन्तर्गत आयु सीमा छूट चाहने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित भारतीय मूल व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त से इस आशय के प्रमाण पत्र की एक सत्यापित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है, जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है। यदि वह शुल्क की छूट चाहता हो तो उसे किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा

संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लेकर एक मूल प्रमाण-पत्र भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उसे वापिस नहीं होगा।

(iii) नोटिस के पैरा 8 (iv) के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले या नियम 6 (ग) (ix) या 6(ग) (x) के अन्तर्गत आयु में रियायत चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित भारतीय मूल के व्यक्ति को भारतीय राज दूतावास, रंगून द्वारा उसे दिए गए परिचय प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रति यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा जिस क्षेत्र का निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लेकर एक ऐसे प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति प्रस्तुत करे जो यह दिखलावे कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है। यदि वह शुल्क की छूट चाहता है तो उसे किसी जिला अधिकारी से अथवा किसी सरकारी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से एक मूल प्रमाण-पत्र भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापिस नहीं किया जाएगा।

(iv) नियम 2 के अन्तर्गत भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिये परीक्षा देने वाले भूतपूर्व सैनिक को जो निर्धारित शुल्क की छूट चाहते हैं थल सेना/वायु सेना/नौसेना प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गया सेवा-मुक्ति प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व सैनिक है। इस प्रमाण-पत्र में उसके सशस्त्र सेनाओं में भरती होने की वास्तविक तारीख तथा सशस्त्र सेनाओं से निर्मुक्त होने की तारीख अवश्य दिखाई गई हो।

(v) नियम 6 (ग) (iv) के अन्तर्गत आयु-सीमा में रियायत चाहने वाले पांडिचरी संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को उस शिक्षा संस्था के प्रिंसिपल से जिसमें उसने शिक्षा प्राप्त की है, प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक सत्यापित प्रति यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने किसी स्तर पर फ्रेंच के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की है।

(vi) नियम 6 (ग) (vii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में रियायत चाहने वाले गोआ, दमन और द्वीव संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को अपनी मांग की पुष्टि के लिए निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिखे गये प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए :—

- (1) सिविल प्रशासन का निदेशक,
- (2) कॉंसिल होस के प्राशासक  
(Administrators of Concelhors)
- (3) मामलातदार

(vii) नियम 6 (ग) (viii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में रियायत चाहने वाले केन्या, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंज़ानिया (भूतपूर्व टांगानिका तथा जंजीबार) से आये हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है

लिये गए प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रति यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(viii) नियम 6 (ग) (xi) अथवा (6) (ग) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में रियायत चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिये गए प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रति यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा-सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्रों में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

**उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म**

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—\_\_\_\_\_के रैंक नं०—\_\_\_\_\_श्री—\_\_\_\_\_रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु के साथ संघर्ष में/अशांतिग्रस्त क्षेत्र में\* फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर—\_\_\_\_\_

नाम—\_\_\_\_\_

पदनाम—\_\_\_\_\_

तारीख—\_\_\_\_\_

\* जो शब्द लागू न हों उसे काट दें।

(ix) उप नियम 6 (xiii) अथवा 6 (xiv) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाला ऐसा उम्मीदवार जो सीमा सुरक्षा दल में सेवा करते हुए विकलांग हुआ हो, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म पर प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करे कि वह 1971 के भारत-पाक संघर्ष में विकलांग हुआ और इसके परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुआ।

**उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म**

प्रमाणित किया जात है कि यूनिट—\_\_\_\_\_के रैंक नं०—\_\_\_\_\_श्री—\_\_\_\_\_सीमा सुरक्षा दल में सेवा करते हुए भारत-पाक संघर्ष 1971 के दौरान विकलांग हुए और इस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर—\_\_\_\_\_

नाम—\_\_\_\_\_

पदनाम—\_\_\_\_\_

तारीख—\_\_\_\_\_

(क) यदि किसी व्यक्ति के लिये पात्रता प्रमाण-पत्र (एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पात्रता-प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग को आवेदन करना चाहिए।

(ख) यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक न हो तो उसे प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट के सामने नान-जुडीशियल स्टाम्प पेपर पर नीचे लिखे किसी भी रूप में (जो उस पर लागू होता हो) शपथ लेकर शपथ-पत्र (एफिडेविट) की सत्यापित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए :—

(1) मैं घोषणा करता हूँ कि मैं 19 जुलाई, 1948 में पहले उन इलाकों से भारत आया था जो अब पाकिस्तान या बंगलादेश में हैं और मैं तब से आमतौर पर भारत में रह रहा हूँ।

(2) मैं घोषणा करता हूँ कि मैं 19 जुलाई, 1948 को या उसके बाद उन इलाकों से भारत आया था जो अब पाकिस्तान या बंगलादेश में हैं और मैं तब से आमतौर पर भारत में रह रहा हूँ और मैं यह घोषणा करता हूँ कि मैंने संविधान के अनुच्छेद 6 के अधीन स्वयं को भारत के नागरिक के रूप में पंजीकृत कर लिया है।

(3) मैं घोषणा करता हूँ कि मैं पात्रता प्रमाण-पत्र के बिना ही संविधान के लागू होने की तारीख अर्थात् 26 जनवरी, 1950 से पहले संघ की सेवा में आ गया था और तब से मैं लगातार उसी सेवा में हूँ और मेरे सेवाकाल का क्रम नहीं टूटा है।

**नोट:—**यदि कोई उम्मीदवार ऊपर की मद (2) के अन्तर्गत आता है तो वह ऊपर के उप-पैरा (ख) में अपेक्षित प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट के सामने लिये गए शपथ-पत्र के स्थान पर भारत के नागरिक के रूप में पंजीकरण के प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति प्रस्तुत कर सकता है।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि कोई आवेदनपत्र अपूर्ण है या अशुद्ध भरा गया है या पैरा 4(i), 4(ii), 4(iii), 4(iv), 5, 6 और 7 में उल्लिखित कागजात जो उनके द्वारा भेजे जाने थे, उनके न भेजे जाने के उचित कारण दिये बिना न भेजे गये हों, तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है और इसके विरुद्ध किसी अपील की सुनवाई नहीं होगी। कोई भी कागजात जो आवेदन-पत्र के साथ न भेजा गया हो, किन्तु जिसके न भेजे जाने का कारण बताया जा चुका हो, उसे आवेदन-पत्र भेजने के तुरन्त बाद भेज देना चाहिए और किसी भी हालत में उन्हें संस्थान के कार्यालय में आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अन्तिम तिथि से एक मास के अन्दर तो अवश्य पहुंच जाना चाहिए, अन्यथा आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है। **प्रमाण-पत्रों की सत्यापित प्रतियां संस्थान द्वारा वापिस नहीं की जायेंगी**

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे किसी भी हालत में अपने द्वारा भेजे गये कागजातों या उनकी प्रतियों की प्रविष्टियों में शुद्धि या परिवर्तन या किसी अन्य प्रकार से उलटफेर न करें, न ही वे उलटफेर किये गये कागजातों को भेजें। यदि इस प्रकार के दो या अधिक कागजातों में कोई अशुद्धि या अन्तर हो तो उसके बारे में स्पष्टीकरण अलग से दिया जाना चाहिए।

9. (क) जो उम्मीदवार नियमों के अनुलग्नक 1 के पैरा 1 के नीचे नोट (i) के अनुसार इस परीक्षा में टंकण परीक्षा पास करने से छूट का दावा करे वह संघ लोक सेवा आयोग/सचिवालय प्रशिक्षण-शाला/सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थानों द्वारा आयोजित पहले

से पास की गई टंकण परीक्षा के विवरण जैसे, रोल नम्बर, परीक्षा की तारीख तथा स्थान, गति जिससे परीक्षा पास की गई हो, आवेदन-पत्र के स्तम्भ 9(क) में भर दें।

(ख) नियमों के अनुलग्नक 1 के पैरा 1 के नीचे टिप्पणी (ii) के अनुसार जो उम्मीदवार टंकण परीक्षा पास करने से छूट चाहे, उसे किसी सिविल सर्जन से यह प्रमाण-पत्र देना चाहिए कि वह शारीरिक क्षमता (जिसका नाम प्रमाण-पत्र में दिया जाना चाहिए) के कारण सदा के लिए टंकण परीक्षा पास करने के लिए अयोग्य है।

(ग) टंकण परीक्षा के लिए उम्मीदवार की अपनी टाइप मशीन लानी होगी। स्टैन्डर्ड साईज रोलर वाली टाइप मशीन परीक्षा के दोनों प्रश्न पत्रों में काम दे सकेगी। संस्थान किसी भी अवस्था में उम्मीदवारों को टाइप मशीन नहीं देगा। उम्मीदवार को निश्चय होना चाहिए कि उसके द्वारा परीक्षा के लिए लाई गई टाइप मशीन बिल्कुल ठीक है। यदि किसी उम्मीदवार की टाइप मशीन परीक्षा के दौरान खराब हो जाती है तो उसे अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा।

10. यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा में उत्तीर्ण होता है तो उसे अपने मूल प्रमाण-पत्र (जिनकी सत्यापित प्रतियां आवेदन-पत्र के साथ भेजी जानी थी) उसे नियुक्त कराने वाले अधिकारी को प्रस्तुत करने होंगे। नियुक्ति की शर्तें निम्न प्रकार की हैं :—

(क) उसके मूल प्रमाण-पत्र को प्रस्तुत किया जाना, जो आवेदन-पत्र के साथ भेजी गई सत्यापित प्रतियों से हर प्रकार से मिलते हैं ;

(ख) उसके द्वारा आवेदन-पत्र में दिये गये ब्यौरे पूर्ण रूप से मूल प्रमाण-पत्रों में दिये गये ब्यौरे से मिलते हों और सही हों।

11. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अमूक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

12. यदि परीक्षा में सम्बद्ध आवेदन पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र, यदि उसने आवेदन पत्र डाक द्वारा भेजा हो, की पावती (एकनालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए संस्थान से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

13. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि यह परिणाम कब सूचित किया जायेगा। परन्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे संस्थान से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जायगा।



14. पिछले वर्षों में संघ लोक सेवा आयोग/सचिवालय प्रशिक्षण शाला/सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा ली गई परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न पत्रों से सम्बद्ध पुस्तिकाओं की प्रतियों की बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से केवल मेल आर्डर द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (1) किताब महल, 14, जनपथ बैरक्स 'ए' नई दिल्ली-110001 (2) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउन्टर, उद्योग भवन नई दिल्ली-110001 और (3) गवर्नमेंट आफ इण्डिया बुक डिपों, 8, के० एम० राय मार्ग, कलकत्ता-1 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएँ विभिन्न

मुफ़्तिसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती है।

15. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्र आवि आवश्यक होने पर उसको बदले हुए पते पर भेज दिये जाया करे। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर संस्थान को उसकी सूचना साफ अक्षरों में रोल नम्बर सहित छः पंचियों पर लिखित नये पते के साथ नोटिस के पैरा 10 में उल्लिखित ध्यारे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि संस्थान ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 28th October 1974

No. A.32016/7/72-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri S. P. Bansal, a permanent Assistant Superintendent (Hollerith) in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Superintendent (Hollerith) in the Commission's office for a period of one month with effect from the 1st September, 1974 to the 30th September, 1974 or until further orders whichever is earlier.

The 29th October 1974

No. A.11013/2/74-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri B. N. Arora permanent Officer of the Assistants' Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer (Special) in the Commission's Office with effect from 23rd September, 1974 (FN) to the 28th February, 1975.

The appointment of Shri B. N. Arora as Section Officer (Special) Ex-cadre will be on deputation and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E.III, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

No. A.11013/2/74-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri B. S. Kapur, permanent Officer of the Section Officers' Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer (Special) in the Commission's Office with effect from 23rd September, 1974 (FN) to the 28th February, 1975.

The appointment of Shri B. S. Kapur as Section Officer (Special) Ex-cadre will be on deputation and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E.III, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

No. A.11013/2/74-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri S. Srinivasan, permanent Officer of the Section Officers' Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer (Special) in the Commission's office w.e.f. 23rd September, 1974 (FN) to the 28th February 1975.

2. The appointment of Shri Srinivasan as Section Officer (Special) Ex-cadre will be on deputation and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-III, dated the 4th May 1961, as amended from time to time.

No. A.11013/2/74-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Vir Singh Riat permanent Officer of the Section Officers' Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer (Special) in the Commission's Office with effect from 23rd September, 1974 (FN) to the 28th February, 1975.

The appointment of Shri Vir Singh Riat as Section Officer (Special) Ex-cadre will be on deputation and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E.III, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

M. R. BHAGWAT, Under Secy.  
for Secretary,  
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, 15th October 1974

No. A.32014/1/74-Admn.III.—In partial modification of this office notification of even number dated 11th July, 1974, the President is pleased to appoint Shri K. L. Suri, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 30-9-74 to 30-11-74 or until further orders, whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT, Under Secy.  
Incharge of Admn.  
Union Public Service Commission.

#### CABINET SECRETARIAT

#### DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS

#### LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie the 31st August 1974

No. 195-ESP.—Consequent on his proceeding on leave preparatory to retirement with effect from 18-8-1974 to 31-10-1974, Shri C. D. Sahni, Accounts Officer in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, relinquished the charge of his office in the afternoon of 17th August, 1974.

R. C. TRIPATHI, Deputy Director.

#### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 24th August 1974

No. PF/R-143/72-AD.I.—Shri R. R. Ghosh, an officer of West Bengal Police on deputation to CBI as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the CBI Calcutta on the afternoon of 3rd August, 1974 on repatriation to the State Police Department.

G. L. AGARWAL,  
Administrative Officer (E) CBI

New Delhi, the 26th October 1974

No. PF/A-78/72-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, Central Bureau of

Investigation hereby accepts the resignation of Shri Alok Kumar Mukherjee, Inspector of Police CBI, Calcutta, with effect from the forenoon of 22nd April, 1974.

No. PF/B-127/74-AD.I.—In supersession of this office Notification of even number dated 26-8-74 Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby promotes Shri Biswajit Shah Sub-Inspector as Inspector of Police

in Calcutta Branch of the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation in a temporary capacity, with effect from the afternoon of 8th July, 1974 until further orders.

G. L. AGARWAL,  
Administrative Officer (E)  
for Dy. Inspector Genl. of Police  
Special Police Establishment

New Delhi, the 29th October 1974

No. 5/6/73-AD.I.—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, Director, Central Bureau of Investigation & Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints the following officers substantively to the post of Deputy Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment, Cabinet Secretariat, Department of Personnel & Administrative Reforms, with effect from 23rd February, 1974:—

Sl. No.	Name of the Officer	Present place of posting	Rank in which already permanent	Branch wherein lien kept on the permanent post of Dy. S.P. in CBI.
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	Nenumal . . . . .	F.S. II	Inspector	F.S. II
2.	Shambhu Lal . . . . .	F.S. I	Do.	F.S. I
3.	M. A. Humid . . . . .	Calcutta (GOW)	Do.	Calcutta.
4.	M. M. Narendra Nath . . . . .	F.S. II	Do.	F.S. II
5.	P. D. Ajmera . . . . .	Jaipur	Do.	Jaipur
6.	R. Ganpathiapan . . . . .	Madras (EOW)	Do.	Madras
7.	R. A. Trivedi . . . . .	Lucknow	Do.	Shillong
8.	Swaran Singh . . . . .	Co-ordination Wing	Do.	Head Office
9.	H. L. Ahuja . . . . .	Bihar Enquiry	Do.	Head Office
10.	M. R. Joshi . . . . .	Bombay (EOW)	Do.	Bombay
11.	S. N. Basu Roy Chaudhury . . . . .	Calcutta (EOW)	Do.	Calcutta
12.	Ram Saran Das . . . . .	Delhi (EOW)	Do.	Delhi
13.	S. Narasimhan . . . . .	N&CC	Do.	CIA. II
14.	S. S. Chauhan . . . . .	Head Office (Z-I)	Do.	Head Office
15.	Ram Mehar Singh . . . . .	Lucknow	Do.	Lucknow

Inter-se-seniority amongst the promotees/transferees/direct recruits, who have been confirmed/permanently absorbed as Dy. S.P. in CBI in this batch will be fixed subsequently.

G. L. AGARWAL,  
Administrative Officer (F) CBI

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

The 26th October 1974

### DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 22nd October 1974

No. O.II-13/74-Ests.—The President is pleased to appoint on deputation Shri M. S. Bawa an IPS officer of Haryana Cadre as DIGP in the CRP Force.

2. Shri Bawa took over charge of the post of DIGP CRPF Kohima on the forenoon of 2nd September, 1974.

No. O.II-172/69-Ests.—Consequent on his being granted terminal leave for 55 days w.e.f. 1-7-74 with permission to prefix 30-6-74 being Sunday, the re-employment of Major S. R. Chowdhary, Assistant Commandant, GC, CRPF, Nagpur stands terminated with effect from 29-6-74 (AN).

No. O.II-968/74-Estt(CRPF).—The Director General, C.R.P. Force is pleased to appoint Dr. Bhanwar Lal Meena, as Junior Medical Officer in the C.R.P. Force on ad-hoc basis with effect from the afternoon of 16-9-1974.

2. Dr. Bhanwar Lal Meena is posted to Group Centre No. 1, CRPF, Ajmer.

No. O.II-93/69-Ests.—Consequent on the expiry of his term of re-employment in the CRPF Col. B. K. Sabnis (Retd.) relinquished charge of the post of Commandant 12th Bn CRPF on the afternoon of 31-8-1974.

The 28th October 1974

No. O.II-119/69-Ests.—Consequent on the expiry of his term of re-employment in the CRPF, Major Har Chand Singh, relinquished charge of the post of Commandant 4th Bn, CRPF, on the afternoon of 30-9-1974.

The 30th October 1974

No. O.II-957/74-Ests(CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Sarada Prasad Pattanayak as Junior Medical Officer in the CRP Force on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 27th September, 1974.

2. Dr. Sarada Prasad Pattanayak is posted to 53rd Bn. CRPF.

S. N. MATHUR,  
Assistant Director (Admn)

## OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL

## CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 14th October 1974

No. E-32015(1)/4/73-Ad.I.—On completion of the present term of his re-employment, Lt. Col. E. S. Sundaram relinquished the charge of the post of Commandant, No. 17th Battalion, Central Industrial Security Force, Bharat Coking Coal Limited, Jealgora, Jharia (Dhanbad) on the afternoon of 24th September, 1974.

The 26th October 1974

No. E-17017/3/74-Ad.I.—Shri Sukhdev Singh, Senior Security Officer, Fertilizers Corporation of India Ltd., Nangal Unit, would cease to function as Ex-officio Commandant, Central Industrial Security Force, with effect from the date when Lt. Col. H. S. Bedi Commandant designate Central Industrial Security Force, Fertilizers Corporation of India Ltd., Nangal takes over the charge.

L. S. BISHT,  
Inspector General.

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 16th October 1974

No. 2/12/73-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri V. Dharamaraj an Assistant Engineer of the Central Public Works Departments as Assistant Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an

officiating capacity, with effect from the forenoon of 5th October, 1974, until further orders.

B. V. DIGHE,  
Under Secretary (Admn.),  
for Central Vigilance Commissioner.

## NATIONAL POLICE ACADEMY

Abu, the 16th October 1974

No. 41/17/74-Estt.—On deputation from the Judicial Department of the Government of West Bengal, Shri S. B. Putturda, Subordinate and Assistant Sessions Judge, 24 Parganas, assumed charge of the office of the Assistant Director (Law) in the National Police Academy, Abu with effect from the forenoon of 7th October, 1974, in the scale of pay of Rs. 1100—50—1300—60—1600.

HARPAL SINGH,  
Deputy Director (Admn.)

## DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 31st October 1974

## CORRIGENDUM

No. K(22)/AII.—In this office Notification No. K(22)/AII, dt. 14-10-74 the following amendment may be made :—

Delete first line and add "is appointed" after Shri K. L. Khanzode in second line.

R. K. CHIB,  
Deputy Director (Admn.)

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

## OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL

New Delhi-1, the 5th October, 1974

No. — The Additional Deputy Comptroller and Auditor General has been pleased to promote the following Section Officers (Comml.) as Audit Officer (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against Col. 3 below, with effect from the dates mentioned in Col. 4 below, until further orders :—

Name of the Section Officers (Comml.)	Office where working before promotion	Office where posted on promotions as Audit Officer (Comml.)	Date of posting as Offg. A.O. (Coml.)
1	2	3	4
S/Shri			
1. R.N. Mukherjee . . . . .	On deputation with Tea Board.	M.A.B. & Ex-Officio D.C.A. (Coal), Calcutta.	26-8-74 (F.N.)
2. Manoranjan Nath . . . . .	M.A.B. & Ex-Officio D.C.A., Calcutta.	A.G.W.B., Calcutta	2-4-74 (A.N.)
3. V.M. Thetey . . . . .	M.A.B. & Ex-Officio D.C.A., Bombay	A.G.M.P., Gwalior.	11-4-74 (F.N.)
4. K. Krishnamurthy . . . . .	M.A.B. & Ex-Officio D.C.A., Madras.	A.G.(T.N.), Madras.	22-4-74 (F.N.)
5. R.K. Khanna . . . . .	A.G., Haryana	A.G., Punjab	15-5-74 (F.N.)
6. S.M. Paul . . . . .	M.A.B. & Ex-Officio D.C.A., Calcutta	M.A.B. & Ex-Officio D.C.A., Calcutta	2-4-74 (F.N.)
7. V. Venkataraman . . . . .	M.A.B. & Ex-Officio D.C.A., Bombay	M.A.B. & Ex-Officio D.C.A., Bombay.	2-4-74 (F.N.)
8. R.S. Srivastava . . . . .	A.G., U.P.	M.A.B. & Ex-Officio D.C.A. Ranchi.	28-6-74 (F.N.)
9. J.S. Karanlal . . . . .	On deputation with A.P.S.I.C. Ltd., Hyderabad.	A.G. Orissa.	17-4-74 (F.N.)

(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri			
10. S. Vadarathnam Isaac	A G (T N) Madras	A G (T N) Madras	5-4-74 (A N)
11. M V Krishna Veermai	A G, A P	A G, Orissa	26-4-74 (F N)
12. A K Bhattacharya	M A B & Ex-Office D C A, Calcutta	M A B & Ex-Office D C A, Calcutta for D C A (Coal) Office	2-4-74 (F N)
13. N T Nair	M A B & Ex-Office D C A, Bombay	M A B & Ex-Office D C A, Bombay	2-4-74 (F N)
14. N P. Thomas	M A B & Ex-Office D C A, Madras	A G (T N) Madras	21-6-74 (F N)
15. V. S. Pai	M A B & Ex-Office D C A, Bombay	M A B & Ex-Office D C A, Bombay	13-5-74 (F N)
16. C K Saxena	M A B & Ex-Office D C A, New Delhi	M A B & Ex-Office D C A, Ranchi	26-6-74 (A N)
17. A R. Acharya	A G, H P	A G, H P	26-6-74 (A N)
18. Om Prakash	On deputation with C A G s' Office	A G, M P	26-6-74 (F N)
19. R. K. Jain	Do	M A B & Ex-Office D C A (Coal), Calcutta	28-6-74 (F N)
20. C. V. Ramamurthy	M A B & Ex-Office D C A, Bangalore	M A B & Ex-Office D C A, Bangalore	13-5-74 (F N)
21. Anil Kumar Ghosh	A G W B, Calcutta	M A B & Ex-Office D C A, Calcutta for D C A (Coal) Office	18-5-74 (F N)
22. T K Chandriah	M A B & Ex-Office D C A, Bangalore	M A B & Ex-Office D C A, Bangalore	13-5-74 (F N)
23. L C Bhatnagar	M A B & Ex-Office D C A, New Delhi	M A B & Ex-Office D C A, New Delhi	28-6-74 (A N)

The 22nd October 1974

No. —On attaining the age of superannuation Shri B. Mrutyanya Rao, a permanent Audit Officer (Commercial) serving in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh II retired from service with effect from the 30th September, 1974 (Afternoon).

S. D. BHATTACHARYA,  
Deputy Director (Commercial).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA  
Trivandrum, the 10th October 1974

No. Estt A/VII/9-86/118 —The Accountant General, Kerala is pleased to appoint Shri S. Sankarasubramonia Iyer, permanent Section Officer (Audit & Accounts), to officiate as Accounts Officer with effect from 8-10-1974, afternoon.

K. GANESAN,  
Deputy Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE A G ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 23rd October 1974

No. EBI/8-312/74-75/339 —The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri S. Rajaraman, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 27-6-74 F N until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. EBI/8-312/74-75/337 —The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri S. R. Mazumdar, a permanent Section Officer in the Office of the

Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 31-8-74 F.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors

No. EBI/8-312/74-75/335 —The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri S. V. Venkatavarajanan, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 17-10-74 F.N. until further orders

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors

No. EBI/8-312/74-75/333. —The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri M. B. K. Satyanarayana Murthy, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 800—40—1000—EB—40—1200 with effect from 16-10-74 F.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors

S. NAGARAJAN,  
Senior Deputy Accountant General (Admn),

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ORISSA

Bhubaneswar, the 21st October 1974

No. Admn-IAD-I-29(Con)-1806(7) —The Accountant General, Orissa has been pleased to appoint substantively the following officiating Accounts Officers of this office in the

Cadre of Accounts Officer with effect from the date noted against each.

1. Shri Durga Charan Misra—1-8-1974.

V. S. BHARDWAJ  
Sr. Dy. Accountant General (Adm.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
KARNATAKA

Bangalore, the 16th October 1974

No. ESI/A4/414.—The following officiating Accounts Officers of the Office of the Accountant General, Karnataka, Bangalore have been appointed in a substantive capacity in the grade of Accounts Officers in the same office with effect from the dates noted against each.

1. Shri S. Vasudevaiah 1-6-1974

2. Shri S. Gopalaswamy 23-6-1974

SD/- ILLEGIBLE  
Accountant General

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 15th October 1974

No. 18226/AN-II.—On attaining the age of superannuation on 16th December, 1974, Shri M. L. Puri, an officer of the

The 21st October, 1974

No. 40011(2)/74-AN-A.—The undermentioned Accounts Officers have been/will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
S/Shri				
1.	N.R. Gulati (P/93)	Permanent Accounts Officer.	30-11-74 (AN)	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
2.	A.N. Jayaraman (P/139)	Permanent Accounts Officer	31-12-74 (AN).	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay
3.	N.L. Khanna, (N.Y.A.)	Officiating Accounts Officer	31-10-74 (AN)	Controller of Defence Accounts Central Command Meerut
4.	S.P. Kapoor (N.Y.A.)	Officiating Accounts Officer	31-8-74 (AN)	Controller of Defence Accounts Central Command Meerut

S. K. SUNDARAM,  
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF LABOUR

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 15th October 1974

No. Admn.13(19)73.—The resignation tendered by Dr. (Miss) Krishna Gupta, Junior Medical Officer (ad-hoc), Regional Hospital, Kurasia (Madhya Pradesh) has been accepted with effect from 6-12-1973.

The 19th October 1974

No. P.8(25)67.—In exercise of the powers conferred by Sub Rule (1)(a) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare 17—336G1/74

Indian Defence Accounts, will be transferred to Pension Establishment with effect from the afternoon of 31-12-1974 and struck off the strength of the Department from the same day afternoon.

The 19th October 1974

No. 40011(2)/74-AN-A.—Having given notice of voluntary retirement under the provisions of Article 459(i) Civil Service Regulations, Volume-I and the same having been accepted by the Controller General of Defence Accounts, Shri B. K. Dutta, Permanent Accounts Officer (Roster Number P/92) serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta will be transferred to pension establishment w.e.f. the forenoon of 18th November, 1974.

2. Shri B. K. Dutta has been granted earned leave for 20 days from 1-6-74 to 20-6-74 and half pay leave for 150 days from 21-6-74 to 17-11-74 preparatory to his retirement. The leave period will run concurrently with the notice period.

No. 40011(2)/74-AN-A.—The following is added as sub para 2 in this department notification No. 40011(2)/74-AN-A dated 10-9-74 :—

“Shri D. S. N. Murthy, Accounts Officer has been granted Earned leave for 111 days from 12-8-74 to 30-11-74 preparatory to his retirement.”

Fund Rules, 1949, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee hereby appoints S/Shri B. L. Wadhehra, Director (Personnel and Industrial Relations) Coal Mines Authority Limited, 10 Camac Street, Calcutta and O Maheepathi, Director (Personnel), Bharat Coking Coal Limited, Bihar Building, P.O. Jharia, Dist. Dhanbad as members of the Finance Sub Committee constituted in the Notification No. P.8(25)67, dated 30-12-1971 vice S/Shri L. J. Pathak and M. L. Agarwalla and makes the following amendment viz. :

In the said Notification, for serial numbers 2 and 3 and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

Nominated by the C.M. L.W.F. Advisory Committee to represent the Owners of Coal Mines.

2. Shri B. L. Wadehra,  
Director (Personnel and Industrial Relation), Coal Mines Authority Limited, 10, Camac Street, Calcutta.
3. Shri O. Mahepathi,  
Director (Personnel), Bharat Coking Coal Limited, Bihar Buildings, Jharia, Dhanbad.

R. P. SINHA  
Coal Mines Welfare Commissioner,

**MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT**  
**DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT**  
**OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER**  
**SMALL SCALE INDUSTRIES**

New Delhi, the 17th October 1974

No. 12/396/63/Admn(G).—On return from deputation from the Institute for design of Electrical measuring instrument, Bombay, Shri N. J. Rawal assumed charge of the Office of Assistant Director (Grade II) in the Small Industries Service Institute, Margao, Goa with effect from the 9th August, 1974.

K. V. NARAYANAN  
Deputy Director (Admn.).

**MINISTRY OF COMMERCE**

**OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER**

Bombay-20, the 19th October 1974

No. EST.I-2(385).—Shri R. K. Rakshit, Director in the Regional Office of the Textile Commissioner, Bombay, relinquished charge on the 31st August, 1974 (afternoon) on his retirement from service.

The 21st October 1974

No. EST.I-2(624).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 7th September, 1974 and until further orders, Shri P. C. S. M. Raja, Assistant Director Grade II(P&D) in the Weavers' Service Centre, Bangalore as Assistant Director Grade I (P&D) in the same centre.

S. K. BAGCHI  
Textile Commissioner

Bombay the 24th October 1974

No. CER/6/74.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendments in the Textile Commissioner's Notification No. T.C.(4)/58, dated the 7th March, 1958, namely :—

In the table appended to the said Notification after Serial No. 22, the following entries shall be added in columns 1, 2 and 3 respectively, namely :—

1	2	3
"23.	(i) The State Textile Commissioner (ii) The Joint Director of Supply & Trade (iii) All Deputy Commissioners. (iv) All Sub divisional officers (v) All Magistrates. (vi) The Registrar/Joint Registrar/ Dy. Registrar of Co-operative Societies. Meghalaya"	

The 17th October 1974

**CORRIGENDUM**

No. CLBI/1/6G/73.—In the Textile Commissioner's Notification No. SLBI/II/6G/73, Bombay dated, the 20th

May, 1974 published on page 3445 of the Gazette of India, Part III Section 1, dated the 1st June, 1974 (Jayaistha 11, 1896).

- (1) In line 3 from the top of the Notification for "No. CLBI/II/6G/73" read "No. CLBI/1/6G/73".
- (2) In line 7 from the top of the Notification for "(iv)" read "(xi)".
- (3) In column 1 of the Table for "(v)" and "(vi)" read "(xii)" and "(xiii)" respectively.

G. S. BHARGAVA  
Joint Textile Commissioner

**OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF**  
**IMPORTS & EXPORTS**

**ORDER**

Sub :—Cancellation of Customs Copy of Import Licence bearing No. P/S/1781493/C/XX/44/M/31-32 dt. 22-8-72 for Rs. 29,000/- for April/March 1971 period.

M/s. Polyene Film Industries (P) Ltd., B. 17, Industrial Estate, Ambattur, Madras, 58 were issued a licence bearing No. P/S/1781493/C/XX/44/M/31-32 dt. 22-8-72 for Rs. 29,000/- for April/March 71 period for import of (1) Polycarbonate Moulding Powder Rs. 6 000/- (2) Permissible Organic Pigment Colours and oil Soluble Colours other than banned and restricted as per Appendix 29 of April/March 73 Red Book Vol. I—Rs. 20,000/- and (3) Permissible Spare Parts of Machinery installed in the licence holders' factory for Rs. 3 000/-. The firm have applied for issue of a duplicate Customs Copy of the licence only on the ground that the original licence has been lost/misplaced after being utilised upto Rs. 2575/- for the import of spares. In support of their contention they have filed an affidavit.

I am satisfied that the Customs Copy of the original licence has been lost or misplaced and a duplicate of the same may be issued to the firm.

The original Customs Copy of the licence in question is hereby cancelled.

Issued from F. No. Plastic/839/Adm 74/SSC(2).

M. F. R. BIJLI  
Deputy Chief Controller of Imports & Exports.

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS**  
**(ADMINISTRATIVE SECTION A-1)**

New Delhi-1, the 10th October 1974

No. A-1/1(828).—Shri C. L. Survanarayanan relinquished charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay with effect from the forenoon of 18th September, 1974 on his appointment as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Bombay.

The 29th October 1974

No. A-1/1(938).—Shri S. B. Dutta Permanent J.F. (Jute) and officiating as Assistant Director (Grade II) in the office of the DDG (Supplies & Disposals), Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 30th September, 1974 on attaining the age of superannuation (58 years).

S. K. JOSHI  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 15th October 1974

No. A-1/1(570).—The President is pleased to appoint Shri C. L. Chawla, Assistant Director (Administration) (Grade II) in the office of the Director of Inspection (Met.), Jamshedpur to officiate as Assistant Director (Administration) (Grade I) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay with effect from the forenoon of 9th September, 1974 and until further orders.

## ADMN. BR. A-6

The 15th October 1974

No. A-6/247(236)/59/II.—The President is pleased to appoint Shri P. K. Mustafi, Assistant Director of Inspection in Grade III of the Inspection Service, Metallurgical Branch, Class I to officiate as Deputy Director of Inspection in Grade II of the service with effect from the 19th September 1974 until further orders.

Shri Mustafi relinquished charge of the post of Assistant Director of Inspection (Met.) in the Metallurgical Inspectorate Jamshedpur in the afternoon of the 18th September 1974 and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Met.) at Rourkela Sub-Centre under the same Inspectorate from the forenoon of the 19th September 1974.

The 17th October 1974

No. A-6/247(346)/73.—Consequent on the acceptance of his resignation from service, Shri H. L. Sharma, relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the N.I. Circle, New Delhi, with effect from the afternoon of the 26-9-74.

S. K. JOSHI  
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL & MINES  
(DEPTT. OF MINES)  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 17th September 1974

No. 3(7)/71(HRC)/19B.—Shri Hans Raj Chawla is appointed as Assistant Mechanical Engineer in the Geological Survey of India, in the minimum of the pay of Rs. 350/- per month in the scale of pay of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 15th July, 1974, until further orders.

The 10th October 1974

No. 40/59/C/19A.—Shri R. Rajagopalan, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on ad-hoc basis with effect from 16-9-1974 (F.N.), until further orders.

No. 51/62/19A.—Shri H. Nag, Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India is appointed as Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 7-9-1974, until further orders.

C. KARUNAKARAN  
Director General

MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE  
ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 26th October 1974

No. F. 17/1/72-M/Ant.—It has been decided to further augment the strength of the Bombay Experts Advisory Committee on the export of Non-Antiquities for passing of articles, objects or things of export which are not antiquities under the Antiquities (Export Control) Act, 1947, by the addition of the following two members until further orders :—

1. Shri Sadashiv Gorakshkar, Curator (Art & Planning), Prince of Wales Museum of Western India, Mahatma Gandhi Road, Fort, Bombay-1.
2. Shri S. K. Andhara, Curator (Painting), Prince of Wales Museum of Western India, Mahatma Gandhi Road, Fort, Bombay-1.

N. R. BANERJEE,  
Director (Antiquities)  
for Director General.

## SURVEY OF INDIA

## SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun (U.P.) the 28th October 1974

No. C-4909/724-SOS(A).—Shri A. R. Gomes, Stores Assistant (Selection Grade) is appointed to officiate as Assistant Stores Officer (G.C.S. Class II) in Southern Circle Office, Survey of India, Bangalore, on an *ad-hoc* basis in the revised scale of pay of Rs. 350—25—575 with effect from the 24th September, 1974 till further orders.

No. El-4910/724-SOS.—Shri Yog Raj is appointed to officiate as Assistant Stores Officer, Survey of India, in the General Central Service Class II, against a temporary post on a pay of Rs. 350.00 per month in the scale of pay of Rs. 350—25—575 with effect from the forenoon of 26th Sept., 1974, until further orders.

No. C-4911/594.—The undermentioned Technical Assistants (Map Reproduction), Selection Grade are appointed to officiate as Assistant Manager (Map Reproduction (G.C.S. Class II) in the Survey of India in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1 000—EB—40—1,200 with effect from the date as noted against each, until further orders.

1. Shri Manindra Nath Bose—16-9-74 (FN)
2. Shri Subal Chandra Dhar—21-9-74 (FN)

HARI NARAIN,  
Surveyor General of India,  
(Appointing Authority)

INDIAN POSTS & TELEGRAPHS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE GENERAL MANAGER,  
MADRAS TELEPHONES

Madras, the 28th October, 1974

No. AST/AE. 5/VIII.—The General Manager, Telephones Madras is pleased to appoint the undermentioned E.Ss to officiate as Assistant Engineers in local arrangement in Madras Telephone District with effect from the dates mentioned against each :—

Sl. No.	Name	Date of promotion to TES Cl. II
1.	Sri J. Santhanam	17-9-74 F/N
2.	Sri K.V. Kunhiraman	7-10-74 F/N

No. AST/AE.5/VIII/2.—The undermentioned Asstt Engineers, who are officiating in local arrangement stand reverted to their parent cadre with effect from the dates mentioned against each :—

Sl. No.	Name of the officer	Date of reversion to the parent cadre
1.	Sri B. Rajagopal Naidu	18-9-74 F/N
2.	Sri N.T. Srinivasan	4-9-74 F/N
3.	Sri K.V. Kunhiraman	31-8-74 A/N
4.	Sri K.V. Krishnamurthy	31-8-74 A/N
5.	Sri T.R. Ramanujam	21-8-74 A/N
6.	Sri D. Parimalasekaran	20-8-74 A/N
7.	Sri P.V. Seetharaman	16-9-74 F/N
8.	Sri S. Nageswaran	31-8-74 A/N
9.	Sri S. Subban	9-9-74 F/N
10.	Sri N. Subbaraman	9-9-74 F/N

V. S. NARASIMHACHARI,  
Asstt. General Manager (Admn.)

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 9th October 1974

F. No. 7-89/74-CHS II.—Consequent upon the acceptance of her resignation Dr. (Miss) S. Arunthathi, relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, Rural Health Centre, J.I.P.M.E.R., Pondicherry, on the afternoon of the 31st July, 1974.

The 30th October 1974

No. 36-7/74-CHS.I.—Consequent on his transfer Dr. T. Chatterjee, an Officer of the Specialists' Grade of the C.H.S., relinquished the charge of the post of Physician under the Central Government Health Scheme, Delhi on the forenoon of 5th September, 1974 and assumed the charge in the same capacity at the Safdarjang Hospital New Delhi on the same day, i.e., on the Forenoon of 5th September 1974.

G. PANCHAPAKESAN,  
Deputy Director Administration (CHS)

New Delhi, the 7th October 1974

No. 19-8/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. Eapen Thomas in a substantive capacity to the post of Librarian at the JIPMER, Pondicherry, with effect from the 14th September 1973.

The 14th October 1974

No. 19-38/73-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri V. Anantharaman in a substantive capacity to the post of Chemist (Non-Medical Assistant) (Physiology) at the JIPMER, Pondicherry, with effect from the 10th July 1972.

The 16th October 1974

No. 1-2/73-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Pranati Nandy, to the post of Tutor Dietitian at the All India Institute of Hygiene and Public Health Calcutta, with effect from the forenoon of 5th September 1974, in a temporary capacity, and until further orders.

The 21st October 1974

No. 13-15/70-Admn.I.—Dr. K. L. Suran Staff Surgeon (Dental) Central Government Health Scheme, retired from Government Service with effect from the afternoon of the 31st August 1974.

The 26th October 1974

No. 1-11/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri B. Nath in a substantive capacity to the post of Assistant Research Officer (Biologist) at the All India Institute of Hygiene and Public Health Calcutta, with effect from the forenoon of 21st March 1972.

No. 121/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri D. D. Sharma, a permanent Grade IV Officer of the Central Secretariat Service as Section Officer in the Directorate General of Health Services in an officiating capacity for a period of 46 days with effect from the forenoon of the 27th August 1974 or till a select List Officer of the Section Officer's Grade joins, whichever is earlier.

No. 1-12/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. S. R. Dutta in a substantive capacity to the post of Assistant Research Officer (Physiologist) at the All India Institute of Hygiene and Public Health Calcutta, with effect from the forenoon of 21st March 1972.

S. P. JINDAL  
Deputy Director Administration

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)  
DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 14th October 1974

No. F.2(6)/71-Estt.(I).—Shri K. L. Issar will continue to officiate as Special Officer (Projects), Class II (Gazetted) (Non-Ministerial) in the revised scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture) on ad-hoc basis beyond 4th October 1974 upto 28th February 1975 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 17th October 1974

No. F.2(7)/70-Estt.(I).—Shri P. N. Chopra will continue to officiate as Superintendent (Grade I), Class II (Gazetted) in the scale of Rs. 700—30—760—35—900 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture) on ad-hoc basis beyond 30th September 1974 upto 28th February 1975.

N. K. DUTTA  
Director of Administration

## (DEPARTMENT OF COOPERATION)

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Nagpur, the 21st October 1974

No. F.5/11/69-D.II.—For the purpose of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) notification No. 124 dated 15-9-62 published in the Gazette of India I hereby authorise Shri C. V. Bhavani Sankaran, Assistant Marketing Officer to issue Certificate of Grading in respect of Myrobalans to the effect that the Myrobalans have been graded in accordance with the provisions of the Myrobalans Grading and Marking Rules as amended from time to time and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) from the date of issue of this notification until further orders.

No. F. 5/11/69-D.II.—In partial modification of this Directorate Notification of even number dated 4-7-73 published in the Gazette of India dated 21-7-1973 in respect of authorisation of certain Officers to issue Certificate of Grading for Walnuts, the name of Shri O. N. Garg, Dy. Senior Marketing Officer, appearing at S. No. 7 is hereby cancelled.

The 22nd October 1974

No. F. 5/11/69-D.II.—In partial modification of this Directorate Notification of even number dated 4-7-73 published in the Gazette of India dated 21-7-1973 in respect of authorisation of certain Officers to issue Certificate of Grading for Potatoes, Onions, Garlics and Pulses, the name of Shri B. S. Srivastava, Dy. Senior Marketing Officer, appearing at S. No. 9 and 18 is hereby cancelled.

N. K. MURALIDHARA RAO,  
Agricultural Marketing Adviser.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, 3rd October 1974

No. DPS/A/32011/2/73/Est.—The Director, Purchase and Stores Officer from 22-4-1974 to 21-6-1974 vice Shri P. John nical Inspector of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer from 24-4-1974 to 21-6-1974 vice Shri P. John Jacob, Assistant Stores Officer granted leave.

The 11th October 1974

No. R/41/DPS/Adm.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Illath Ramakrishnan a permanent Stenographer in the Directorate of Purchase and Stores to officiate as Assistant Purchase Officer in the same Directorate with effect from the forenoon of September 7, 1974 until further orders.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer.



## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 15th October 1974

No. A. 19014/77/72—E(H).—On attaining the age of superannuation Shri S. K. Godbole retired from Government service and relinquished charge of the office of Regional Director, Civil Aviation Department, Bombay Region on the 30th September, 1974, (A.N.).

T. S. SRINIVASAN,  
Assistant Director of Administration.

New Delhi, the 14th October 1974

No. A. 32013/5/74-EA.—The President is pleased to appoint Shri J. S. R. K. Sharma, Asstt. Aerodrome Officer to post of Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department on a purely *ad-hoc* basis with effect from the 1-10-1974 and until further orders. Shri Sharma is posted at Madras Airport, Madras.

S. L. KHANDPUR, Asstt. Dir. of  
Administration.

New Delhi, the 17th October 1974

No. A-38014/2/74-ES.—Shri A. N. Nanda, an officiating Assistant Estate Manager in the office of the Regional Director, New Delhi, relinquished charge of the post on 31-8-74 (A.N.), on retirement from Government service, on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI, Dy. Director Administration.

New Delhi, the 17th October, 1974

No. A. 12025/6/74-EC.—The President is pleased to appoint the undermentioned person in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Communication Officer on a temporary basis with effect from the date shown against each and until further orders :—

Name	Date from which appointed	Office/Station to which posted.
1. Shri M. Dheena Dayalan	16-9-74 F/N	A.C.S. Safdarjung Airport, New Delhi.

Hyderabad, the 16th August, 1974

## Establishments

No. 1—In continuation of this office order C No II/11/1/73-E dated 15-2-74, it is hereby communicated that the Officiating Superintendents of Central Excise, Class II, working in the Hyderabad Collectorate, whose names are furnished below are confirmed Superintendents of Central Excise, Class II with effect from the dates noted against their names :—

Sl No	Name of the Suptd.	Place where working	Date from which Confirmed
1	2	3	4
	S/Shri		
1	D V Subbaiah,	Collectorate Hqrs Office, Hyderabad	18-10-1970
2	N. Vecresalingam,	DICCE, (C R U) Hyderabad	18-10-1970
3	S Raman	Do	18-10-1970
4	M Anjancylu,	Anantapur Divl Office	18-10-1970
5	G Subbarayudu,	Do	18-10-1970
6	K S Prakasa Rao,	Collectorate Hqrs Office, Hyderabad	18-10-1970
7	M A Basha,	Do	18-10-1970
8	B Suryanarayana Murthy	Do	4-1-1971

2 Upon his confirmation as Superintendent of Central Excise, Class II with effect from 18-10-1970, Sri D V Subbaiah shall rank senior to Shri P Seshachalam in that grade

No. 2—In continuation of this office orders C No II/11/1/73-E dated 26-12-1973 and C No II/11/1/73-E dated 19-2-1974, it is hereby communicated that the officers named below are confirmed with effect from the dates noted against their names :—

Sl No	Name of the Officer	Place where working	Date from which confirmed
1	2	3	4
	S/Shri		
1	T Somanadha Sastry,	Administrative Officer, Anantapur Divl. office	25-9-1970
2	A Ramakrishna Rao,	Asstt Chief Accounts Officer, Hqrs Office, Hyderabad	15-5-1971
3	JK Ramasubrahmanyam,	Administrative Officer, Hyderabad I Divl Office	1-9-1973
4	G V Narayana Rao,	Asstt Chief Accounts Officer, Hqrs Office Hyderabad	1-9-1973

S.K. SRIVASTAVA,  
Collector

The 21st October, 1974

No. A. 32013/3/74-EC.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers to the grade of Assistant Director of Communication with effect from the 4th July, 1974 F.N. in an officiating capacity on a regular basis and until further orders in the office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi :—

S.No.	Name of Officer	Designation
1.	Shri T. Aravamuthan	Assistant Director of Communication on an ad-hoc basis.
2.	Shri L. Bhargava	Assistant Director of Communication on an ad hoc basis.

H.L. KOHLI  
Deputy Director of Administration

for Director

## COLLECTORATE OF CUSTOMS &amp; CENTRAL EXCISE

Allahabad, the 20th September 1974

No. 118/1974.—Shri Gopal Dhan Moitra, confirmed Inspector (Section Grade) of Central Excise, previously posted in the Customs Division, Lucknow, and appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II, until further orders, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, vide this office Establishment Order No. 138/1974 dated 29-7-1974 issued under endorsement C. No. II(3)152-Et/74/23234 dated 30-7-1974, assumed charge as Superintendent, Central Excise, Class II, in the Central Excise Integrated Divisional Office, Lucknow, on 1-8-1974 (Forenoon). He relieved Shri R. D. Srivastava, Superintendent, Class II of the additional charge of the office of the Superintendent (S.R.P. II), Central Excise Integrated Divisional Office, Lucknow on 3-8-1974 (Forenoon).

H. B. DASS, Collector Central Excise,  
Allahabad.

Madras, the 23rd September 1974

C. No. II/3/47/74-Estt.—S/Shri M. S. Venkatasubramaniam and P. S. Ponnuram, Office Superintendents, Madras/Madurai Collectorate are appointed to officiate until further orders as Administrative Officers, Madras I Division and Salem Division with effect from 1-8-74 and 6-9-74 respectively.

C. CHIDAMBARAM, Collector.

#### CENTRAL EXCISE DEPARTMENT

Guntur-5222004, the 24th September 1974

No. 8.—Shri B. Satyanarayana Murthy, Permanent Senior Grade Inspector of Central Excise, has been appointed until further orders to officiate as Superintendent of Central Excise, Class II, in the Central Excise Collectorate Guntur. He has assumed charge as Superintendent of Central Excise, M.O.R. Ravinutala of I.D.O. Ongole with effect from 11th September, 1974 (Forenoon).

A. S. I. JAFFAR, Collector.

#### DIRECTORATE OF STATISTICS AND INTELLIGENCE CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

CENTRAL REVENUES BUILDING NEW DELHI-110001.

New Delhi-110001, the 28th October 1974

#### (ESTABLISHMENT)

No. 4.—Shri C. S. Bidani, an officer in the grade of Superintendent (Class II) of Central Excise, Ahmedabad Division of Baroda Collectorate, assumed charge of the office of the Junior Analyst, on deputation on *ad-hoc* basis in the Central Exchange for Assessment Data, Directorate of Statistics and Intelligence, Central Excise and Customs, New Delhi with effect from the forenoon of 10th July, 1974 against the post sanctioned under Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) letter F. No. A-11013/E/11/71-Ad.IV, dated 20-3-1974.

No. 5.—Shri H. K. S. Bhandari, an officer in the grade of Superintendent (Class II) of Central Excise, Kanpur Collectorate, assumed charge of the office of the Senior Analyst on deputation on *ad-hoc* basis in the Central Exchange for Assessment Data, Directorate of Statistics and Intelligence, Central Excise and Customs, New Delhi with effect from the forenoon of 15th July, 1974 against the post sanctioned under Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) letter F. No. A-11013/E/11/71-Ad.IV, dated 20-3-1974.

B. N. RANGWANI, Director.

#### DIRECTORATE OF INSPECTION, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 11th October 1974

No. 21/1974.—Shri B. K. Hajra, a Permanent Office Supdt., officiating as Administrative Officer, in the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise, New Delhi, is appointed to officiate as Assistant Chief Accounts Officer in the same Directorate with effect from the 8th October, 1974 (Forenoon) and until further orders *vice* Shri Hari Dev Sharma, who had been appointed to officiate as Administrative Officer.

No. 22/1974.—Shri Hari Dev Sharma, a Permanent Office Supdt., Officiating Assistant Chief Accounts Officer, in the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise, New Delhi, is appointed to officiate as Administrative Officer in the same Directorate with effect from the 8th October, 1974 (Forenoon), and until further orders *vice* Shri B. K. Hajra, who had been appointed to officiate as Assistant Chief Accounts Officer.

B. S. CHAWLA, Director of Inspection  
Customs and Central Excise.

#### CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 15th October, 1974

No. 6-18/73-C.H. (Estt.).—The following officers of the Central Ground Water Board are appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Class-II (Gazetted) in the revised pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on *ad hoc* and temporary basis with effect from the dates & with

headquarters indicated against their names, till further orders:—

Sl. No.	Name of Officers	Date of appointment	Headquarters
1.	Shri S. K. Bose	9-9-74 F/N	Faridabad.
2.	Shri D. B. Shetye	9-9-74 F/N	Faridabad
3.	Shri N. P. Chaudhari,	12-9-74 F/N	Nagpur

D. S. DESHMUKH, Chief Hydrogeologist

#### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT PORT OF NEW TUTICORIN

Tuticorin-4, the 26th September 1974

No. A.22013/1-74/GE/4748.—On the expiry of their term of deputation, S/Shri T. M. Raja and M. K. Ramalingam, Assistant Engineers, Tamilnadu P.W.D., on deputation to the Port of New Tuticorin, have been repatriated to their parent department with effect from the afternoon of 11th and 15th September, 1974, respectively.

D. I. PAUL, Chief Engineer & Administrator

#### MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

##### OFFICE OF THE GENERAL MANAGER

##### FARAKKA BARRAGE PROJECT

Farakka, the 15th October 1974

No. PF-II/213/12257(8).—Sri Amal Krishna Roy has been appointed as Assistant Engineer (Civil) in the Farakka Barrage Project, Ministry of Irrigation & Power, Government of India on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 12th June '74 upto the period of 31-12-74.

J. N. MONDAL, General Manager

#### CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION (WATER WING)

New Delhi-22, the 28th October 1974

No. A-19012/500/74-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri Man Mohan Nath Saxena, Supervisor to officiate as an Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water and Power Commission on a purely temporary and *ad-hoc* basis. He will be entitled to draw his grade pay as Supervisor plus 10% allowance while employed as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) on an *ad-hoc* basis, with effect from 8-10-74 until further orders.

Shri Man Mohan Nath Saxena took over charge of the office of Extra Assistant Director in the Central Water and Power Commission (Water Wing) with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON, Under Secy.

#### C. W. & P. COMMISSION

New Delhi, the 13th October 1974

No. A-12017/1/72-Adm.V (Vol.II) (i).—In continuation of this Commission's notification No. 4-12017/1/72-Adm.V, dated the 7th June 1974, the Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints the following Research Assistants, to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group), in the Central Water and Power Commission (Water Wing) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for further periods as shown below against each:—

1. Shri M. Bhowmik 1-7-74 to 30-9-74.
2. Shri M. P. Namboodri 1-7-74 to 30-9-74.
3. Shri S. A. Basha 1-7-74 to 30-9-74.

No. A-12017/1/72-Adm.V (Vol.II) (ii).—In continuation of this Commission's Notification No. A-12017/1/72-Adm.V, dated the 27th March 1974, the Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints the following Research Assistants, to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Physics Group) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for further periods as shown below against each:—

1. Shri D. D. Soni 1-7-74 to 30-9-74.
2. Shri Ranjit Datta 1-7-74 to 30-9-74.

The 28th October 1974

No. A-32014/7/74-Adm.V.—In continuation of this Commission's notification No. A-32012/6/70-Adm.V, dated 11-7-74, the Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints the following Research Assistants to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a further period upto 31-10-74, or till such time the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier, with effect from the date as shown against each :—

1. Shri K. N. Appukuttan 10-7-74 to 31-10-74.
2. Shri S. N. Mone 10-7-74 to 31-10-74.
3. Shri J. B. Shaligram 10-7-74 to 31-10-74.
4. Shri M. S. Shitole 10-7-74 to 31-10-74.

K. P. B. MENON, Under Secy.  
for Chairman, C.W.&P. Commission

#### (POWER WING)

New Delhi-110022, the 28th October 1974

No. 6/3/74-Adm.II(PW)(Vol.II).—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints the following Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the dates shown against their names until further orders :

1. Shri K. K. Singh—24-9-74 (FN).
2. Shri S. C. Anand—25-9-74 (FN).
3. Shri Nishit Mishra—26-9-74 (FN).

M. S. PATHAK, Under Secy.  
for Chairman

#### MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 2nd October 1974

No. 74/W4/CNL/NE/20.—It is hereby notified for general information that the Ministry of Railways (Railway Board) have sanctioned a preliminary engineering-cum-traffic survey to consider construction of a new broad gauge railway line from Sahjanwa to Dohrighat. The length of the proposed railway line will be about 60 kms. This work will be done by the North Eastern Railway and will be known as the "Sahjanwa-Dohrighat Engineering and Traffic Survey."

The 9th October 1974

No. 70/W4/CNL/SC/2.—It is hereby notified for general information that the Ministry of Railways (Railway Board) have sanctioned a Final Location Survey for construction of a Broad Gauge line from Nadikuda to Bibinagar (153 Kms.) and for the conversion of the Metre Gauge section from Guntur to Macheralu to Broad Gauge (130.22 kms.). The survey is being carried out by the South Central Railway.

A. L. GUPTA, Secy.  
Railway Board

New Delhi, the 8th October 1974

No. 73/W4/CNL/SC/3.—It is hereby notified for general information that the Ministry of Railways (Railway Board) have sanctioned the updating of the Engineering survey done earlier for linking Nizamabad with Ramgundam (approx. 160 kms.) and a fresh traffic survey for this section. The survey is being carried out by the South Central Railway.

A. L. GUPTA for Secy.  
Railway Board

#### NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 28th August 1974

No. 16—Shri S. K. Shankla, Assistant Security Officer, Northern Railway has finally retired from Railway Service with effect from 31-8-1974 afternoon.

C. S. PARAMESWARAN,  
General Manager

#### NORTHEAST FRONTIER RAILWAY (GENERAL MANAGER'S OFFICE (PERSONNEL BRANCH))

Pandu, the 16th October 1974

1. No. E/283/III/133Pt.IV(O).—Shri K. C. Das Gupta, ATE (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale as Senior Signal and Tele. Comm. Engineer/Tele. with effect from 2-8-74.

2. No. E/283/III/133Pt.IV(O).—Shri C. R. Mukherjee, CTCI (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Asstt. Tele. Comm. Engineer with effect from 2-8-74.

3. No. E/41/75/18(O).—Shri S. C. Das, CTRR (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Asstt. Mechanical Engineer (C&W) w.e.f. 16-8-74.

4. No. E/41/75/18(O).—Shri S. K. Bose, C&WI (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Asstt. Mechanical Engineer (C&W) w.e.f. 18-8-1974.

5. No. E/283/III/54 PVII(O).—Shri D. Sarkar Asstt. Mechanical Engineer (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale purely on *ad hoc* measure as Divisional Mechanical Engineer (C&W) w.e.f. 22-8-74.

6. No. E/283/III/54/PVII(O).—Shri G. P. Saha, APE (Class II) is appointed to officiate in Senior Scale purely on *ad hoc* measure as Senior Mech. Engineer (Planning) with effect from 23-8-74.

M. R. REDDY, General Manager

#### NORTH EASTERN COUNCIL

Shillong, the 2nd August 1974

No. NEC.127/74.—On his services having been placed at the disposal of the North Eastern Council Secretariat on deputation by the Government of Meghalaya, Shillong, Shri E. Lister Challam, Assistant Superintendent in Meghalaya Government is appointed as Section Officer in the North Eastern Council in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- per month with effect from 1-8-74 (FN) with other allowances as may be admissible from time to time.

D. K. BHATTACHARYA, Secy.  
North Eastern Council, Shillong

#### INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 10th October 1974

No. F.48-Ad(AT)/74.P.II.—Shri C. Moses, officiating Superintendent on ad-hoc basis in a temporary capacity in the Income-tax Appellate Tribunal, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Madras Benches, Madras on ad hoc basis in a temporary capacity for a period from 8-3-1974 to 30-9-74 (Afternoon) vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/73 dated 26-3-1974, is now permitted to continue to officiate on ad-hoc basis in a temporary capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Madras Benches Madras for a further period from 1-10-1974 to 31-12-1974 (Afternoon) or till the post is filled up by regular appointment of a nominee of the Union Public Service Commission, whichever is earlier.

No. E-48-Ad(AT)/74.P.II.—Shri L. R. Aggarwal, Senior Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches Bombay on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period from 1-3-1974 to 30-9-1974 (Afternoon) vide this office notification No. F. 48 Ad(AT)/73 dated 26-3-1974 is now permitted to continue to officiate on ad-hoc basis in a temporary capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches Bombay for a further period from 1-10-1974 to 31-12-1974 (Afternoon) or till the post is filled up by regular appointment of a nominee of the Union Public Service Commission, whichever is earlier.

HARNAM SHANKAR, President

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/Mansa/AP-1152/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3855 of February, 1974 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in February 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jangir Kaur Wd/o Shri Chand Singh s/o Kaka Singh V. Bheni Bagha Teh. Mansa. (Transferor)
- (2) Shri Jita Singh s/o Shri Karam Singh s/o Shri Hira Singh, V. Bheni Bagha Teh. Mansa. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3855 of February, 1974 of the Registering Authority, Mansa.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974.  
Seal :

## FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land on Doosang Road, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 2106 of February 1974, of the Registering Authority, Phagwara

D. S. GUPTA

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974.

Seal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/AP-1153/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2106 of February, 1974 situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering offices at Phagwara in February, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bhagwanti w/o Shri Gurdas Mal s/o Shri Mehar Dass c/o M/s Chadha Trading Corpn., Mandi Road, Phagwara. (Transferor)

(2) Smt. Resham Kaur w/o Shri Piara Lal, Sikander Pal s/o Shri Piara Lal R/o Kotli Teh. Phillaur. (Transferee).

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No ASR/Phg/AP-1154/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2104 of February, 1974 situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (2) Shri Balbir Singh s/o Shri Khushal Singh s/o Shri Chint Ram, c/o Shri Khushal Singh, Furniture Dealer, Loha Mandi Phagwara (Transferee)
- (3) As at S No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2104 of February, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

D S GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

- (1) Smt Banti w/o Shri Jagiti s/o Shri Munshi Khilwara Gali, Phagwara (Transferor)

Date : 31st August 1974  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/AP-1155/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 6161 of February, 1974 situated at Usman (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Tarn Taran in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pathi Singh s/o Shri Surain Singh V. Usman Teh. Tarn Taran. (Transferor)

- (2) Shri Milkha Singh s/o Shri Pal Singh V. Usman. Teh. Tarn Taran. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in village usman as mentioned in the Registered Deed No. 6161 of February, 1974 of the Registering Authority, Tarn Taran.

D. S. GUPTA

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar the 31st August 1974

Ref No ASR/AP-1156/74 75 —Whereas, I, D S Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Property as mentioned in the Registered Deed No 9941 of February 1974 situated at Tung Pai Batala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in February 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely,—

- (1) Shri Damodar Dass s/o Shri Relu Ram, Maya Ram Sita Ram Karmo Deori Amritsar (Transferor)
- (2) M/s Lily Auto Piston, Batala Road, Amritsar (Transferee)
- (3) As at S No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property in Tung Pai, Batala Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No 9941 of February, 1974 of the Registering Authority Amritsar

D S GUPTA

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range  
Amritsar

Date 31st August 1974

Seal



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/Mukatsar/AP-1157/74-75 —Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3682 of February, 1974 situated at V. Madhir Teh. Mukatsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mukatsar in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nagar Singh s/o Shri Ghan Singh s/o Shri Kishan Singh r/o Lambi Dab Teh. Mukatsar. (Transferor)

- (2) Shri Balraj Singh s/o Avtar Singh s/o Ghan Singh R/o Madhir Teh. Mukatsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Madhir Teh. Mukatsar as mentioned in the Registered Deed No. 3682 of February, 1974 of the Registering Authority, Mukatsar.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974.  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No.ASR/Mukatsar/AP-1158/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3683 of February, 1974 situated at V. Madhir Teh. Mukatsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Mukatsar in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jarnail Singh s/o Shri Ghan Singh s/o Shri Kishan Singh r/o Lambi Dab Teh. Mukatsar. (Transferor)
- (2) Shri Balraj Singh s/o Avtar Singh s/o Ghan Singh R/o Madhir Teh. Mukatsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Madhir Teh. Mukatsar as mentioned in the Registered Deed No. 3683 of February, 1974 of the Registering Authority, Mukatsar.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Sardari Lal s/o Shri Amir Chand R/o Pakki.  
(Transferee)(2) Shri Preet Mahinder Singh s/o Beant Singh R/o  
Pakki (Transferee)(3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation  
of the Property](4) Any person interested in the property. [Person(s)  
whom the undersigned knows to be interested in the  
property]Objections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires  
later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.It is hereby notified that a date and place for hear-  
ing the objections, if any, made in response to this  
notice against the acquisition of the immovable pro-  
perty will be fixed, and notice thereof shall be given  
to every person who has made such objection, and  
the transferee of the property.It is hereby further notified that every person to whom  
notice is given under the preceding paragraph shall have a  
right to be heard at the hearing of the objections.EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXXA of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2131 of Feb-  
ruary, 1974 of the Registering Authority Malout Mandi.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax Acquisition Range,

Amritsar.

Date 31st August 1974

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/Malaut/AP-1159/74-75 —Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2131 of February, 1974 situated at Near Village Balluana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Malout Mandi in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following person, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1160/74-75 --Whereas, I, D. S. Gupta,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 9385 of February, 1974 situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jullundur in February 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Kulbhushan & Dharam Vir SS/o Dr. Nand Lal of Jullundur. (Transferor)

(2) Leader Engg. Works, Industrial Area, Jullundur. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 9385 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/AP-1161/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of Land as mentioned in the Registered Deed No. 3859 of February, 1974 situated at O/s Gate Hakimian, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfereed as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manak Chand, Madan Lal Padam Chand Des Raj & Roop Lal SS/o Shri Mathra Dass r/o B2. Bagh Jhanda Singh, Amritsar. (Transferor)

- (2) Shri Sat Pal, Om Parkash SS/o Shri Budha Mal & Smt. Romesh Rani w/o Shri Hans Raj, Gali Hatan Tai, Hakimian Wala, Amritsar, Sh. Ashok Kumar s/o Shri Kishore Lal I/s Lahori Gate, Gali Jaitan, Amritsar. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every persons to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land Khasra No. 1255, 1256 situated o/s Gate Hakimian, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3859 of February, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1162/74-75 —Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 9566 of February, 1974 situated at Across Rly. Line, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the the Registering Officer at Jullundur in February 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kulbhushan, Dharam Vir and other seller of Rajpur Gahout Distt. Hoshiarpur (Transferor)
- (2) Leader Engg. Works, Jullundur, (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land across the Railway Line Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9566 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/NDR/AP-1163/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2704 of February, 1974 situated at V. Bajuaba Khurd

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in February 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Karam Singh s/o Santa Singh s/o Fateh Singh V. Bajuaba Khurd Teh. Nakodar. (Transferor)
- (2) Smt. Dalip Kaur Wd/o Shri Udham Singh r/o Sarnam Teh. Jullundur & Smt. Nasib Kaur Wd/o Shri Gian Singh s/o S. Nand Singh r/o V. Sabina Teh. Nakodar. As per 37-G Form.  
(Smt. Dalip D/o Udham Singh r/o Sarnam Teh. JULLUNDUR & Nasib Kaur D/o S. Gian Singh r/o Maham Teh. Nakodar As per report).
- (3) Any person interested in the property. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in V. Bajuaba Khurd as mentioned in the Registered Deed No. 2704 of February, 1974 of the Registering Authority Nakodar.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date: 31-8-1974.

Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/Phy/AP-1164/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 2115 of February, 1974 situated at Model Town, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hans Raj s/o Shri Diwan Chand r/o Phagwara. (Transferor)

- (2) Smt Amar Kaur w/o Jeeta Singh r/o Rampur Sunra Teh Phagwara. (Transferee)

- (3) As at S No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi 50-C Model Town, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 2115 of February, 1974 of the Registering Authority, Phagwara

D. S. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31st August 1974.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/Phg/AP-1165/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 2105 of February, 1974 situated at Model Town, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hans Raj s/o Shri Diwan Chand of Phagwara. (Transferor)

- (2) Shri Jeet Singh s/o Shri Harbans Singh R/o Rampur Sunjan Teh. Phagwara. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to whom the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 50-C Model Town, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 2105 of February, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31st August 1974.  
Seal :

## FORM ITNS—4

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-1166/74-75—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 4013 of February 1974 situated at V. Kang (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshehar in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (2) Shri Bhajan Singh s/o S. Bikar Singh R/o Kang, Teh. Nawanshehar (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above  
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in village Kang, as mentioned in the Registered Deed No. 4013 of February, 1974 of the Registering Authority, Nawanshehar.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

- (1) Shri Kishan Singh s/o Shri Hira Singh R/o Kang Teh. Nawanshehar (Transferor)

Date : 31st August 1974.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/NS/1167/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I and as mentioned in the Registered Deed No. 3971 of February, 1974 situated at V. Salempur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nawan Shehar in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pashori Lal s/o Shri Raja Ram r/o Apra. (Transferor)

- (2) Shri Jagtar Singh, Joginder Singh, Avtar Singh, Gamdur Singh, Ranjit Singh SS/o Shri Bawa Singh, Amarjit Kaur d/o Shri Bawa Singh, Habawal Kalan Teh. Ldh. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in V. Salempur as mentioned in the Registered Deed No. 3971 of February, 1974 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

D. S. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31st August 1974.  
Seal ;

## FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/NDR/AP-1163/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2550 of February, 1974 situated at V. Tanda Usha (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Thakur Singh, Tara Singh, Ujagar Singh, Charan Ss/o Shri Ishar Singh s/o Shri Ram Singh R/o Tanda Urha Teh. Nakodar. (Transferors).

(2) Shri Gurcharan Singh, Amrik Singh Ss/o Shri Chanan Singh, Resham Singh, Avtar Singh, Balbir Singh, Charan Singh Ss/o Shri Malkiat Singh R/o Aulak Teh. Nakodar, (Transferees)

(3) As at No. 2 above. ([Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in V. Tanda Urha as mentioned in the Registered Deed No. 2550 of February, 1974 of the Registering Authority, Nakodar.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st August 1974,

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/KPL/AP-1169/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2703 of February, 1974 situated at V. Nangal Nurain Garh, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mool Raj, s/o Shri Charanje Lal of Kapurthala.  
(Transferor)

20—336GI/74

- (2) Shri Atma Singh, Sawarn Singh, Charan Singh, Joginder Singh s/o Bishan Singh of Nathu Chahal Kapurthala. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice therefore shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land in village Nangal Nurain Garh, Kapurthala as mentioned in the Registered Deed No. 2703 of February, 1974 of the Registering Authority Kapurthala.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 31st August 1974.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/KPL/AP-1170/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2644 of February, 1974 situated at Himira (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Kapurthala in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shmt Baksish Kaur w/o Shri Partap Singh Gurdev Singh, Rajwant Kaur Kulwant Kaur, Mohinder Kaur Ds/o Partap Singh, Himira District Kapurthala (Transferor)
- (2) Shri Hans Raj s/o Shri Amar Chand, Raghbir Chand, Som Nath, Ranjeet Singh s/o Shri Hans Raj of V. Hashanpur (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in village Himira as mentioned in the Registered Deed No. 2644 of February, 1974 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st August 1974.  
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/KPL/AP-1171/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2643 of February, 1974 situated at V. Himira (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amrik Singh s/o Faqir Singh of V. Himira Distt : Kapurthala. (Transferor)
- (2) Shri Hans Raj s/o Shri Amar Chand, Raghbir Singh, Som Nath, Ranjeet Kumar of Adda Hoshiarpur Distt : Kapurthala. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice hereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Himira as mentioned in the Registered Deed No. 2643 of February, 1974 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/AP 1172/74-75.— Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 3806 of February, 1974 situated at Green Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

No., therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Raman Lal s/o Shri Roshan Lal, Kucha Misher, Beli Ram, Hall Bilmukabal, Amar Singh College, Srinagar (Kashmir). (Transferor)
- (2) Shri Om Parkash Ahuja s/o Shri Kulam Chand, Cooper Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. M. 50, Green Avenue, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3806 of February, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31st August 1974.

Seal .



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref No. ASR/Bhullath/AP-1173/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Lar-I as mentioned in the Registered Deed No. 1519 of February, 1974 situated at V. Maqsoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registrar Bhullath in February 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Parkash Kaur D/o Shri Khushal Singh,  
R/o Maqsoodpur, Tehsil Bullath.

(Transferor)

- (2) Shri Jagat Singh S/o Shri Khushal Singh,  
R/o Maqsoodpur, Tehsil Bullath.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in V. Maqsoodpur as mentioned in the Registered Deed No. 1519 of February, 1974 of the Registering Authority, Bullath.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/Bhullath/AP-1174/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1566 of February, 1974 situated at V. Begowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhullath in February 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec-

tion 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Suba Singh S/o Fauja Singh  
S/o Roor Singh, R/o Tanda Urman Teh. Dasuya,  
Attorney Faqir Singh S/o Shri Sohan Singh,  
s/o Dad Teh. & Distt. Ferozepur.  
(Transferor)
- (2) Shri Mohan Singh S/o S. Mehtab Singh,  
Jarnail Singh, Bhajan Singh, Awar Singh Balwinder  
Singh Ss/o Shri Nanak Singh,  
Nangal Luhana.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in V. Begowal as mentioned in the Registered Deed No. 1566 of February, 1974 of the Registering Authority, Bhullath.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/PTK/AP-1175/74-75.—Whereas I. D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 2473 of February, 1974 situated at Sarna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Pathankot in February 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s Punjab Khadi Gram Udyog Sangh, Atamsar District Jullundur, through Shri Kanwal Dev S/o Shri Daulat Ram GA. (Transferor)
- (2) Sant Sudershan Muni Sohalwale, Chela Sant Taran Dass ji, Chela Sant Narain Dass presently at Sarna Near Pathankot. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi at Sarna as mentioned in the Registered Deed No. 2473 of February, 1974 of the Registering Authority, Pathankot.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 31st August 1974  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No ASR/PTK/AP-1176/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2541 of February 1974 situated at Pathankot (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot in February 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ram Singh & Sons,  
through S/Shri Ram Singh, Amar Singh, Rattan Singh, Kirpal Singh and Prem Singh,  
C/o Timber Merchants,  
Lajpat Rai Market, Jagraon.

(Transferor)

- (2) Shri Kanwal Nain Chawla S/o Shri Hakim Rai,  
C/o Kay Chawla & Co.,  
College Road, Pathankot

(Transferee)

- (3) As at S No. 2 above,  
[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property,  
[Person(s) whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2541 of February, 1974 of the Registering Authority, Pathankot.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range.

Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1177/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Property as mentioned in the Registered Deed No. 9487 of February, 1974 situated at Mandi Fanton Ganj, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—  
21—336GI/74

(1) Shri Lajpat Rai Sharma,  
Shri Akshay Kumar Sharma,  
S/o Shri Lajpat Rai Sharma,  
GA of Lajpat Rai Sharma,  
14 Rajindra Sanyal Road,  
Maqbool Road, Near Police Station,  
Kesar Bagh, Lucknow.

(Transferor)

(2) Pt. Gopal Krishan Sharma  
S/o Shri Mela Ram Sharma,  
154 Lajpat Rai Nagar  
Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated on Nehru Garden Road, Near Mandi Fanton Ganj, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9487 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1178/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 9473 of February, 1974 situated at Bye Pass Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hans Raj S/o Shri Amar Chand,  
Adda Hoshiarpur.  
Jullundur.

(Transferor)

- (2) Smt. Raksha Devi of Shiv Nagar Jullundur,  
C/o Sat Pal Pandit & Co.,  
Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land at Bye Pass Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9473 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1179/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 9472 of February, 1974 situated at Bye Pass, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hans Raj S/o Shri Amar Chand,  
Adda Hoshiarpur,  
Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Gurdial Singh, Shri Hardev Singh,  
Ss/o Shri Milkha Singh,  
c/o Sat Pal Pandit & Co.,  
Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land near Bye Pass, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9472 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1180/74-75.—Whereas 1, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 9471 of February, 1974 situated at Bye Pass, Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hans Raj S/o Shri Amar Chand,  
Adda Hoshiarpur,  
Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Taru Singh s/o S. Jawala Singh,  
Harjinder Singh S/o S. Jawala Singh,  
c/o Sat Pal Pandit & Co.,  
Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land near Bye Pass Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9471 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Amritsar.

Date : 31st August 1974

Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1181/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 9573 of February, 1974 situated at Bye Pass, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974, Jullundur in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hans Raj S/o Shri Amar Chand,  
Adda Hoshiarpur,  
Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Amra Wati w/o Shri Sant Ram Duggal,  
128/3, Central Town,  
Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
[PPerson(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Bye Pass, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9573 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 31st August 1974  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1182/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 9575 of February, 1974 situated at Bye Pass, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hans Raj S/o Shri Amar Chand, Adda Hoshiarpur, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Smt. Amrawati w/o Shri Sant Ram Duggal, 128/3, Central Town, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property].

- (4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at Bye Pass, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9575 of February 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/PUL/AP/1183 74-75.—Whereas, I. D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 9574 of February, 1974 situated at Bye Pass, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rans Raj s/o Shri Amar Chand, Adda Hoshiarpur, Jullundur.  
(Transferor)
- (2) Shri Tejinder Pal s/o Shri Bikram Singh, Smt. Sharda Devi & Shri Surinder Kumar c/o Shri Sant Ram Duggal, 128/3 Central Town, Jullundur.  
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land situated at Bye Pass, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9574 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1974

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Smt. Parkash Wanti w/o Shri M. R. Datt R/o Shri Nagar, Jullundur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 31st August 1974

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ASR/JUL/AP-1184/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 9470 of February, 1974 situated at Near Bye Pass, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269(D) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Hans Raj S/o Shri Amar Chand, Adda Hoshiarpur, Jullundur.

(Transferor)

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land near Bye Pass, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9470 of February, 1974, of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31-8-1974

Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref No. ASR/JUL/AP-1185/74-75—Whereas, I. D. S GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Land as mentioned in the Registered Deed No 9576 of February, 1974 situated at Bye Pass, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Hans Raj s/o Shri Amar Chand Adda Hoshiarpur, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Smt. Usha Kiran w/o Shri Mohinder Nath of Kapurthala c/o Sant Ram Duggal, 128/3 Central Town, Jullundur

(Transferee)

- (3) As at S No 2 above  
(Person(s) in occupation of the Property)

- (4) Any person interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land situated at Bye Pass, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9576 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-8-1974

Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1186/74-75.—Whereas, I. D. S. GUPTA, being the

competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 9470, 9471, 9472, 9473, 9573, 9574, 9575 &amp; 9576 of February, 1974 situated at Bye Pass, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Hans Raj s/o Shri Amar Chand, Adda Hoshiarnur, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Parkash Wati w/o Shri M. R. Datt, Shiv Nagar, Jullundur. Taru Singh s/o S. Jawala Singh &amp; Harjinder Singh s/o S. Jawala Singh c/o Sat Pal Pandit &amp; Co., Jullundur. Shri Gurdial Singh, Hardev Singh SS/o Shri Milkha Singh, Raksha Devi of Shiv Nagar, Jullundur c/o Sat Pal Pandit &amp; Co., Jullundur. Smt. Amrawati w/o Shri Sant Ram Duggal, Tejinder Singh Pal s/o S. Bikram Singh, Sharda Devi, Surinder Kumar, Usha Kiran w/o Shri Mohinder Nath aa c/o Sant Ram Duggal, 128/3 Central Town, Jullundur. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
(Person(s) in occupation of the Property)(4) Any person interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at Bye Pass, Jullundur as mentioned in the Registered Deeds Nos. 9470, 9471, 9472, 9473, 9573, 9574, 9575 &amp; 9576 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above.  
(Person(s) in occupation of the Property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be inter-  
ested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette or a  
period of 30 days from the service of notice  
on the respective persons, whichever period  
expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing  
the objections, if any, made in response to this notice  
against the acquisition of the immovable property  
will be fixed, and notice thereof shall be given to  
every person who has made such objection, and the  
transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to  
whom notice is given under the preceding paragraph  
shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of  
1961) shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

Ref. No. ASR/JUL/AP-1187/74-75.—Whereas, I, D. S.  
GUPTA,  
being the competent authority under  
Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 1/4th share of Kothi No. 335, Lajpat Nagar, Jullundur as  
mentioned in the Registered Deed No. 9428 of February, 1974  
situated at 335 Lajpat Nagar, Jullundur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at Jullundur in February 1974  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in  
respect of any income arising from the  
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have  
not been or which ought to be disclosed by  
the transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings  
for the acquisition of the aforesaid property in terms  
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43  
of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I  
hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice  
under sub-section (1) of section 269D of the Income-  
tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons  
namely :—

(1) Shri Gopal Krishan Sharma s/o Shri Mela Ram  
Sharma, 335, Lajpat Nagar, Jullundur.  
(Transferor)

(2) Shri Sucha Singh s/o S. Kesra Singh.  
(Transferee)

THE SCHEDULE

1/4 share of Kothi No. 335, Lajpat Nagar, Jullundur as  
mentioned in the Registered Deed No. 9428 of February, 1974  
of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1974  
Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Paramjit Singh Thakur s/o Shri Mohinder Singh V. & P.O. Shanker, District Jullundur.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S. No. 2 above.  
(Person(s) in occupation of the Property)

## GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objection, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 31st August 1974

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

Ref. No. ASR/JUL/AP-1188/74-75.—Whereas, I. D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 4th Kothi 335, Lajpat Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9429 of February, 1974 situated at 335, Lajpat Nagar, Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in February, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

1.4 share of Kothi No. 335, Lajpat Rai Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9429 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

(1) Shri Gopal Krishan Sharma s/o Shri Mela Ram Sharma, 335, Lajpat Nagar, Jullundur.  
(Transferor)

Date : 31-8-1974

Seal



FORM ITNS

(2) Shri Sucha Singh s/o S. Kesra Singh.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1189/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share of Kothi No. 335, Lajpat Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9430 of February, 1974 situated at 335, Lajpat Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gopal Krishan Sharma s/o Shri Mela Ram Sharma, 335, Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferor)

- (3) As at S. No. 2 above.  
(Person(s) in occupation of the Property)

- (4) Any person interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share of Kothi No. 335, Lajpat Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9430 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1974

Seal :

FORM ITNS

(3) As at S No 2 above.

(Person(s) in occupation of the Property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref No ASR/JUL/AP-1190 74-75—Whereas, I, D S GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No 1/4th share of Kothi No 335, Lajpat Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No 9426 of February, 1974 situated at 335, Lajpat Nagar, Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in February, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

- (1) Shri Harpal Singh, Paidip Singh s/o Shri Udham Sharma, 335, Lajpat Nagar, Jullundur  
(Transferor)
- (2) Shri Paramjit Singh Thakur s/o Shri Mohinder Singh V & P O Shanker, District Jullundur  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share of Kothi No 335, Lajpat Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No 9426 of February, 1974 of the Registering Authority Jullundur

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1974

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1191/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 9520 of February, 1974 situated at V. Maqsoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Sec. 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harpal Singh Pardip Singh s/o Shri Udham Singh s/o Shri Sher Singh NM-187 Moh. Karar Khan, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Tirath Ram s/o Shri Gian Chand s/o Shri Dalip Singh, Kings Hotel, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in Village Maqsoodpur as mentioned in the Registered Deed No. 9520 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1974

Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref No ASR JUI /AP 1192/74 75—Whereas I, D S GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No 1/2 Kothi No 85 Lajpat Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No 9591 of February, 1974 situated at Lajpat Rai Nagar Jullundur at Jullundur in February, 1974 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

- (1) Shri Chanan Singh s/o S Basant Singh, 85, Lajpat Nagar Jullundur (Transferor)
- (2) Shri Balwinder Singh s/o S Pitam Singh V Bara pind Teh Phillaur District Jullundur (Transferee)
- (3) As at S No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of Kothi No 85, Lajpat Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No 9591 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur

D S GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date 31-8-1974

Seal.

FORM ITNS

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1193/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  $\frac{1}{4}$  share of Kothi No. 388 of New Jawahar Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9626 of February, 1974, situated at New Jawahar Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri P. C. Menon s/o Shri Govind Ram, 388 New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Datt Rani w/o Shri Ram Labhaya, outside Mandi Fanton Ganj, Jullundur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

$\frac{1}{4}$  share of Kothi No. 388, New Jawahar Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9626 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No ASR/JUI AP 1194/74-75 —Whereas, I, D S Gupta being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No ½ share of Kothi No 388, New Jawahar Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No 9623 of February, 1974, situated at New Jawahar Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri P C Menon s/o Shri Gobind Ram 388 New Jawahar Nagar, Jullundur

(Transferor)

- (2) Shri Abnash Chander s/o Shri Mool Raj Beroon Mandi Fanton Ganj, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

½ share of Kothi No 388, New Jawahar Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No 9623 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D S GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1195/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta being the competent authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 9778 of February, 1974, situated at near A.I.R. Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Amarjit Kaur alias Amar Kaur wd/o Shri Gurgopal Singh, R/o Lama Pind Chak Hussainan, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Paramjit Singh s/o Gurgopal Singh, R/o Lama Pind, Chak Hussainan, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to his notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. E.H. 5 near A.I.R. Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9778 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/SKT/AP-1196/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 1594 of February, 1974 situated at V. Dharian Mushtarka near Saidpur Jhiri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Shahkot in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagjit Singh s/o Shri Mota Singh, Gurdev Singh s/o S. Jagjit Singh, V. Maanwal Araian, Teh. Nakodar. (Transferor)
- (2) Shri Bachan Singh s/o S. Dalip Singh, V. Billi Baraich, Chanan Kaum w/o Shri Joginder Singh, V. Bajwan Kalan Teh. Nakodar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any of the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in V. Dharian Mushtarka as mentioned in the Registered Deed No. 1594 of February, 1974 of the Registering Authority, Shahkot.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st August 1974  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref No. ASR/KPL/AP-1197/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2695 of February, 1974, situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Kapurthala in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sat Pal s/o Diwan Chand, Vinod Kumar, Parmod Kumar SS/o Shri Sat Pal, Kapurthala.  
(Transferor)
- (2) Shri Rihant Kumar, Gopal Krishan SS/o Parkash Chand c/o Parkash Chand Karori Mal, Mandi, Kapurthala.  
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Kapurthala as mentioned in the Registered Deed No. 2695 of February, 1974 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1200/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 9986 of February, 1974, situated at Session Court Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Jullundur in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sehdev Singh, s/o Sh. Rajeshwar Singh 187 Session Court Road, Jullundur.  
(Transferor)

- (2) Shri Dharam Pal, s/o Shri Ishar Dass, 78 Industrial Area, Ludhiana.  
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land situated at Session Court as mentioned in the Registered Deed No. 9986 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1201/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 9517 of February, 1974, situated at Session Court Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Sehdev Singh, 187 Session Court Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Pal, 78, Industrial Area Ludhiana.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Session Court Road, Opp. P. & T. Colony, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9517 of February, 1974, of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.  
Chandigarh.

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1202/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta  
being the Competent

Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961  
(43 of 1961), have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 9886  
of February, 1974, situated at Master Mota Singh Nagar,  
Jullundur

(and more fully described in  
the Schedule annexed hereto) has been transferred as per  
deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Jullundur in February 1974,

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s)  
and the transferee(s) has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the Income-tax  
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income  
arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of  
1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or  
the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the  
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been  
recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby  
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid  
property by the issue of this notice under sub-section (1) of  
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to  
the following persons, namely :—

(1) Shri Jaswir Singh GA of S. Tejinder Singh of  
Jullundur City.

(Transferor)

(2) Shri Sewa Singh, 291 Master Mota Singh Nagar,  
Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of  
the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s)  
whom the undersigned knows to be interested in the  
property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the  
objections, if any, made in response to this notice against the  
acquisition of the immovable property will be fixed, and  
notice thereof shall be given to every person who has made  
such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom  
notice is given under the preceding paragraph shall have a  
right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the Income-tax  
Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same  
meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 416, Master Mota Singh Nagar, Jullundur as men-  
tioned in the Registered Deed No. 9886 of February, 1974 of  
the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1199/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 9481 of February, 1974, situated at V. Parasrampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gian Singh s/o Shri Buta Singh V. Parasrampur Teh., Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Sadhu Singh s/o S. Kartar Singh R/o Parasrampur Teh., Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.  
February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1206/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land as mentioned in the registered Deed No. 9791 of February, 1974, situated at Mota Nagar, Garha Road, Scheme, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) on the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Yash Pal Sharma s/o Shri Parkash Dutt, EK-102 Shiv Raj Garh, Jullundur, SA Smt. Satya Wati of Jullundur.

(Transferor)

- (2) Smt. Surjit Kaur w/o Shri Hoshiar Singh, Vill. Kakar, Teh. Gaih Shanker, District Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 256 Mota Nagar Graha Road Scheme, Jullundur, as mentioned in the Registered Deed No. 9791 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st August 1974

Seal :

FORM ITNS

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom undersigned known to be interested in the property]

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

No ASR/JUL/1223/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No 9829 of February, 1974 situated at Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hans Raj s/o Shri Upinder Dutt,  
G. T. Road, Jullundur.  
(Transferor)
- (2) Shri Daljit Singh s/o S Ujagar Singh.  
Phulriwala, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As at S No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No 762-63, Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No 9829 of February, 1974 of the Registering Authority Jullundur

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date 31-8-1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

No. ASR/JUL/AP-1208/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 9937 of February, 1974, situated at Police Line Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bhagwati Wig w/o Shri Bhim Sain Wig Advocate and Ravinder Kumar Wig s/o Shri Bhim Sain Wig, 85 Civil Lines, Jullundur, Sham Kumar Bhardwaj s/o Shri Sat Pal Bhardwaj Central Town Jullundur GA for Dalip Kumar Wig s/o Shri Bhim Sain Wig.
- (2) Sh. Sukhdev Malti s/o Shri Dogar Singh s/o Shri Khewa Ram R/o Muran Wali Teh. Garhshanker District Hoshiarpur.
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Police Line Road, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9937 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st August 1974

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/PZK/AP-1227/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3844 of February 1974, situated at V. Jandwala Meeram Sanglu, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka in February 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Munshi Ram s/o Guran Ditta Ram R/o 21, S.t.g. Teh. Surat garh through Jarsain s/o Shri Munshi Ram, Spl. Attorney.

(Transferor)

- (2) Shri Kundan Singh s/o S. Udham Singh, Varsa Singh, Dial Singh SS/o Ajaib Singh R/o Jandwala Meeran Sangla, Teh. Fazilka.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in V. Jandwala Meeran Sangla as mentioned in the Registered Deed No. 3844 of the Registering Authority, Fazilka.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-8-1974

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. Kanta Aggarwal s/o Shri Roop Lal Aggarwal, 270 Central Town, Jullundur Shri Jai Singh s/o S. Gurdit Singh, 291 Mota Singh Nagar Jullundur. Shri Ajay Vir Singh s/o Shri Lakhbir Singh Advocate, 186 Session Court Road, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1209/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 9826 of February, 1974, situated at Session Court Road, Jullundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sehdev Singh s/o Shri Rajeshwar Singh 187 Session Court Road, Jullundur. (Transferor)

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the  
Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned  
knows to be interested in the  
Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at Session Court Board, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9826 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) M/s Prem Industries, Dossanj Road, Phagwara,  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/PHG/AP-1231/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2117 of February 1974, situated at V. Dhak Chachoki, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Chander Mohini w/o Shri Prehlad Bhagat r/o Phagwara,  
(Transferor)

- (3) As at S. No. 2 above,  
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in V. Dhak Chachoki as mentioned in the Registered Deed No. 2117 of February 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-8-1974

Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/FZK/AP-1234/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 4074 of February 1974, situated at V. Chand Rohi Wala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Boota Singh s/o Shri Sohan Singh r/o Chand Rohi Wala Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh, Lakhbir Singh s/o Gurmej Singh R/o Jandwala Bemasam.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above,  
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in V. Chand Rohi Wala as mentioned in the Registered Deed No. 4074 of February 1974 of the Registering Authority, Fazilka.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
IAC of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1974

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/FZK/AP-1235/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3654 of February 1974, situated at V. Haze Khas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Fazilka in February 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ram Kali d/o Shri Nand Lal R/o Delhi.  
(Transferor)

25—336GI/74

(2) Shri Mathra Dass s/o Shri Hira Lal, Kaushalaya  
Devi d/o Shri Nand Lal, Fazilka.  
(Transferee)(3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property](4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be  
interested in the property]Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.It is hereby notified that a date and place for hearing  
the objections, if any, made in response to this notice  
against the acquisition of the immovable property will  
be fixed, and notice thereof shall be given to every per-  
son who has made such objection, and the transferee of  
the property.It is hereby further notified that every person to whom  
notice is given under the preceding paragraph shall have a  
right to be heard at the hearing of the objections.EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter  
XXA of the Income-tax Act, 1961  
(43 of 1961) shall have the same  
meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in V. Haze Khas as mentioned in the Registered Deed  
No. 3654 of February, 1974 of the Registering Authority,  
Fazilka.

D. S. GUPTA

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, AmritsarDate : 31-8-1974  
Seal ;

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/BTD AP-1236/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 5795 of February 1974, situated at V. Ganga, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion or the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Arjan Singh s/o Shri Harnam Singh s/o Kesar Singh R/o Gang Teh. & Distt. Bhatinda.  
(Transferor)

(2) Shri Lal Singh, Hargopal Singh, Darshan Singh SS/o S. Sapooria s/o S. Harnam Singh Ram Singh, Lachhman Singh SS/o Shri Suhawa Singh s/o Harnam Singh R/o Ganga

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in Village Ganga as mentioned in the Registered Deed No. 5795 of February, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31-8-1974  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR BTID/AP-1239 74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 6287 of February 1974, situated at Bhatinda, (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hans Raj s/o Shri Labhu Ram G/A Rattan Lal s/o Shri Hans Raj r/o Bhatinda, Kila Road, Near Gudwara, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shri Baldev Singh, Harinder Singh, Harjoginder Singh s/o Shri Sucha Singh, Gurdial Singh s/o Inder Singh, Naranjan Singh s/o Kartar Singh, Kartar Singh s/o Mukand Singh, Karnail Singh s/o S. Kapoor Singh, Mithu Singh s/o S. Bhagwan Singh, Gurdev Singh s/o S. Karnail Singh, Bhagwan Singh s/o Vir Singh R/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above,

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in Bhatinda as mentioned in the Registered Deed No. 6287 of February 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar

Date 31-8-1974

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR.

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1218/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 9397 of February, 1974 situated at Near Model Town, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Gurmail Singh S/o Gurbachan Singh Sandhu & Smt. Ranjeet Kaur w/o Shri Gurmail Singh, U.K. through Shri Bharat Bhushan, 47 Partap Road, Jullundur,

(Transferor)

- (2) Smt. Balwinder Kaur w/o Kuljeet Singh s/o Shri Dilbagh Singh, 390-L, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom undersigned known to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land near Model Town, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9397 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur

D. S. GUPTA,

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date - 31-8-1974

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/KPL/AP-1210/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 2616 of February, 1974, situated at Jullundur Road, Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramesh Khosla, Managing Director, Khosla Sales (India) Kapurthala. (Transferor)
- (2) M/s. Hindustan Fans Manufacturer, Jullundur Road, Kapurthala through Smt. Sushila Wati. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]
4. Any person interested in the property,  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Jullundur Road, Kapurthala as mentioned in the Registered Deed No. 2616 of February 1974 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ratanji Parmar,  
Fulpada, Tal. Chorasi, Surat.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Saurashtra Co-operative Housing Society Ltd.  
Surat—through its Chairman, Kantilal Chhaganlal Mistry.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 28th August 1974

No. PR.149-Acq.23-215/19-748/73-74.—Whereas, I P. N. Mittal being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rev. Survey No. 121-1 Paiki and No. 121-2 Paiki situated at Fulpada, Tal. Chorasi, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

I and bearing Rev. No. 121-1 Paiki and 121-2 Paiki Hissa No. 1, 2, 6 and 7 situated at Fulpada, Tal. Chorasi, Surat—admeasuring in aggregate 7093-67 Sq. yards as mentioned in the registered deed No. 386, 387, 388 and 389 of February 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
I.A.C. of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 28-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

No. ASR/IUL/AP-1207/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 31 Shahid Udham Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10019 of February, 1974 situated at Shahid Udham Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Roshan Singh s/o S Bachitar Singh of Suraj Garj, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Chaman Ram s/o Shri Pritu Ram, Balbir, Budh Dev, Stevan SS/o Shri Chaman Ram R/o Kangniwala, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 31 Shahid Udham Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 10019 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA.

Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st August 1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR.

Amritsar, the 31st August 1974

No. ASR/JUL/AP-1216/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 9618 of February, 1974, situated at New Jawahar Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harbhajan Lal s/o Shri Daulat Ram  
R/o Bilga Teh. Phillaur.

(Transferor)

- (2) Shri Krishan Lal s/o Shri Nihal Chand,  
266, Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom undersigned known to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 42 New Jawahar Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9618 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority  
IAC of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31-8-1974

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
AMRITSAR.

Amritsar, the 31st August 1974

No. ASR/JUL/AP-1217/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 9816 of February, 1974.

situated at Industrial Area, Jullundur.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

26—336GI/74

(1) Smt. Inder Kaur w/o Shri Charan Singh  
2413 Tilak Street, Chuna Mandi  
Pahar Ganj, New Delhi-55,  
(Shankar Singh, Ajit Singh s/o Late Charan Singh  
Smt. Mohinder Kaur w/o Late Sh. Charan Singh,  
2413 Tilak Street, Chuna Mandi, Pahar Ganj,  
New Delhi-55 and Rajinder Kaur w/o Sadhu Singh,  
Gali No. 5, H. No. 757, Mohalla Partap Nagar,  
Ludhiana. As per enquiries)

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Jain, Smt. Mehma Wati Jain through  
Shri Raj Kumar 267 Adrash Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom undersigned known to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 45E & 84E, Industrial Area, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9816 of February, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
I.A.C. of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Amritsar.

Date : 31-8-1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref No. ASR/AP-1232/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 3679 of February, 1974, situated at Lohgarh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Smt. Teka Dai, Dharam Chand s/o Kidar Nath, Kewal Kumar Vinod Kumar, Surinder Kumar R/o O/S Lohgarh, Kucha Piara Mal, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Kapal Kishore & Shri Parmod Kumar ss/o L. Puran Chand Chowk Passian, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objectless, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as Lohgarh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3679 of February, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

Gurdev Singh s/o Gurniamat Singh of V. Kala Ghanupur, Teh. Amritsar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Parlap Steel Rolling Mills, Chbeharta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

No, ASR/AP-1241/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 9306 of February, 1974 situated at V. Kala Ghanupur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Amritsar in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Swaran Singh, Karam Singh, Charan Singh, Salamat Singh, Jagtar Singh and Baldev Singh alias

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in V. Kala Ghanupur as mentioned in the Registered Deed No. 9306 of February, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31-8-1974

Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/Malout/AP-1245/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop as mentioned in the Registered Deed No. 1774 of February, 1974, situated at Malout (Mandi Sheikhu) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Malout Mandi in February 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Raj Kumar, Ashok Kumar, Narinder Kumar  
SS/o Shri Kashmiri Lal, Malout.

(Transferor)

(2) Shri Sawan Mal, Marolia s/o Bhagwan Dass,  
Malout.

(Transferee)

3. As at S. No 2 above.

[Person(s) in occupation of the  
Property].

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned  
knows to be interested in the  
property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop in Malout (Mandi Sheikhu) as mentioned in the Registered Deed No. 1774 of February, 1974 of the Registering Authority, Malout Mandi.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31-8-1974.

Seal:



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

No. ASR/AP-1243/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 9636 of February, 1974 situated at Khurmanian (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Balbir Singh s/o S. Chet Singh Khurmanian Now Chhebbu through S. Upinder Singh s/o Gurbax Singh R/o Khalsa Bazar, Teh. Amritsar. (Transferor)

- (2) Smt. Naranjan Kaur Wd/o Gurbax Singh, V. Khurmanian. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in Khurmanian as mentioned in the Registered Deed No. 9636 of February, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
I.A.C. of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1974

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

No. ASR/JUL/AP-1222/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 9828 of February, 1974, situated at Mota Singh Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in February, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hans Raj Sharma s/o Shri Upinder Dutt,  
G. T. Road, Jullundur.  
(Transferor)
- (2) Shri Janak Singh Gill s/o Shri Ujagar Singh,  
Phulriwala, Jullundur.  
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 762-63, in Mota Singh Nagar Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9828 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-8-1974

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/AP-1233/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 36778 of February 1974, situated at Lohgarh, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as for deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Teka Dai, Dharam Chand, Surinder Kumar, Kewal Kumar, Vinod Kumar, through Sh. Dharam Chand R/o Lohgarh, Kucha Piara Mal, Amritsar.  
(Transferor)

- (2) Shri Sudesh Kumar s/o Shri Puran Chand, Smt. Kamlesh w/o Sudesh Kumar Chowk Passian, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Lohgarh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3678 of February, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-8-1974

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/KPL/AP-1213/74-75.—Whereas I. D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing property as mentioned in the Registered deed No. 2618 of February, 1974 situated at Jullundur Road, Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala February, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramesh Khosla, Managing Director Khosla Sales (India) Kapurthala, (Transferor)

- (2) M/s. Hindustan Fans Manufacturing, Jullundur Road through Smt. Sushila Watl. (Transferee)

3. As at S. No 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Jullundur Road, Kapurthala as mentioned in the Registered Deed No. 2618 of February 1974 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
IAC of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1974.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/KPL/AP-1213/74-75.—Where J. D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 2617 of Jullundur Road Kapurthala February, 1974. situated at Jullundur Road, Kapurthala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Kapurthala in February, 1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeds for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramesh Khosla, Managing Director Khosla Sales (India) Kapurthala. (Transferor)

(2) M/s. Hindustan Fans Manufacturing, Jullundur Road, Kapurthala through Smt. Sushila Wati. (Transferee)

3. As at S. No 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Jullundur Road, Kapurthala, as mentioned in the Registered Deed No. 2617 of February, 1974 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

No.ASR/AP-1242 74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 9458 of February, 1974 situated at Dehriwala Teh. Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Amritsar in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harnam Singh S/o S. Chanda Singh  
R/o Dehriwala Teh. Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Sawinder Kaur w/o Randhir Singh,  
R/o Kohala Teh. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in Dehriwala Teh. Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 9458 of February, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1974

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR.

Amritsar, the 31st August 1974

No. ASR/JUL/AP-1219/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 9740 of February, 1974, situated Near Hind Samachar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in February, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income if any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shree Jagat Singh s/o Shri Sadhu Singh  
R/o Nadala, Teh. Kapurthala  
(Transferor)
- (2) Shri Krishan Lal s/o Shri Kahan Chand,  
c/o Latest Printers, Cannanught Circus, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Plot No. 9 Near Hind Samachar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9740 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-8-1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,

AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/AP-1249/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 3805 of February, 1974, situated at Krishan Nagar, Amritsar, and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in February 1974 and more fully described in the schedule for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Surinder Kumar Jaura, Mohinder Kumar Jaura SS/o Shri Chandan Lal Jaura, 346 Sector 9-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Harnam Singh s/o Shri Gulab Singh, Amar Kaur w/o Harnam Singh, Jaura Pipal, Amritsar.

(Transferee)

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the property].

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 35, Krishan Nagar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3805 of February, 1974 of the Registering Authority Amritsar.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-8-1974.

Seal :



## FORM ITNS—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

## AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/KPL/AP-1211/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2615 of February, 1974 situated at Jullundur Road Kapurthala and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in February, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ramesh Khosla, Managing Director Khosla Sales (India) Kapurthala, (Transferor)
- (2) M/s. Hindustan Fans Manufacturer, Jullundur Road, Kapurthala through Smt. Sushila Wati. (Transferee)

3. As at S. No 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Jullundur Road, Kapurthala as mentioned in the Registered Deed No. 2615 of February, 1974 of the Registering Authority Kapurthala.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1974.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/FZK/AP-1228/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 3392 of February 1974, situated at V. Pakan, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Fazilka in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Atma Singh s/o S. Boota Singh r/o Pakan, Teh. Fazilka.

(Transferor)

- (2) Shri Boota Singh, Sajjan Singh, Balwant Singh, Harbans Singh SS/o Surain Singh & Mahinder Singh s/o Santokh Singh Pishora Singh, Hira Singh, Major Singh, Karnail Singh, Jail Singh SS/o Shri Tara Singh Samma Singh, Swaran Singh SS/o Udham Singh & Mohan Singh, Sohan Singh SS/o Shri Amar Singh, Roor Singh s/o Shri Thakar Singh R/o Pakan, Teh. Fazilka.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in V. Pakan as mentioned in the Registered Deed No. 3392 of February, 1974 of the Registering Authority, Fazilka.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-8-1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/KPL/AP-1214/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property as mentioned in the Registered Deeds Nos. 2615, 2616, 2617 &amp; 2618 of February, 1974,

situated at Jullundur Road Kapurthala

and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in February, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramesh Khosla, Managing Director Khosla Sales (India) Kapurthala. (Transferor)

(2) M/s. Hindustan Fans Manufacturer, Jullundur Road, Kapurthala, through Smt. Sushila Wati. (Transferee)

3. As at S. No 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property].

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Jullundur Road, Kapurthala as mentioned in the Registered Deeds Nos. 2615, 2616 2617 &amp; 2618 of February, 1974 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Amritsar.Date : 31-8-1974.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Manju s/o Duna V. Jega Teh. Dasuya.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jewan Singh Seetal Singh SS/o Manju, V. Jega Teh. Dasuya.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/Dasuya/AP-1248/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3397 of February, 1974, situated at V. Jega (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dasuya in February, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

3. As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the property].

4. Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at V. Jega as mentioned in the Registered Deed No. 3397 of February, 1974 of the Registering Authority, Dasuya.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31-8-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/KPL/AP-1215/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2694 of February, 1974, situated at Kapurthala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala in February, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

28—336GI/74

(1) Shri Sat Pal s/o Diwan Chand, Vinod Kumar, Parmod Kumar SS/o Shri Sat Pal, Kapurthala, (Transferor)

(2) Shri Ram Naresh, Joginder Paul SS/o Shri Tirath Ram, Kapurthala. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom undersigned known to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Kapurthala as mentioned in the Registered Deed No. 2694 of February, 1974 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31-8-1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

No. ASR/AP-1244/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 3710 of February, 1974 situated at Taran Taran Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Amritsar in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kundan Singh s/o Phalla Singh,  
Abadi Sarwarpura, Br. No. 4, House No. 4725/  
XVI-37, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Chaman Lal s/o Bahadar Chand Arora,  
344-A, Green Avenue, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above,  
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property,  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Taran Taran Road, as mentioned in the Registered Deed No. 3710 of February, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1974

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1225/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in Registered Deed No. 9894 of February, 1974, situated at V. Nagara, Teh. Jullundur, Delhi on 12-3-1974, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Arjan Singh, Jamiat Singh SS/o Shri Jowala Singh & Hukmi Wd/o Jowala Singh V. Nagra, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) S.I. Bricks & Builders (P) Ltd., Chowk Deepak Cinema, Ludhiana.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in V. Nagra as mentioned in the Registered Deed No. 9894 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-8-1974

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/BTD/AP-1238/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 5985 of February 1974, situated at Near Thermal Plant, Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Nihal Kaur w/o Shri Karam Singh R/o Bhatinda.

(Transferor)

- (2) The Bhatinda Truck Operators Union, Bhatinda.  
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land near Thermal Plant, Bhatinda as mentioned in the Registered Deed No. 5985 of February 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-8-1974

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/FZK/AP-1229/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3609 of February, 1974, situated at V. Aliana, and (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Fazilka in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Jinda Singh s/o Arjan Singh R/o Aliana Teh. Fazilka.  
(Transferor)

- (2) Shri Sham Singh, Tara Singh SS/o Jinda Singh R/o Aliana Teh. Fazilka.  
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections. If any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1971 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in V. Aliana as mentioned is the Registered Deed No. 3609 of February, 1974 of the Registering Authority, Fazilka.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-8-1974  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No ASR/JUL/AP-1220/74-75.—Whereas I. D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 9823 of February, 1974.

situated at Mota Singh Nagar, Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February, 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hans Raj Sharma s/o Shri Upinder Dutt, Rakab Ganj, Lucknow. NOW G.T. Road, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Amrik Singh Gill s/o S. Ujagar Singh R/o Phulriwala, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom undersigned known to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is, hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the requisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9823 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range Amritsar

Date : 31-8-1974

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/BTD/AP-1237/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 5829 of February 1974, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bhatinda in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lakha Singh s/o Shri Fagga Singh, Bohga Singh s/o S. Fagga Singh, Mahinder Singh s/o S. Bohga Singh R/o Bambian.

(Transferor)

- (2) Shri Mahinderjeet Singh, Parth Singh, Charat Singh SS/o S. Nand Singh, Ajaib Singh, Angrej Singh, Jant Singh SS/o Nand Singh, Sadhu Singh, Harnam Singh SS/o Gaj Singh R/o Chak Atanwal.  
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5829 of February 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-8-1974

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) S.I. Bricks &amp; Builders (P) Ltd., Deepak Cinema Chowk, Ludhiana.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1226/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 9874 of February 1974, situated at V. Nagra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Arjan Singh, Jamiat Singh SS/o Shri Jowala Singh & Smt Hukmi Wd/o Jowala Singh, V. Nagra, Teh. Jullundur.

(Transferor)

- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in V. Nagra as mentioned in the Registered Deed No. 9874 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-8-1974

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

No ASR/JUL/AP-1221/74 75 —Whereas I, D S GUPTA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No 9824 of February, 1974 situated at Mota Singh Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur in February 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely

- (1) Shri Hans Raj Sharma s/o Shri Upinder Dutt  
G T Road, Jullundur  
(Transferor)
- (2) Smt Kartar Kaur w/o Shri Ujagar Singh,  
Phulriwala, Jullundur.  
(Transferee)

- (3) As at S No 2 above  
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property  
[Person(s) whom undersigned known to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Plot No 762-63 situated in Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No 9824 of February, 1974 of the Registering Authority Jullundur

D S GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date 31-8-1974

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref No ASR/PHL/AP-1230/4-75—Whereas I, D S Gupta, being the Competent Authority under section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No Land as mentioned in the Registered Deed No 4368 of February 1974 situated at V Mahala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in February 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sameet Singh s/o Naranjan Singh R/o Gadda, Teh Nawan Shehar  
(Transferor)
- (2) Smt Joginder Kaur w/o Dhian Singh R/o Dushak Khurd, Teh Nawan Shehar  
(Transferee)

(3) As at S No 2 above  
[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]  
Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land in V Mahla as mentioned in the Registered Deed No 4368 of February 1974 of the Registering Authority, Phillaur

D S GUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date 31-8-1974

Seal .

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Amritsar, the 31st August 1974

No. ASR/JUL/AP-1224/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 9423 of February, 1974, situated at Udham Singh Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Jassa Ram s/o Bawa Atar Singh  
c/o Attar Singh Bodh Raj,  
Sabzi Mandi, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Sarup Singh s/o S. Ganga Singh  
S/o Gurditta Mal E.H. 180 Civil Lines, Jullundur.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom undersigned known to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 128 situated in Udham Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 9423 of February, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 31-8-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

No. ASR/BTD/AP-1240/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 6288 of February, 1974 situated at Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in February 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bashishat Kumar S/o L. Hans Raj,  
R/o Bhatinda, Kila Road Near Gurdwara, Bhatinda.  
(Transferor)

- (2) Shri Baldev Singh, Harinder Singh, Harjoginder Singh SS/o Sucha Singh, Gurdial Singh s/o Inder Singh, Naranjan Singh s/o Kantar Singh, Kartar Singh s/o Mukand Singh, Karanil Singh s/o Kapoor Singh, Mithu Singh s/o Bhagwan Singh, Gurdev Singh s/o Karnail Singh, Bhagwan Singh s/o Veer Singh R/o Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property,  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No 6288 of February, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-8-1974  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/HSP/AP-1247/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 4245 of February, 1974 situated at V. Mehlanwali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in February 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Gulwant Rai, Jaswant Rai, Sarjiwan Lal SS/o Om Parkash s/o Nathu Ram V. Garh Shanker District Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh, Balbir Singh, Karamjit Singh SS/o Darshan Singh s/o Jagat Singh, Folriwal District Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Mehlanwali as mentioned in the Registered Deed No. 4245 of February 1974 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-8-1974.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/GSK/AP-1246/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3479 of February, 1974, situated at V. Darapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Garh Shanker in February 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Mal Singh s/o Natha Singh s/o Bura R/o Darapur Teh. Garh Shanker. (Transferor)

(2) Smt. Amar Kaur w/o Tarseem Singh s/o Santa Singh R/o Gujarpur Teh. Garh Shanker. (Transferee)

3. As at S. No 2 above,

[Person(s) in occupation of the property].

4. Any person interested in the property,

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in V. Darapur as mentioned in the Registered Deed No. 3479 of February, 1974 of the Registering Authority, Garh Shanker.

D. S. GUPTA,  
Competent Authority,  
IAC of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date: 31-8-1974.

Seal:

**INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING &  
MANAGEMENT**

**NOTICE**

**CLERKS' GRADE EXAMINATION, 1975**

*New Delhi, the 23rd November 1974*

**No. F.13/7/74-ARRNG.**—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in :

- (i) Indian Foreign Service (B)—Grade VI;
- (ii) Railway Board Secretariat Clerical Service—Grade II;
- (iii) Central Secretariat Clerical Service—Lower Division Grade;
- (iv) Armed Forces Headquarters Clerical Service—Lower Division Grade;
- (v) Posts of Lower Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs, New Delhi;
- (vi) Posts of Lower Division Clerk in the office of the Special Inspector General, Indo-Tibetan Border Police, Delhi; and
- (vii) Posts of Lower Division Clerk in other Departments and Attached Offices, of the Government of India not mentioned above.

will be held by the Institute of Secretariat Training & Management at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, GAUHATI, HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SRINAGAR, TRIVANDRUM and at selected Indian Missions abroad on the 10th July, 1975 in accordance with the Rules published by the Department of Personnel & Administrative Reforms in the Cabinet Secretariat in the Gazette of India, dated the 23rd November, 1974.

THE CENTRES AND THE DATE OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE INSTITUTE. CANDIDATES ACCEPTED FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED AT WHAT PLACE, AT WHAT TIME AND ON WHAT DATE THEY SHOULD PRESENT THEMSELVES.

2. (a) The approximate number of vacancies in the various Services and posts mentioned in para 1 above, for which recruitment is to be made on the basis of this examination, is given below :

- |  |        |
|--|--------|
| (i) Indian Foreign Service (B)—Grade VI  | *      |
| (ii) Railway Board Secretariat Clerical Service—Grade II   | *      |
| (iii) Central Secretariat Clerical Service—Lower Division Grade  | 1000** |
| (iv) Armed Forces Headquarters Clerical Service—Lower Division Grade   | *      |
| (v) Posts of Lower Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs, New Delhi                                      | *      |
| (vi) Posts of Lower Division Clerk in the Office of the Special Inspector General, Indo-Tibetan Border Police, Delhi, and .. | *      |
| (vii) Posts of Lower Division Clerk in other Departments and Attached Offices of the Govt. of India not mentioned above      | *      |

\*will be determined later.

\*\*The above numbers are liable to alteration.

(b) In addition to the number of vacancies in the Central Secretariat Clerical Service *vide* sub-para (a) above, some more vacancies may be required to be filled in this service at a later stage. For that purpose a Reserve List containing names in the order of merit, the number of which would be determined by Government before the declaration of the result of this examination, may also be drawn up for being utilized for making appointments to the Central Secretariat Clerical Service

before the declaration of the result of the Clerks' Grade Examination to be held in 1976. Candidates competing for the Central Secretariat Clerical Service should state clearly in their applications whether they wish to be considered for inclusion in such a Reserve List; and if so, they should indicate clearly in Col. 14 of the application form their preference for the Reserve List in their order of preferences.

(c) Out of the vacancies mentioned above certain vacancies will be reserved for candidates who are ex-Servicemen as may be decided by the Government of India.

(d) Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India which for the present is 15 per cent for Scheduled Castes and 7½ percent for Scheduled Tribes.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the services posts covered by the scheme of the Examination in accordance with the provisions of the Department of Personnel & Administrative Reforms Notification No. 10/20/74-CS(II), dated the 23rd November, 1974.

If he wishes to be admitted for more than one Service/post, he need send in only one application. He will be required to pay the fee once only, and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

4. No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or is not a resident of the Union Territory of Pondicherry or is not a resident of the Union Territory of Goa, Daman & Diu or is not a migrant from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) shall be permitted to complete more than two times at the examination held from 1961 onward.

The number of chances already availed of by candidates not belonging to the categories mentioned above will be carefully checked before they are actually appointed. Such candidates are warned that if it is found on such checking or otherwise that any of them had already appeared in the examination twice during the years 1961 to 1974 and was thus ineligible to sit in the examination, action will be taken against him as per rules 5 and 15 of the Rules relating to the examination.

5. A candidate is required to specify clearly in the application form, in the order of preference, the Services/posts for which he wishes to be considered. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that, having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences when making appointments. A candidate desirous of being considered for inclusion in the Reserve List for the Central Secretariat Clerical Service should indicate his preference for the Reserve List specifically in the order of preferences in Col. 14 of the application.

No request for alteration in the order of preferences for the services posts originally indicated by a candidate in his application, would be considered unless such a request is received in the office of the Institute of Secretariat Training & Management within three months of the date of examination.

6. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Deputy Director (Examinations Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1, Post Bag No. 2, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022 on the prescribed form of application. The prescribed forms of application & full particulars of the examination can be obtained on cash payment of Rupee one each at the counter in the Institute's office up to the 13th January, 1975. They are also obtainable from the Institute by post up to the 13th January, 1975 on payment of Rupee one each, which should be remitted by Postal Order(s) crossed with 'A/c Payee only' crossing and payable to the 'Institute of Secretariat Training and Management', at R. K. Puram (Delivery) Post Office New Delhi. The name of the examination—CLERKS' GRADE EXAMINATION, 1975—should be clearly indicated in the requests for application form. The postal order(s) should be accompanied by three slips showing the name and address of the candidate in block capitals. On receipt of the Postal Order(s) for Rupee one and the three slips mentioned above, a copy of the application form and full particulars of

the examination will be sent to the candidate by ordinary post. If, however, any candidate desires that the application form and full particulars of the examination should be sent to him by registered post he should say so clearly while asking for the same and remit an additional amount of Rupee one, i.e., he should send posted order(s) for Rs. 2/- in addition to three slips showing the name and address. Money Orders or cheques of course notes will not be accepted in lieu of Postal Orders. This amount of Re. 1.00 or Rs. 2.00, as the case may be, will in no case be refunded.

Applicants living abroad should send Indian Postal Order(s) towards the cost of the application form or deposit the equivalent of Re. 1/- or Rs. 2/- as the case may be, in the office of India's High Commissioner/Ambassador/Representative, who should be asked to credit the amount to the account head "065—Other Administrative Services—C. Other Services—Institute of Secretariat Training & Management—Other Receipts—Sale of Application Forms" (adjustable by the Accountant General, Central Revenues, New Delhi), obtain a receipt in TR-5 Form from that office and forward the receipt to the Institute. Three slips showing the name and address of the candidate in block capital letters should also be sent with the Postal Order/Receipt.

**THE NOTICE, INSTRUCTIONS TO CANDIDATES, AND RULES HAVE BEEN PRINTED BOTH IN HINDI AND ENGLISH. WHILE APPLYING FOR APPLICATION FORMS, CANDIDATES SHOULD CLEARLY INDICATE IF THEY WANT THE COPY OF RULES ETC. TO BE SENT TO THEM IN HINDI OR IN ENGLISH. IF THEY DO NOT DO SO, IT WILL BE ASSUMED THAT THEY WANT THESE DOCUMENTS TO BE SENT TO THEM IN ENGLISH.**

**NOTE 1.**—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Clerks' Grade Examination, 1975. Applications on forms other than the one prescribed for the Clerks' Grade Examination, 1975 will not be entertained.

**NOTE 2.**—No request for supply of application form and full particulars of the examination will be entertained after the 13th January, 1975. Requests for supply of application forms and full particulars of the examination from persons residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep will, however, be entertained up to the 27th January, 1975.

7. The completed application form must reach the Deputy Director (Examination Wing) Institute of Secretariat Training and Management, West Block I, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110022, on or before the 13th January, 1975 accompanied by necessary documents in accordance with the Instructions to Candidates contained in Annexure. No application received after that date will be considered.

Applications from candidates residing abroad, in the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep from a date prior to the 13th January, 1975 will, however, be accepted upto the 27th January, 1975.

**NOTE 1.**—Candidates who send their request for application forms or applications at a late date will do so at their own risk.

**NOTE 2.**—Applicants who submit their applications at the Institute's counter should obtain the acknowledgement card from the Clerk who receives the application forms then and there.

8. (i) **Prescribed Fee**—Candidates seeking admission to the examination, except those falling under sub-para (iii) and (iv) below must pay the following fee to the Institute with the completed application forms :—

Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging into the Scheduled Castes and Scheduled Tribes).

(ii) The fee mentioned in para 8(i) should be paid by means of Indian Postal Orders crossed with 'A/c Payee only' crossing payable to the Institute of Secretariat Training & Management. The Postal Orders should be filled as per specimen given below :—

<p>Pay to</p> <p>Institute of Secretariat Training &amp; Management New Delhi</p> <p><b>POSTAL ORDER</b></p> <p>to A. R. Puram Delivery Post Office New Delhi</p>
---

The Institute will not accept payment made otherwise.

(iii) Ex-Servicemen released from the Armed Forces are exempt from payment of the examination fee prescribed above.

(iv) The Institute may at its discretion remit the prescribed fee where it is satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from Bangla Desh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(v) A CANDIDATE MUST NOTE THAT IT IS NOT SAFE TO SEND POSTAL ORDERS WHICH ARE NEITHER CROSSED NOR MADE PAYABLE TO THE INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING & MANAGEMENT, NEW DELHI, AT R. K. PURAM (DELIVERY) POST OFFICE, NEW DELHI. FULL PARTICULARS OF THE POSTAL ORDERS SHOULD BE ENTERED IN THE SPACE PROVIDED FOR THE PURPOSE AT THE TOP OF THE APPLICATION FORM.

AN APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY CROSSED INDIAN POSTAL ORDERS FOR THE PRESCRIBED FEE WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO EX-SERVICEMEN—*VIDE* PARA 8(iii) ABOVE, AND TO DISPLACED PERSONS FROM BANGLA DESH (ERSTWHILE EAST PAKISTAN) AND REPATRIATES OF INDIAN ORIGIN FROM BURMA & SRI LANKA WHO HAVE MIGRATED TO INDIA ON OR AFTER 1ST JANUARY, 1964 (BUT BEFORE 25TH MARCH 1971) 1ST JUNE, 1963, AND 1ST NOV., 1964 RESPECTIVELY, AND BEING NOT IN A POSITION TO PAY ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE *VIDE* PARA 8(iv) ABOVE.

9. No claim for refund of the fee paid to the Institute will be entertained, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

In case the candidate is not admitted to the Examination by the Institute because of late receipt of his application or cancellation of examination, the fee paid by him will be refunded in full.

10. All communications in respect of an application should be addressed to the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1, Post Bag No. 2 R. K. Puram, New Delhi-110022, and should contain the following particulars :—

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL, AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

Communications not giving these particulars may not be attended to. In all correspondence with the Institute of Secretariat Training & Management concerning this examina-

1974, candidates should invariably superscribe their envelopes and correspondence with the words and figures "Clerks' Grade Examination, 1975".

MADAN LAL,  
Director (Exams.)

*Institute of Secretariat Training & Management*

## ANNEXURE

### INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the Deputy Directors (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management in accordance with para 6 of the Notice. Candidates should consult them carefully to see if they are eligible before filing in the application form or paying the prescribed fee. The conditions prescribed can in no case be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION, THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE. THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION, ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may, at the discretion of the Institute, be required to appear at any one of the three Missions indicated, by him or at any other Missions.

2. The application form and the sheet comprising six portions showing the name and address of the candidate must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. The completed application form should be sent to the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block I, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110022 so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Institute after the date prescribed in the Notice will be accepted.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or Lakshadweep may at the discretion of the Institute be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or Lakshadweep, from a date prior to the date specified in the first sub-para of para 7 of the Notice.

A candidate already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity, must submit his application through the Head of his Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Institute.

Applications from all other candidates whether in private employment or in Government-owned industrial undertakings or other similar organisations, can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Institute late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be entertained.

3. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

4. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders payable to the Institute of Secretariat Training and Management, New Delhi at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi for the prescribed fee.

These are not required to be submitted by ex-Servicemen released from the Armed Forces or those seeking remission of the fee *vide* sub-para (iv) of para. 8 of the Notice.

- (ii) An attested copy of Certificate of Age.
- (iii) An attested copy of Certificate of Educational Qualification.
- (iv) Three identical copies of recent passport size (7 cm. × 5 cm. approx.) photograph of the candidate.

Copies of the certificates mentioned above and other certificates required to be submitted mentioned elsewhere should be got attested by one of the following, who should indicate his name, designation and full address and date of attestation and affix his seal/rubber stamp below his signature :—

- (a) Gazetted Officers of the Central or a State Government.
- (b) Members of Parliament or of a State Legislature or the Metropolitan Council in Delhi.
- (c) Sub-Divisional Magistrate/Officers.
- (d) Tehsildars or Naib/Deputy Tehsildars.
- (e) Principals/Headmasters of recognised High Schools/Higher Secondary Schools/Colleges/Institutions of higher learning.
- (f) Block Development Officers.
- (g) Members of a Municipal Corporation.

copies of the photograph or the attested copies of the certificates, mentioned in paras, 4(ii), 4(iii), 5 and 6(xi) to 6iv) will not be returned to the candidate.

Details of the documents mentioned in item i), (ii), (iii) and (iv) are given below :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee.

All Postal Orders should bear the signature of issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

All Postal Orders should be CROSSED with 'A/c Payee only' crossing and filled in as follows :—

"Pay to the Institute of Secretariat Training and Management, New Delhi at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated or time-barred Postal Orders will also not be accepted.

Candidates should write their name and address on the back of the postal orders in the space provided for the purpose.

NOTE :—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications should deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "065—Other Administrative Services—C. Other Services—I.S.T. & M.—Other Receipts—Examination Fee". Adjustable by the Accountant General, Central Revenues, New Delhi). The candidates should forward the receipt from that Office with the application.

(ii) Attested copy of Certificate of Age :—The date of birth ordinarily accepted by the Institute is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate, recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation, or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. The expression Matriculation Certificate in this part of the instructions must be understood as including these alternative certificates.

Sometimes the Matriculation or equivalent Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send, in addition to the attested copy of the

Matriculation or equivalent certificate, an attested copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution where he studied showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

If a candidate is unable to submit an attested copy of the Matriculation or equivalent Certificate with his application, he must give a reasonable explanation for its absence. Such a candidate should further submit along with his application a certificate, in the form prescribed under Note 3 below para 4(iii) from the Principal/Headmaster of the school from where he appeared at the Matriculation or equivalent examination, showing his age/date of birth as recorded in the Admission Register of the School.

Candidates are warned that unless an attested copy of complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with the age shown in the attested copy of the Matriculation Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate should submit an attested copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED AND ACCEPTED BY THE INSTITUTE FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

NOTE 3—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, or (ii) a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination or (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry, or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of age in the form prescribed under Note 3 below para 4(iii) from the Principal of the school concerned and no other certificate as evidence of age will be required. This certificate will not be returned to the candidate.

NOTE 4—Displaced persons, who have lost their original Matriculation Certificate in Pakistan, should obtain duplicate certificate from the University concerned and submit an attested copy thereof. If they are unable to obtain the duplicate Matriculation Certificate from the University, they should submit an attested copy of an extract from the University Gazette in which their results were published showing their date of birth and certified by the Registrar or the Headmaster.

(iii) *Attested copy of Certificate of Educational Qualification*—A candidate must submit an attested copy of a certificate or diploma, showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate, attested copy of which is submitted, must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body, awarding the particular qualification. If an attested copy of such a certificate or diploma is not submitted, the candidate must explain its absence, and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualification. The Institute will consider this evidence on its merits but does not bind itself to accept it as sufficient.

NOTE 1—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate should submit an attested copy each of the first page and the page containing entries regarding the result of the S.S.L.C. Examination.

NOTE 2—A candidate who has passed the 10th class of (i) a recognised Higher Secondary School, or (ii) a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination, or (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry, or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of educational qualification in the form prescribed below under Note 3 from the Principal/Headmaster of the School concerned. This certificate will not be returned to the candidate.

NOTE 3—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to this examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates must, however, submit a certificate in the form prescribed below, from the Headmaster/Principal of the School concerned (which will not be returned to him) pending submission of an attested copy of a certificate of educational qualification called for in para 4(iii) above.

Such candidates will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and, in any case, not later than two months after the date of this examination.

The form of certificate to be produced by the candidate [cf. third sub-para of para 4(ii), and Note 3 thereunder and Notes 2 and 3 above].

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* .....  
son/wife/daughter\* of Shri .....

\*(a) has passed in the year ..... Higher Secondary/High School/Matriculation/Secondary School Examination of ..... (Name of Board/University) and was placed in ..... Division, but his/her certificate has not yet been issued by the said Board/University;

\*(b) has passed in the year ..... Tenth Class of this school, which is the penultimate class of the course for Higher Secondary School/Indian School Certificate examination/Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry/Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic\* and is at present studying in ..... class of his school;

\*(c) is studying in ..... Class (Tenth Class or equivalent) and is expected to appear/has appeared\* at the ..... examination conducted by ..... (Name of University/Board/School) in the month of ..... 19 .....

2. It is also certified that his/her\* date of birth as recorded in the Admission Register of this school is ..... This has been verified from his/her\* transfer certificate/statement made on his/her\* behalf at the time of his/her\* admission to the School.

(Signature of Headmaster/Principal)\*

(Rubber stamp of the School)

Date .....

Place .....

\*Strike out portions which are not applicable.

(iv) *Three Copies of Photograph*—A candidate must submit three identical copies of his/her recent passport size (7 cm. X 5 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the second and third copies should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

5. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate. If both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* .....  
 ..... son/wife/daughter\* of .....  
 ..... of Village/Town\* .....  
 in District/Division\* ..... of the  
 State/Union Territory\* of ..... Caste/Tribe\*  
 belongs to the \*\* ..... Caste/Tribe\*  
 which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\*  
 under the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists  
 (Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorgani-  
 sation Act, 1960 and the Punjab Reorganisation Act, 1966\*  
 the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order,  
 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled  
 Tribes Order, 1959\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes  
 Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes  
 Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order,  
 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes  
 Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes  
 Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

2. Shri/Shrimati/Kumari\* .....  
 and/or\* his/her\* family ordinarily reside(s) in village/town\*  
 ..... of ..... District/  
 Division\* of the State/Union Territory\* of .....

Signature .....  
 \*\*\*Designation .....  
 (with seal of Office)

Place .....

Date .....

State/Union Territory.

\*Please delete the words which are not applicable.

\*\*Here state the name of Caste/Tribe to which the candi-  
 date belongs.

NOTE (i) The term "ordinarily reside(s)" used here will  
 have the same meaning as in Section 20 of the  
 Representation of the People Act, 1950.

(ii) No person who professes a religion different  
 from Hindu or the Sikh religion shall be deemed  
 to be a member of a Scheduled Caste.

\*\*\*Officers competent to issue Scheduled Caste/Tribe  
 certificates—

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/  
 Collector/Deputy Commissioner/Additional De-  
 puty Commissioner/Deputy Collector/1st Class Sti-  
 pendary Magistrate/City Magistrate/% Sub-Divi-  
 sional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Ma-  
 gistrate/Extra Assistant Commissioner.

%Not below the rank of 1st Class Stipendiary  
 Magistrate.

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Pre-  
 sidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candi-  
 date and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Develop-  
 ment Officer (Lakshadweep).

6(1) A displaced person from Bangla Desh (erstwhile East  
 Pakistan) claiming age concession under Rule 6(c) (ii) or  
 6(c) (iii) should produce an attested copy of a certificate  
 from one of the following authorities to show that he is a  
*bona fide* displaced person from Bangla Desh and had migrated  
 to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March,  
 1971.—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the  
 Dandakaranya Project or of Relief Camps in various  
 States;
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for  
 the time being, be resident;
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee  
 Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the sub-division in his  
 charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West  
 Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta. If he  
 is seeking remission of the fee under paragraph  
 9(iv) of the Notice, he should also produce a certi-  
 ficate, in original from a District Officer or a Gazet-  
 ted Officer of Government or a Member of Parlia-  
 ment or State Legislature to show that he is not in  
 a position to pay the prescribed fee. This certificate  
 will not be returned to the candidate.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka seeking  
 remission of the prescribed fee under paragraph 8(iv) of the  
 Notice or age concession under Rule 6(c) (v) or 6(c) (vi)  
 should produce an attested copy of a certificate from the  
 High Commissioner for India in Sri Lanka to show that he  
 is an Indian citizen who has migrated to India on or after  
 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of  
 October, 1964. If he is seeking remission of the fee, he  
 should also produce a certificate, in original, from a District  
 Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member  
 of Parliament or State Legislature to show that he is not  
 in a position to pay the prescribed fee. This certificate will  
 not be returned to the candidate.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking re-  
 mission of the prescribed fee under paragraph 8(iv) of the  
 Notice or age concession under Rule 6(c)(ix) or 6(c)(x) should  
 produce an attested copy of the identity certificate issued  
 to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is  
 an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st  
 June, 1963 or an attested copy of a certificate from the  
 District Magistrate of the area in which he may be resi-  
 dent to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma  
 and has migrated to India on or after 1st June, 1963. If  
 he is seeking remission of the fee, he should also produce  
 a certificate, in original, from a District Officer or a Gazetted  
 Officer of Government or a Member of Parliament or State  
 Legislature to show that he is not in a position to pay the  
 prescribed fee. This certificate will not be returned to the  
 candidate.

(iv) An ex-Serviceman who does not pay the prescribed  
 fee and is competing for vacancies reserved for ex-Servicemen  
 in terms of Rule 2 should submit an attested copy of  
 the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air  
 Force/Navy authorities, as proof of his being an ex-Serviceman,  
 indicating the exact date of his joining the Armed  
 Forces and the date of his release from the Armed Forces.

(v) A candidate from the Union Territory of Pondicherry  
 claiming age concession under Rule 6(c) (iv) should produce  
 an attested copy of a certificate from the Principal of the  
 educational institution he has attended to show that he had  
 received education through the medium of French at some  
 stage.

(vi) A candidate from the Union Territory of Goa,  
 Daman and Diu, claiming age concession under Rule 6(c)(vii),  
 should produce an attested copy of a certificate from one  
 of the following authorities in support of his claim:—

- (1) Director of Civil Administration.
- (2) Administrator of the Concelho.
- (3) Mamlatdars.



(vii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), claiming age concession under Rule 6(c) (viii) should produce an attested copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(viii) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(c)(xi) or 6(c)(xii) should produce an attested copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

*Form of certificate to be produced by the candidate*

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature \_\_\_\_\_

Designation \_\_\_\_\_

Name \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

\*Strike out whichever is not applicable.

(ix) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(c) (xiii) or 6(c) (xiv) should produce an attested copy of a certificate in the form prescribed below from the Director-General Border Security Force to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

*Form of certificate to be produced by the candidate*

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Border Security Force in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature \_\_\_\_\_

Name \_\_\_\_\_

Designation \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

7. (a) A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Department of Personnel and Administrative Reforms for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

(b) If a certificate of eligibility is not necessary in the case of a person he should produce an attested copy of an Affidavit on non-judicial Stamp paper sworn before a First Class Magistrate in one of the following forms whichever may be applicable to him:—

- (1) "I declare that I migrated to India from areas which now form Pakistan or Bangla Desh before the nineteenth day of July, 1948, and have ordinarily been resident in India since then."
- (2) "I declare that I migrated to India from areas which now form Pakistan or Bangladesh on or after the nineteenth day of July, 1948 and have ordinarily been resident in India since then and I further declare that I have got myself registered as a citizen of India under Article 6 of the Constitution."
- (3) "I declare that I entered the Union Service without a certificate of eligibility before the commencement of the Constitution, i.e., 26th January 1950 and am continuing in such service since then without a break."

NOTE—A candidate whose case is covered by item (2) above may submit an attested copy of the certificate of Registration as citizen of India, in lieu of an Affidavit sworn before a 1st Class Magistrate as required under sub-para (6) above.

8. Candidates are warned that if an application is incompletely or wrongly filled or is not accompanied by any of the documents mentioned under paragraph 4(i) 4(ii), 4(iii), 4(iv), 5, 6 and 7, as may be required to be submitted by them, without a reasonable explanation for their absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. Any documents not submitted with the application, but for the absence of which explanation has been given, should be sent soon after the submission of the application, and in any case they must reach the Institute's office within one month after the last date of the receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected. The attested copies of certificates submitted will not be returned by the Institute.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in the documents or its copy submitted by them nor should they submit a tampered document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies an explanation regarding the discrepancy may be submitted separately.

9. (a) Candidates who claim exemption from passing the typewriting test in terms of Note (II) under paragraph I of Appendix I to the Rules should furnish details of their passing an earlier typewriting test held by the Union Public Service Commission/Secretariat Training School/Institute of Secretariat Training & Management like roll number, date and place of test the speed at which the test was passed, in column 9 (a) of the application form.

(b) A candidate who claims exemption from passing the typewriting test in terms of Note (II) below paragraph I of Appendix I to the Rules should furnish a certificate from a Civil Surgeon declaring him to be permanently unfit to pass the typewriting test because of a physical disability (to be named in the certificate).

(c) Candidates will be required to bring their own typewriters for the typewriting test. A typewriter with the standard size roller will do for both the papers of the test. The Institute will in no case supply typewriters to the candidates. Candidates should ensure that the typewriters brought by them for the test are in perfect working condition. No extra time will be allowed to a candidate if his typewriter goes out of order during the test.

10 If a candidate qualifies in the examination he will be required to submit his original certificates (of which attested copies are required to be submitted by him alongwith the application) to the authority who will give him the letter of appointment. His appointment will be subject to—

- (a) the production of his original certificates, which should conform in all respects to the attested copies furnished by him with the application; and
- (b) the particulars entered by him in the application being fully supported by those shown in the original certificates and being found correct.

11 The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *inso facto* make receiver eligible for admission to the examination.

12. If a candidate, who sends his application by post and does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of application for the examination, he should at once contact the Institute for the acknowledgement.

13 Every candidate for admission to this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when such result will be communicated. But if a candidate does not



receive from the Institute of Secretariat Training & Management a communication regarding the result of his application one month before the date of the examination he should at once contact the Institute for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

14. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the examinations held by the UPSC/STS/ISTM in previous years are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006, and may be obtained from him direct by mail orders only. These can also be obtained against cash payment from (i) the Kitab Mahal, 14 Barracks 'A', Janpath, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8-K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the

agents of the Government of India publications at various towns.

15. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE INSTITUTE ALONG WITH SIX SLIPS SHOWING THE ROLL NUMBER, THE NAME AND NEW ADDRESS IN BLOCK CAPITALS AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 10 OF THE NOTICE, ALTHOUGH THE INSTITUTE MAKES EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, IT CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

